रांची

www.vananchaleye@gmail.com

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:75 | शुक्रवार,21 नवम्बर

ब्रीफ न्यूज

28 को 8514 नियुक्ति पत्र बांटेंगे हेमंत

संवाददाता

राज्य सरकार के एक साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सौगातों की बौछार करने वाले हैं। 28 नवंबर को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में एक साथ 8514 नियुक्ति पत्र बांटे जाएंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जिन पदों के लिए नियुक्ति पत्र वितरित करने वाले हैं, उसमें उप समाहर्ता के 207, पुलिस उपाधीक्षक 35, राज्य कर पदाधिकारी 56, कारा अधीक्षक 2, झारखंड शिक्षा सेवा श्रेणी-2 के 10, जिला समावेष्टा 1, सहायक निबंधक 8, श्रम अधीक्षक 14, प्रोबेशन पदाधिकारी 6, निरीक्षक उत्पाद 3, दंत चिकित्सा पदाधिकारी 22, सहायक आचार्य 8000 और कीटपालक के 150। यानी कुल 8514 नियुक्ति पत्र बांटे जाएंगे। गौरतलब है कि इन पदों पर चयन की प्रक्रिया जेपीएससी और जेएसएससी के माध्यम सेकिया गया है।

महाराष्ट्र के रायगढ़ में खाई में गिरी जीप,छह लोगों की मौत

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में पुणे-माणगांव हाई-वे पर कोंडेथर गांव के पास ताम्हिनी घाट पर जीप गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। इन सभी मृतकों के शवों को गुरुवार दोपहर में खाई से बाहर निकाल गया तथा पोस्टमार्टम के लिए मानगांव उपजिला अस्पताल में भेज दिया गया। इस घटना की छानबीन मानगांव पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। पुलिस निरीक्षक निवृत्ति बोराडे ने बताया कि आज दोपहर करीब साढ़े तीन बजे जीप गहरी खाई में गिर गई। इसमे सवार सभी छह लोगों के शव ड्रोन की मदद से खोजे गए। इसके बाद रेस्कू टीम की मदद से सभी छह शव खाई से बाहर लाकर मानगांव उपजिला अस्पताल में भेज गया। मृतकों की पहचान शहाजी चव्हाण (22), पुनीत सुधाकर शेट्टी (20), साहिल साधु बोटे (24), महादेव कोली (18), ओमकार सुनील कोली (18) और शिवा अरुण माने (19) के रुप में की गई। मृतकों के रिश्तेदारों को भी सूचित कर दिया गया है। आगे की कार्रवाईजारी है।

झारखंड में 23 से बादल छाने की संभावना

संवाददाता

रांची। झारखंड में इन दिन में ठंड सामान्य रूप से पड रही है, जबकि रात में ठिठुरन बढने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड रहा है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने गुरुवार को बताया कि झारखंड में पिफलहाल ठंड में बढोतरी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि 21 और 22 नवंबर को झारखंड के अधिकांश जिलों में सुबह में हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाया रहेगा और बाद में आसमान साफ हो जाएगा। वहीं 23 और 24 नवंबर को सुबह में कुहासा छाया रहेगा और बाद में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इधर, पिछले पांच दिनों में राज्ये में न्यूंनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होने की संभावना है। पिछले 24 घंटों के दौरानझारखंड में सबसे अधिक तापमान में चाईबासा में 31.4 डिग्री ।

नीतीश कुमार 10वीं बार बने बिहार के सीएम

भाजपा से 14, जदयू से 08, लोजपा (आर) से 02, हम और रालोमा से एक-एक मंत्री ने ली शपथ

संवाददाता

पटना : नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं। पटना के गांधी मैदान में आयोजित समारोह में गुरुवार को बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलावा एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। नई सरकार के 26 मंत्रियों ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ली। मुख्यमंत्री के बाद उपमुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को शपथ दिलाई गई।

नीतीश कैबिनेट में बीजेपी से 14, जेडीयू से आठ, एलजेपीआर से दो, हम और रालोमो से एक-एक मंत्री बनाए गए हैं।मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ ही केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, धर्मेन्द्र प्रधान, जीतन राम मांझी, राजीवरंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, चिराग पासवान।

मंत्रियों की सूची

भाजपा कोटे से : सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा , दिलीप जायसवाल , मंगल पांडे,नितिन नवीन, सुरेंद्र मेहता , संजय टाइगर , लखेंद्र पासवान, श्रेयसी सिंह , अरुण शंकर प्रसाद, राम कृपाल यादव , रमा निषाद , नारायण प्रसाद , प्रमोद कुमार चंद्रवंशी जदयू कोटे से : अशोक चौधरी, लेसी सिंह, सुनील कुमार, विजेंद्र प्रसाद यादव, श्रवण कुमार, विजय चौधरी, मदन साहनी, जमा खान। लोजपा (आर) से : संजय पासवान, संजय सिंह।

मोदी ने नीतीश कुमार को सराहा, बताया कुशल और अनुभवी प्रशासक

एजेंसी

पटना। जनता दल-यूनाइटेड के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने गुरुवार को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में एक भव्य समारोह में रिकॉर्ड दसवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। कुल 18 कैबिनेट मंत्रियों और दो उप-मुख्यमंत्रियों ने शपथ ली। कुल 26 मंत्रियों ने शपथ ली और शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा और एनडीए के कई अन्य शीर्ष नेता शामिल हुए। इस समारोह में एनडीए शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी भाग लिया। शपथ के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेनीतीश कुमार और अन्य मंत्रियों को बधाई दी है। शपथ की तस्वीरों को साझा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि श्री नीतीश कुमार जी को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बहुत-बहुत बधाई। वे एक कुशल और अनुभवी प्रशासक हैं। राज्य में सुशासन का उनका शानदार ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। नए कार्यकाल के लिए उन्हें मेरी हार्दिक शुभकामनाएं! उन्होंने आगे लिखा कि श्री सम्राट चौधरी जी और श्री विजय सिन्हा जी को बिहार के उप मुख्यमंत्री बनने पर ढेरों बधाई। जमीनी स्तर पर दोनों नेताओं के पास जनसेवा का लंबा अनुभव है। उन्हें भी मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं! मोदी ने एक्स पर यह भी लिखा कि बिहार सरकार में मंत्रियों के रूप में शपथ लेने वाले सभी साथियों को मेरी हार्दिक बधाई।

केंद्र सरकार के सहयोग से बिहार में राजग की सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगी : नीतीश

पटनाः बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरूवार को कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगी। राजग के नेता नीतीश कुमार ने आज दसवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। श्री कुमार ने 26 मंत्रियों के साथ ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित भव्य समारोह में शपथ ली। श्री कुमार ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद प्रदेश की जनता का आभार जताया और उन्हें धन्यवाद दिया है। श्री कुमार ने एक्स पर लिखा, आज पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में बिहार की नवनिर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। आज के इस विशेष अवसर पर बिहार के लोगों को मेरा नमन, हृदय से आभार एवं धन्यवाद। श्री कुमार ने लिखा, आज शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हृदय से धन्यवाद एवं आभार।साथ ही केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, विभिन्न राज्यों से आए मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री, सभी गणमान्य लोगोंएवं विशिष्ट अतिथियों का भी हार्दिक अभिनंदन। मुख्यमंत्री श्री कुमार ने कहा, बिहार के सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ केंद्र सरकार के सहयोग से बिहार में राजग की सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्यकरेगी।

रिश्वत लेते चैनपुर अंचल के बड़ा बाबू गिरफ्तार

संवादाता

पलामू। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) पलामू की टीम ने चैनपुर अंचल कार्यालय के बड़ा बाबू विनोद कुमार को गिरफ्तार करने के बाद सिंगरा में उनके आवास पर भी छापेमारी की। यहां से कई कागजात जब्त किये गए। दोपहर दो बजे मेडिकल जांच के बाद बड़ा बाबू को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इससे पूर्व पलामू प्रमंडलीय एसीबी टीम ने चैनपुर अंचल कार्यालय के बड़ा बाबू विनोद कुमार को 5500 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुरुवार को पलामू एसीबी टीम की ओर से की गई। एसीबी को आवेदन देकर चैनपुर के अनोज प्रसाद ने शिकायत की थी कि बड़ा बाबू विनोद कुमार अंचल कार्यालय से उसका नामांत्रण वाद संख्या 0- 373/1987-88 आदेश पत्र नकल निर्गत करने के लिए 10 हजार रुपए घूस की मांग की है। तमाम आग्रह के बाद भी बड़ा बाबू बिना पैसे लिए काम करने को तैयार नहीं थे। सत्यापन के क्रम में अनोज की ओर से काफी आग्रह करने पर 5500 रुपए रिश्वत मांगने की बात सही पायी गयी। इस संबंध में 19 नवंबर को मामला दर्ज कर कार्रवाई टीम का गठन किया गया और गवाहों की उपस्थिति में प्राथमिकी अभियुक्त विनोद राम को 5500 रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया गया। बड़ा बाबू की गिरफ्तारी के साथ ही पलामू एसीबी की टीम ने इस वर्ष का10वां ट्रैप केस पूरा कर लिया है।

दोनों ओर से नहीं हुई लिखित शिकायत, समझा-बुझाकर लौटी पुलिस

रांची सदर अस्पताल में मरीज की मौत परिजनों ने हंगामे के बाद की तोड़फोड़

एजेंसी

रांची : गुरुवार को सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मरीज की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। मामला इतना बिगड़ गया कि परिजनों ने हॉस्पिटल में तोड़फोड़ कर दी। वहीं डॉक्टर से हाथापाई भी की। घटना की जानकारी मिलने के बाद लोअर बाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को शांत कराया। इस दौरान सदर हॉस्पिटल के अधिकारी और डॉक्टर भी मौजूद रहे। परिजनों ने पुलिस से मौखिक शिकायत की। जिसमें गलत इंजेक्शन लगाने की बात कही गई। वहीं अधिकारियों ने पुलिस को बताया कि परिजनों ने वार्ड में तोड़फोड़ की। हालांकि दोनों ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई। परिजनों का कहना था कि चुटिया निवासी उमेश साहू कोबुधवार शाम को अस्पताल लाया गया था।

गलत इंजेक्शन देने की अधिकारियों से की गई शिकायत

अमेरिकी संसद को भेजी गई बिक्री के लिए जरूरी मंजूरी और डिटेल्स

भारत को 100 टैंक किलर मिसाइलें देगा अमेरिका

एजेंसी

भारत को 100 जेवलिन मिसाइल सिस्टम (एफजीएम-148) यानी टैंक किलर मिसाइल सिस्टम और 216 एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल स्मार्ट तोपगोला (एम- 982अ1) देगा। इनके लिए दोनों देशों के बीच 92.8 मिलियन डॉलर (करीब 775 करोड़ रुपए) की डील पक्की हुई है। अमेरिकी रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) की ओर से बताया गया कि इस बिक्री के लिए जरूरी मंजूरी और डिटेल्स अमेरिकी संसद कांग्रेस को भेज दी गई है। डीएससीए के अनुसार, हथियार भारत को मौजूदा और भविष्य के खतरों से निपटने में मदद करेंगे। एफजीएम-148 जेवलिन एक पोर्टेबल एंटी-टैंक मिसाइल है। इसे टैंकों, बख्तरबंद वाहनों, बंकरों को नष्ट करने के लिए बनाया गया है। मिसाइल टारगेट की गर्मी पहचानकर उसपर हमला करती है। इसकी 2500 मीटर रेंज है। यह मिसाइल धुएं, धूल या खराब मौसम में भी टारगेट को तबाह करने में सक्षम है। एम-982अ1 जीपीएस-गाइडेड स्मार्ट गोला है। यह स्मार्ट बम की तरह काम करता है, लेकिन तोप से छोड़ा जाता है। सामान्य तोप रेंज 15- 20 किमी तक होती है, लेकिन एक्सकैलिबर 40-50 किलोमीटर दूर तक सटीक निशाना लगा सकता है। डील को मंजूरी देते हुए डीएससीए ने कहा कि यह बिक्री भारत जैसे महत्वपूर्ण रक्षा साझेदार की सुरक्षा को और मजबूती देगी। इससे भारत की वर्तमान और भविष्य की खतरों से निपटने कीक्षमता बढ़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट

गवर्नरों के पास विधेयकों को रोकने का नहीं है पूरा पावर

सुप्रीम कोर्ट बोला- विस से पास बिलों को देर तक न लटकाएं राज्यपाल

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि गवर्नर और प्रेसिडेंट के लिए मंजूरी देने की कोई टाइमलाइन तय नहीं की जा सकती और गवर्नर राज्य विधानसभाओं द्वारा पास किए गए बिलों को अनिश्चित काल तक नहीं रोक सकते. चीफ जस्टिस बी आर गवई की अगुवाई वाली एक कॉन्स्टिट्यूशन बेंच ने प्रेसिडेंशियल रेफरेंस पर अपनी राय दी. इस बेंच में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस ए एस चंदुरकर शामिल रहे. इसमें पूछा गया था कि क्या कोई कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट राज्य विधानसभाओं द्वारा पास किए गए बिलों को मंजूरी देने के लिए गवर्नर और प्रेसिडेंट के लिए टाइमलाइन तय कर सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिनों तक दलीलें सुनने के बाद 11 सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था. आर्टिकल 200 और आर्टिकल 201 में गवर्नर और प्रेसिडेंट के अपने अधिकार का इस्तेमाल करने की टाइम लिमिट के बारे में सवालों पर अपनी राय देते हुए सीजेआई ने कहा, 'आर्टिकल 200 और 201 का टेक्स्ट इस तरह से बनाया गया है ताकि संवैधानिक अधिकारियों को अलग-अलग हालात और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपना काम करने में एक लचीलापन मिले. इसके नतीजे में हमारे जैसे फेडरल और डेमोक्रेटिक देश में कानून बनाने की प्रक्रिया में बैलेंस बनाने की जरूरत पड़ सकती है. टाइमलाइन लगाना इस लचीलेपन के बिल्कुल खिलाफ होगा जिसे संविधान ने इतनी सावधानी से बनाए रखा है.' डीम्ड असेंट से जुड़े सवालों पर सीजेआई ने कहा कि आर्टिकल 200 और 201 के हिसाब से डीम्ड असेंट का कॉन्सेप्ट यह मानता है कि एक कॉन्स्टिट्यूशनल अथॉरिटी (यहां, कोर्ट), दूसरे कॉन्स्टिट्यूशनल अधिकारी (यहां, गवर्नर, या प्रेसिडेंट) के लिए सब्स्टिट्यूशनल रोल निभा सकती है. सीजेआई ने कहा, 'गवर्नर के गवर्नर वाले काम और इसी तरह प्रेसिडेंट के कामों पर इस तरह कब्जा करना, न सिर्फ कॉन्स्टिट्यूशन की भावना के खिलाफ है, बल्कि खास तौर पर, शक्तियों के बंटवारे के सिद्धांत के भी खिलाफ है,

स्पष्ट किया विधेयक स्वीकार करें, लौटाएं या राष्ट्रपति को भेजें

झारखंड कर रहा है तसर उत्पादन में देश का नेतृत्व

तसर से तरक्की तक: झारखंड पवेलियन में दिखाई दी राज्य के राष्ट्रीय नेतृत्व की शक्ति

एजेंसी

रांची/ नई दिल्ली: भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 में झारखंड पवेलियन इस वर्ष विशेष रूप से सुर्खियों में है। इसकी सबसे बड़ी वजह है। तसर सिल्क के क्षेत्र में झारखंड की अद्वितीय पहचान, जहां देश के कुल तसर उत्पादन का 70 प्रतिशत योगदान अकेले झारखंड देता है। यह उपलब्धि न केवल राज्य की प्राकृतिक संपदा और कौशल का प्रमाण है, बल्कि महिलाओं के नेतृत्व में उभरती एक मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कहानी भी है। झारखंड का तसर उद्योग आज एक स्पष्ट विजन के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है–स्थानीय आजीविका को सुदृढ़ करना, कच्चे रेशम के उत्पादन को बढ़ाना, तसर से जुड़े संपूर्ण इकोसिस्टम का निर्माण करना और राज्य को भारत के हस्तशिल्प मानचित्र पर विशिष्ट स्थान दिलाना। इसी मिशन के तहत, झारखंड में आज 100 कोकून संरक्षण केंद्र और 40 पूर्ण-सुविधायुक्त परियोजना केंद्र संचालित हो रहे हैं। 2001 में 90 मीट्रिक टन कच्चे रेशम का उत्पादन बढ़कर 2024-25 में 1,363 मीट्रिक टन तक पहुँच गया है, जिसने झारखंड को देश की तसर राजधानी के रूप में स्थापित कर दिया है। इस अभूतपूर्व सफलता के केंद्र में हैं झारखंड की महिलाएँ। तसर उत्पादन के 50-60 प्रतिशत कार्यों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी है । कोकून प्रसंस्करण से लेकर तसर धागा उत्पादन और तैयार उत्पादों के निर्माण तक। उल्लेखनीय है कि यार्न उत्पादन पूरी तरह से महिला कर्मियों द्वारा किया जाता है, जिसने उन्हें आर्थिक रूप से सशक्तबनाने के साथ-साथ राज्य की तसर अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ भी बनाया है।

बाल अधिकार दिवस पर बच्चों को एक दिन विधानसभा अध्यक्ष बनने का मिलेगा अवसर

रांची, संवाददाता ।

रांची में विश्व बाल अधिकार दिवस के मौके पर आज होटल रेडिसन ब्लू में राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम का विषय था बाल तस्करी से आजादी, सुरक्षित बचपन सशक्त झारखंड. मुख्य अतिथि झारखंड विधानसभा अध्यक्ष श्री रविन्द्र कुमार महतो ने कहा कि झारखंड के बच्चों में बहुत क्षमता है, लेकिन कई बच्चे दलालों और प्लेसमेंट एजेंसियों के धोखे में आकर तस्करी का शिकार हो जाते हैं, जो बेहद दुखद है. उन्होंने कहा कि यह बुरी प्रथा खत्म करने के लिए सरकार और समाज को मिलकर पूरी ताकत से काम करना होगा. उन्होंने बताया कि सरकार की कई योजनाएँ जैसे किशोरी बाई समृद्धि योजना, मइयां सम्मान योजना और गुरूजी क्रेडिट कार्ड योजना बच्चों और परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती हैं, जिससे तस्करी की संभावना कम होती है. उन्होंने बाल कल्याण संघ के पिछले 25 वर्षों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि बच्चों की सुरक्षा में गाँव से लेकर राज्य स्तर तक सभी को मिलकर जागरूक होना होगा.

कार्यक्रम में एक खास घोषणा भी की गई खूंटी जिले के बाल मंच से चुने गए बच्चों को एक दिन के लिए विधानसभा अध्यक्ष बनने का अवसर दिया जाएगा, ताकि वे लोकतांत्रिक व्यवस्था और अपने अधिकारों को समझ सकें. विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद श्रीमती महुआ माजी ने कहा कि झारखंड सरकार तस्करी रोकने, पीड़ितों को बचाने और पुनर्वास कराने में गंभीरता से काम कर रही है.उन्होंने बताया कि पीड़ितों को मुआवजा (कम्पेनसेशन) देना शुरू हो गया है, ताकि परिवारों को राहत मिल सके. उन्होंने कहा कि सरकार कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय और स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से तस्करी से प्रभावित बच्चियों की पढ़ाई फिर से शुरू कराने में मदद कर रही है.साथ ही उन्होंने बताया कि सरकार डोमेस्टिक वर्कर्स बिल लाने की दिशा में काम कर रही है, जिससे घरेलू कामगारों और बच्चों के शोषण पर रोक लगेगी. योजना विकास सचिव मुकेश कुमार ने कहा कि तस्करी और बाल श्रम रोकने के लिए सरकार और संगठनों के प्रयास जरूरी हैं, लेकिन सबसे ज्यादा जरूरत समुदाय की जागरूकता की है. उन्होंने कहा कि कई घरों में अब भी बच्चों से घरेलू काम कराया जाता है, लेकिन लोग इसकी शिकायत नहीं करते। समय पर दी गई एक छोटी सी सूचना कई बच्चों की जिंदगी बदल सकती है.

मिशन वात्सल्य के निदेशक विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि सरकार बाल संरक्षण से जुड़ी सभी संस्थाओं बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, डीसीपीयू और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को और मजबूत करने में लगी है. बाल कल्याण संघ के संस्थापक श्री संजय मिश्र ने कहा कि संगठन श्रम विभाग के साथ मिलकर बाल श्रम खत्म करने के लिए पांच साल की कार्ययोजना तैयार कर रहा है. साथ ही घरेलू कामगार बिल लागू होने पर लाखों घरेलू कामगारों को सुरक्षा मिलेगी और प्लेसमेंट एजेंसियों पर नियंत्रण बढ़ेगा.महिला एवं बाल विकास विभाग के उप सचिव ने कहा कि मिशन वात्सल्य योजना को गांवों तक पहुंचाने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. कार्यक्रम में CWC, DCPO, AHTU, रेल पुलिस, श्रम विभाग, मिशन वात्सल्य तथा कई राज्यों से आए गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों सहित लगभग 200 लोगों ने भाग लिया.

जिले में विकास योजनाओं को लेकर वरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक

रांची, संवाददाता ।

रांची के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में आज समाहरणालय के सभागार में सभी वरीय अधिकारियों की एक बड़ी समीक्षा बैठक हुई. बैठक में जिले में चल रहे विकास कार्यों, सरकारी योजनाओं और जनता से जुड़ी सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की गई.उपायुक्त ने हाल ही में हुए स्थापना दिवस के सफल आयोजन पर अधिकारियों की सराहना की और कहा कि सभी विभाग मिलकर, बेहतर समन्वय के साथ काम करें.

आपकी योजना - आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम पर विशेष निर्देश

21 नवंबर से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए उपायुक्त ने सभी प्रखंडों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.उन्होंने कहा कि जनता को सभी योजनाओं की जानकारी और लाभ समय पर मिले, यह सुनिश्चित करें. जनता से सम्मानपूर्वक व्यवहार करने के निर्देशउपायुक्त ने सभी कार्यालय प्रमुखों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिया कि -जनता से किसी भी तरह का दुर्व्यवहार न करें संवेदनशील रहें काम में पूरी पारदर्शिता रखेंसमय पर कार्यालय आएं, आई-कार्ड पहनें और बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करें समाहरणालय आने वाले लोगों को सही जानकारी प्रदान करेंसाथ ही समाहरणालय परिसर की साफ-सफाई और जन शिकायतों के समाधान की भी समीक्षा की गई.

बैठक में चर्चा किए गए प्रमुख बिंदु

1. **विकास योजनाओं की प्रगति** : मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, अबुआ आवास, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, अमृत सरोवर योजना आदि की प्रगति की समीक्षा की गई.लंबित कार्यों को समय-सीमा के अंदर पूरा करने के निर्देश दिए गए.
2. **राजस्व से जुड़े मामले** : लगान, म्यूटेशन, दाखिल-खारिज और जमाबंदी सुधार से जुड़े मामलों को जल्द निपटाने के आदेश दिए गए.भूमि सर्वेक्षण और बंदोबस्त कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए.
3. **जन शिकायत निवारण** : जनता दर्शन, लोक शिकायत निवारण प्रणाली और झारखंड लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित आवेदनों को जल्द पूरा करने के आदेश दिए गए.
4. स्वच्छता, पेयजल और स्वास्थ्य सेवाएं : शहर और गांवों में स्वच्छता अभियान तेज करने के निर्देश, अस्पतालों में दवाओं और चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा, ओडीएफ स्थिति बनाए रखने की सलाह,

उपायुक्त का स्पष्ट संदेश : उपायुक्त ने कहा कि जनता से जुड़े कामों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.सभी विभाग तय समय में लक्ष्य पूरा करें और जनता की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करें.

रांची रेलवे स्टेशन पर बढ़ती यात्रियों की लापरवाही बन रही जानलेवा

रांची, संवाददाता ।

रांची रेलवे स्टेशन पर रोजाना सुरक्षा नियमों की अनदेखी लोगों की जान को खतरे में डाल रही है. फुट ओवरब्रिज बने होने के बावजूद भी यात्री सीधे पटरियों से गुजरना तेज और आसान मानते हैं. कई लोग बंद रेलवे फाटक के नीचे से निकलकर तेज रफ्तार ट्रेन के सामने जोखिम उठाते हैं. चलती ट्रेन के दरवाजे पर लटकना, प्लेटफॉर्म के किनारे खड़े रहना और गंदगी फैलाना जैसी आदतें भी खतरनाक साबित हो रही हैं. रेलवे लगातार चेतावनी देता है, घोषणाएं करता है और सोशल मीडिया पर अभियान चलाता है, लेकिन लोगों के व्यवहार में खास बदलाव नहीं दिखता. रांची की यह स्थिति कोई अकेला मामला नहीं है पूरे देश में यही लापरवाही भारी पड़ रही है. एनसीआरबी की 2023 की रिपोर्ट बताती है कि रेलवे हादसों में होने वाली ज्यादातर मौतों के पीछे जनता की असावधानी ही मुख्य कारण है, न कि ट्रेन की तकनीकी खराबी. रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन वर्षों (2023-2025) में देश में 76 हजार से ज्यादा रेलवे हादसे हुए. इनमें 67 हजार से अधिक लोगों की मौत हुई और 9 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए. सिर्फ 2023 में दर्ज 21,803 मौतों में से 73% मौतें ट्रैक पार करते समय, चलती ट्रेन से गिरने या प्लेटफॉर्म-ट्रेन के बीच फंसने जैसी घटनाओं में हुईं. तकनीकी कारणों से होने वाली दुर्घटनाएं बेहद कम है. लोको पायलट की गलती से सिर्फ 56 मामले, जबकि ट्रैक या मशीनरी खराबी से 43 मामले दर्ज हुए. यानी रेलवे की तकनीकी सुरक्षा बेहतर हुई है, लेकिन लोगों की लापरवाही लगातार जान ले रही है.

रांची में विस्फोटक सप्लाई नेटवर्क का खुलासा, भारी मात्रा में जिलेटिन स्टिक और डेटोनेटर बरामद

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची के ओरमांझी थाना क्षेत्र स्थित एक घर से अवैध विस्फोटक बरामद किया गया है. बताया जा रहा है कि यह विस्फोटक अवैध माइनिंग के लिए इकट्ठा किया गया था. मामले में पुलिस की जांच जारी है.

गुप्त सूचना पर कार्रवाई

बुधवार की रात रांची के ओरमांझी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध विस्फोटक सप्लाई करने वाले एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है. रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर ओरमांझी के पिस्का क्रशर मंडी के पास स्थित एक घर में छापेमारी के दौरान पुलिस ने 5,000 जिलेटिन स्टिक और 300 डेटोनेटर बरामद किए गए हैं. यह विस्फोटक अवैध रूप से पत्थर तोड़ने और स्टोन चिप्स तैयार करने के काम में उपयोग किया जाना था. फिलहाल इस नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है.

मौके से फरार हुआ युवक

छापेमारी के दौरान घर में मौजूद दो युवक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए. पुलिस दोनों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है. विस्फोटक बरामदगी जिस मकान से हुई, वह पिस्का गांव निवासी आनंद बेदिया का बताया जा रहा है. पुलिस अब मकान मालिक समेत इस अवैध कारोबार से जुड़े सभी लोगों की तलाश में जुट गई है.

जांच जारी

बता दें कि रांची का ओरमांझी इलाका अवैध माइनिंग का एक बड़ा क्षेत्र है. सरकारी कर्मचारी और माफिया के बीच साठ गांठ की वजह से अवैध माइनिंग का धंधा ओरमांझी में जमकर फल फूल रहा है. अवैध माइनिंग करने के लिए अवैध विस्फोटक की भी जरुरत होती है. पुलिस को संदेह है कि बरामद किए गए विस्फोटक के ठिकाने पर न सिर्फ विस्फोटक रखा जाता था, बल्कि उसकी अवैध बिक्री भी होती थी और इसे ओरमांझी के अलावा अन्य इलाकों में भी भेजा जाता था. अब पुलिस यह जांच कर रही है कि इतना बड़ा विस्फोटक कहां से लाया गया और इस नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं.

बिरसा मुंडा चिड़ियाघर का सप्लायर खालिद रजा प्रतिबंधित मांसकांड का नामजद अभियुक्त

रांची। बिरसा मुंडा चिड़ियाघर का सप्लायर शादाब कुरैशी उर्फ खालिद रजा प्रतिबंधित मांस कांड का नामजद अभियुक्त है. उसके पास एफएसएसएआई का और नगर निगम द्वारा दिया गया भैंस को काट कर मांस तैयार करने का अनुमति पत्र नहीं है. इन दस्तावेज के अभाव में चिड़ियाघर में शेर, बाघ आदि के लिए सप्लाई किये जा रहे भैंस के मांस की शुद्धता पर सवाल उठाया जा रहा है. नियमानुसार, भैंस के मांस की आपूर्ति करने वाले व्यक्ति या संस्था के पास ऋरअकका लाइसेंस और नगर निगम का अनुमति पत्र जरूरी है. यह व्यवस्था इसलिए लागू की गयी है, ताकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता नियंत्रित रहे. बिरसा मुंडा चिड़ियाघर मे शादाब कुरैशी उर्फ खालिद रजा पिछले कई सालों से शेर,बाघ सहित अन्य मांसाहारी जानवरों के लिए भैंस के मांस का सप्लाई करता है. चालू वित्तीय वर्ष के दौरान सुनियोजित साजिश के तहत टेंडर रद्द कर खालिद रजा को ही मांस की आपूर्ति का ठेका दे दिया गया. चालू वित्तीय वर्ष के दौरान मांस सप्लाई के लिए टेंडर प्रकाशित हुआ था. इसमें दो लोगों ने टेंडर डाला. तीसरे ने नहीं डाला. यह तीसरे व्यक्ति खालिद रजा ही बताया जाता है.

चांद गांव में 23 नवंबर को चर्च पर हमले की आशंका, ईसाई संगठनों ने जताई चिंता

रांची, संवाददाता ।

शुक्रवार को प्रेस क्लब में ऑल इंडिया क्रिश्चियन माइनॉरिटीज फ्रंट और महाभिषेक चर्च के संयुक्त तत्वावधान में संवाददाता सम्मेलन आयोजित हुई. कार्यक्रम में चांद गांव के चर्च कमेटी और ग्रामीण शामिल हुए. इस दौरान ऑल इंडिया क्रिश्चियन माइनॉरिटीज फ्रंट के महासचिव प्रवीण कच्छप ने कहा कि 23 नवंबर को चांद गांव में ईसाई समुदाय का चर्च में प्रार्थना सभा है. इसमें जनजाति सुरक्षा मंच के लोग मारपीट कर सकते है. चर्च पर तोड़फोड़ की कोशिश की जा सकती है. समाज में अराजकता फैलाने की कोशिश हो रही है और ईसाई धर्म को लेकर लोगो में भ्रम फैलाए जा रहे है और नफरत का नैरेटिव खड़ा कर रहा है. प्रवीण कच्छप ने कहा कि आदिवासी समाज अपने धर्म को मानने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन जनजाति सुरक्षा मंच आदिवासी मुद्दों से जुड़ा संगठन नहीं है. वे सिर्फ समाज मेंअराजकता फैलाने की कोशिश करते हैं. आदिवासी और ईसाई समाज को बांटने का प्रयास करते है. दोनों समुदाय के बीच नफरत फैलाए जा रहे है. महाभिषेक चर्च कमेटी के अध्यक्ष अतुल केरकेट्टा ने कहा कि चर्च में होने वाली प्रार्थना सभा से लोगों को शांति मिलती है. लोग स्वेच्छा से आते जाते है. लेकिन कुछ तत्व शांति भंग करने की कोशिश में लगे हैं. लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि 23 नवंबर से पहले और उस दिन विशेष सुरक्षा की व्यवस्था की जाए, ताकि किसी भी तरह की अराजक घटना को रोका जा सके. बैठक में डॉ. सुनील कच्छप, राजेश कच्छप, इजराइल नाग, महावीर उरांव, बिनय बारला, निर्मल कंडुलना, संदीप कच्छप, सनिका नाग, शंकर लोहरा, पतरस तिर्की समेत कई लोग मौजूद रहे.

रांची सदर अस्पताल में मरीज की मौत के हंगामा, परिजनों ने की तोड़फोड़, इलाज में लापरवाही का आरोप

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची के सदर अस्पताल में इलाज के दौरान एक मरीज की मौत हो गई. इसके बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया. गुस्साए लोगों ने चौथी मंजिल पर अस्पताल के काउंटर का शीशा भी तोड़ दिया. काफी समझाने के बाद मामला कुछ शांत हुआ. मृतक के परिजनों का आरोप है कि सदर अस्पताल में इंजेक्शन लगने के तुरंत बाद मरीज की मौत हो गई. गुस्साए लोगों ने कहा कि अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के कारण यह स्थिति हुई. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रात में डॉक्टर अस्पताल में मौजूद नहीं थे, जिस कारण मरीज का इलाज ठीक से नहीं किया गया. पूरे मामले पर सदर अस्पताल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ. बिमलेश सिंह ने कहा कि इलाज में कोई लापरवाही नहीं हुई. उन्होंने कहा कि मरीज को ब्लड कैंसर जैसी गंभीर बीमारी थी, जो उसकी मौत का कारण है. डॉक्टर ने मरीज के परिजनों को इस बारे में पहले से ही साफ-साफ बता दिया था.

सदर हॉस्पिटल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ. बिमलेश कुमार सिंह ने बताया कि गुस्साई और भड़की हुई भीड़ को शांत करने के लिए पुलिस को बुलाया गया था, लेकिन हॉस्पिटल मैनेजमेंट ने मृतक के प्रति संवेदना जताई और केस दर्ज नहीं किया. उन्होंने बताया कि मृतक का बेटा रात में डॉक्टर के न होने का झूठा आरोप लगा रहा है, जबकि कल रात सदर हॉस्पिटल में तीन डॉक्टर ड्यूटी पर थे. उन्होंने बताया कि सदर हॉस्पिटल के हर फ्लोर पर अब रात में एक डॉक्टर ड्यूटी पर रहेगा, यानी रात में छह डॉक्टर ड्यूटी पर रहेंगे. सदर हॉस्पिटल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ने बताया कि सदर हॉस्पिटल में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है,

फर्जी आंकड़े पेश करना भाजपा नेताओं की आदत में हो गया है शुमार : कांग्रेस

रांची, संवाददाता ।

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा है कि दूसरे राज्यों में जीत की खुशी मनाना और झारखंड में सरकार पर आरोप लगाना ही झारखंड बीजेपी का राजनीतिक भविष्य है. अपने शासनकाल में भ्रष्टाचार की गंगा बहाने वाली भाजपा को भ्रष्टाचार पर विलाप करना शोभा नहीं देता. अनर्गल आरोप लगाकर भाजपा नेता को अधिकारियों का भयादोहन करने का प्रयास नहीं करना चाहिए. महागठबंधन की सरकार में भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई लगातार जारी है. रघुवर दास के शासनकाल में जारी फजीवाड़े के खेल पर महागठबंधन सरकार द्वारा अंकुश लगाया गया. झूठे आरोप लगाना और फर्जी आंकड़े पेश करना भाजपा नेताओं की आदत में शुमार हो गया है. भ्रष्टाचारियों की पनाहगाह बन चुकी भाजपा को भ्रष्टाचार पर ज्ञान देना शोभा नहीं देता है. प्रधानमंत्री और गृहमंत्री भरे मंच से जिसे देश का सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी बताते फिरते हैं उसे अपने दल में ससम्मान शामिल कराते हैं. सरकार चुराने वाले, वोटों की चोरी करने वाले, नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों की डकैती करने वाले झारखंड सरकार पर घोटाले का आरोप नहीं लगा सकते. झारखंड सरकार में भ्रष्ट अधिकारियों पर एसीबी और अन्य राज्य एजेंसियों द्वारा लगातार कार्रवाई जारी है.

जादोपटिया पेंटिंग पर 25 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

रांची, संवाददाता ।

झारखण्ड सरकार के मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम बोर्ड की ओर से छोटानागपुर क्राफ्ट डेवलपमेंट सोसाइटी सीसीडीएस रांची के तत्वाधान में 25 दिवसीय जादोपटिया पेंटिंग प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। जनमत शोध संस्थान के सहयोग एवं सहभागिता से जामा प्रखंड अंतर्गत चिकिनियां पंचायत के लकरजोरिया ग्राम में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए जिला उद्यमी समन्वयक विनय रंजन ने कहा कि मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्योग बोर्ड की ओर से आयोजित यह प्रशिक्षण कौशल उन्नयन योजना के तहत संचालित है, जिसका उद्देश्य शिल्पियों और उनके क्राफ्ट को प्रमोट करना है। ताकि उनको स्वरोजगार से जोड़ते हुए उनकी आय में वृद्धि हो सके। प्रशिक्षण के बाद भी आर्डर देकर प्रोडक्शन करवाया जायेगा। प्रखंड उद्यमी समन्वयक जामा जयप्रकाश प्रसाद ने कहा कि हमारी कोशिश है कि हमारे जामा प्रखंड के हस्तशिल्पियों को हस्तशिल्प विकास से जुड़ी सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सके और महिलाओं को रोजगार मिल सके। यह प्रशिक्षण उसी कड़ी में एक विनम्र प्रयास है।

चिकनियां पंचायत के मुखिया संतोष पुजहर की अध्यक्षता और जनमत की प्रोग्राम कॉर्डिनेटर प्रभा सोरेन के संयोजन में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुखिया संतोष पुजहर ने कहा कि हमें खुशी की बात है कि हमारे ग्राम पंचायत में यह प्रशिक्षण हो रहा है। हम हर संभव सहयोग करेंगे। इसी कड़ी में जादोपटिया प्रशिक्षक निशा सोरेन ने कहा कि संस्था की ओर से जो 25 दिवसीय जादोपटिया पेंटिंग के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी हमें दी गई है, हम कोशिश करेंगे कि हम अपना बेहतर इन महिला प्रशिक्षणार्थियों को दे सकें। जनमत के सचिव अशोक सिंह ने जानकारी दी कि सीसीडीएस की ओर से हमारे लकरजोरिया क्लस्टर में आयोजित जादोपटिया पेंटिंग के इस प्रशिक्षण में 20 महिला प्रतिभागी भाग ले रही हैं, जो पूर्व से आर्ट एंड क्राफ्ट से जुड़कर कार्य करती रही हैं। आशा है इस प्रशिक्षण से उनका क्षमतावर्धन होगा और वैल्यू एडिशन के साथ नए-नए किस्म की हस्तशिल्प सामग्रियों का निर्माण वे कर पायेंगी। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कुटीर उद्योग बोर्ड के प्रखंड उद्यमी समन्वयक रामगढ़ विन्सेंट चौड़े, जनमत कार्यकर्ता पुलिस सोरेन सहित बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं पुरुष और संस्था के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भुवनेश्वर के मेफेयर कन्वेंशन में दो दिन के चिंतन शिविर का उद्घाटन

रांची, संवाददाता ।

गुरुवार को भुवनेश्वर के मेफेयर कन्वेंशन में दो दिन के चिंतन शिविर का उद्घाटन हुआ, जिससे भारत की स्टील इंडस्ट्री के भविष्य पर गहरी बातचीत शुरू हुई। इस इवेंट का उद्घाटन माननीय केंद्रीय स्टील मंत्री श्री एच. डी. कुमारस्वामी ने किया। इस मौके पर माननीय स्टील राज्य मंत्री श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा, ओडिशा के इंडस्ट्रीज के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी श्री हेमंत शर्मा और स्टील मंत्रालय के सेक्रेटरी श्री संदीप पौंड्रिक भी मौजूद थे। मंत्रालय के सीनियर अधिकारियों के साथ-साथ SAIL, NMDC, MOIL, MECON, MSTC जैसे CPSEs के हेड, INSDAG, ISCA, BISAG के डोमेन एक्सपर्ट, TATA Steel, JSW जैसी प्राइवेट इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि भी इस बातचीत में शामिल हुए। अपने भाषण में, श्री एच. डी. कुमारस्वामी ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को उनकी स्ट्रेटेजिक लीडरशिप के लिए धन्यवाद दिया, जिसने घरेलू स्टील इंडस्ट्री को मजबूती और ग्रोथ के रास्ते पर आगे बढ़ाया है। उन्होंने देश बनाने में स्टील सेक्टर की अहम भूमिका पर जोर दिया और कैपेसिटी को मजबूत करने, इनोवेशन को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार के कमिटमेंट को दोहराया। उन्होंने कॉम्पिटिटिवनेस और ऑपरेशनल एक्सीलेंस बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डिजिटलाइजेशन जैसी टेक्नोलॉजी को अपनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने रिसर्च और डेवलपमेंट में लगातार इन्वेस्टमेंट की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि सभी स्टेकहोल्डर्स के मिलकर किए गए प्रयासों से भारत की स्टील इंडस्ट्री की ओवरऑल ग्रोथ और कॉम्पिटिटिवनेस पक्की होगी, जिससे देश की तरक्की में अहम योगदान मिलेगा।

श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को आगे बढ़ाने में स्टील की अहम भूमिका पर जोर दिया और कहा कि चिंतन शिविर की सभी थीम इंडस्ट्री को बढ़ाने और देश की तरक्की में इसके योगदान को मजबूत करने पर केंद्रित हैं। श्री हेमंत शर्मा, अउर ने कहा कि ओडिशा को मिनरल से भरपूर और तटीय राज्य होने का खास फायदा है, जो इसे स्टील समेत अलग-अलग इंडस्ट्रीज को स्थापित करने और उनके डेवलपमेंट के लिए आइडियल बनाता है। स्टील मिनिस्ट्री के सेक्रेटरी श्री संदीप पौंड्रिक ने माननीय प्रधानमंत्री के विजन के मुताबिक, सेक्टर के डेवलपमेंट, चुनौतियों और भविष्य पर चर्चा करने के लिए ऐसे प्लेटफॉर्म के महत्व पर जोर देकर शिविर की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि CPSEs के साथ प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी से बेस्ट प्रैक्टिस शेयर करने में मदद मिलेगी, साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च से स्टील की खपत में भारत की अनोखी बढ़ोतरी पर भी जोर दिया। उन्होंने उढरए२ में नई टेक्नोलॉजी अपनाने की जरूरत पर भी जोर दिया और कहा कि इन कोशिशों को इन-हाउस टैलेंट द्वारा लीड किया जाना चाहिए। उन्होंने युवा एग्जीक्यूटिव को अपने अनुभव शेयर करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मकसद के लिए, एक इंटरनल कॉम्पिटिशन भी आयोजित किया गया और सबसे अच्छे लोगों को अपने इनोवेटिव आइडिया पेश करने का मौका दिया गया। शिविर के पहले दिन टेक्नोलॉजी-ड्रिवन इनोवेशन, ऑपरेशनल एक्सीलेंस, स्वदेशी टेक्नोलॉजी और मॉडर्न माइनिंग तरीकों पर सेशन हुए।

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की केंद्रीय कमिटि घोषितकई नये सदस्यों को मिला मौका

20 दिसंबर को रजरप्पा में होगा शपथ ग्रहण संघर्ष के लिए संगठन का मजबूत होना जरूरी- महेश्वर साहु

संवाददाता । रांची

रांचीः झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की 71 सदस्यीय केंद्रीय कमिटि की आज घोषणा कर दी गयी है. केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने आज रांची के रेडियम रोड स्थित होटल आलोका सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिये इसकी जानकारी देते हुए कहा कि 7वां स्थापना दिवस के बाद केंद्रीय कमिटि का पुनर्गठन किया जा रहा है, ताकि नये, सक्रिय एवं समर्पित सदस्यों को आगे बढ़ाया जा सके. 75 सदस्यीय केन्द्रीय समिति में 4 विभिन्न पद रिक्त भी रखे गये हैं. जबकि जिलाध्यक्षों एवं प्रकोष्ठ संगठनों की घोषणा 7 दिसंबर को किया जायेगा. सभी पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण आगामी 20 दिसबंर को रजरप्पा में कराया जायेगा।

जारी सूची के अनुसार -

केंद्रीय अध्यक्ष- महेश्वर साहु (भुरकुंडा), कार्यकारी अध्यक्ष- रेखा मंडल (धनबाद), हीरानाथ साहु (कांके) एवं अनंतलाल विश्वकर्मा (चाईबासा), वरीय उपाध्यक्ष- रामसेवक प्रसाद अधिवक्ता (बरकट्ठा), अश्विनी साहु (अरगोड़ा), संजीव चैधरी (रांची), सहदेव चैधरी (अधिवक्ता, हाइकोर्ट), सुरेश साहु (ओरमांझी), ढ़लन साव (बड़कागांव), शिवपूजन साहु (रातू),

केंद्रीय उपाध्यक्ष- योगेन्द्र प्रसाद (अधिवक्ता, हाइकोर्ट), प्रमोद चैधरी (देवघर), लक्ष्मण साहु (ओरमांझी), परशुराम प्रसाद (अधिवक्ता, रांची), प्रेमशंकर भगत (चंदवा), दिनेश्वर साहु (मांडू), लखन अग्रवाल (गोला), दिनेश्वर मंडल (गोमिया), राजन चैधरी (खूंटी), प्रधान महासचिव- बिरेन्द्र कुमार (गोला), उप-प्रधान महासचिव सह प्रवक्ता- उपेन्द्र प्रसाद (बिजूपाड़ा), अशोक गुप्ता (ओरमांझी),

केंद्रीय महासचिव- आदित्य नारायण प्रसाद (बलकुदरा), दिलीप प्रसाद (धुर्वा), कपिल प्रसाद साहु (रांची),

रामेश्वर मंडल (गिरिडीह), विष्णु मंडल (घोरमारा), शिवप्रसाद साहु (आनंदी), रामाशंकर राजन (हेसालौंग), चतुर साहु (चुटूपालू), रोहित शारदा (डोरंडा), केंद्रीय संगठन महासचिव- कृष्णा प्रसाद साहु (कांके), अनिल वैश्य (पंडरा), जगदीश साहु (लोहरदगा), मनोज कुमार (धुर्वा),

केंद्रीय सचिव- गुड्डु साहा (पंडरा), शिवनंदन प्रसाद (अरगोड़ा), सुमन जायसवाल (सोनाहातू), विनोद कुमार गुप्ता (रातू), राजेन्द्र साहु (टंडवा), केंद्रीय संगठन सचिव- नंदकिशोर भगत (सिकीदिरी), राजाराम प्रसाद (बलकुदरा), मुरलीधर प्रसाद (लातेहार), लगनू साहु (बुड़मू), संजय कुमार साहु (ओरमांझी), कोषाध्यक्ष- राजेन्द्र प्रसाद साहु (बुकरू),

मीडिया प्रभारी- राहुल कुमार साहु (कांके), कार्यकारणी सदस्य- इंदुभूषण गुप्ता (रातू रोड़), डॉ. अरविंद कुमार (कांके), फौजी विजय कुमार (हिनू), महाबीर साहु (बुड़मू), नरेश साहु (सुकुरहुट्ट), महेन्द्र प्रसाद साहु (हेसालौंग), रेणू देवी (किशोरगंज), हलधर साहु (कांके), अधिवक्ता मनोज चैधरी (हरमू), भुनेश्वर साव (भुरकुंडा), नम्रता सोनी (रांची), पूनम जायसवाल (रांची), मीनू कुमारी (पोचरा), दीपारानी कुंज (धुर्वा), मुकेशलाल सिंदूरिया (भुरकुंडा), आदित्य पोद्दार (कांके), युवराज कुमार (अरगोड़ा), हृदय प्रसाद साहु (कांके), प्रेम प्रकाश गुप्ता (दुलमी), पवन कुमार (बारियातू), गीता देवी (बड़कागांव), श्रीनिवास अग्रवाल (भुरकुंडा) एवं हरिदास साव (पतरातू) को बनाया गया है. इन सभी पदाधिकारियों का आगामी 20 दिसंबर को रजरप्पा में शपथ ग्रहण कराया जायेगा. इस अवसर पर केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि किसी भी लड़ाई को लड़ने के लिए संगठन का मजबूत होना जरूरी है. जिन्हें केंद्रीय समिति में शामिल किया गया है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका मैच : टिकट की आनलाइन बिक्री 21 से

कीमत 1200 से 12000 तक

संवाददाता । रांची

रांची ।एबीएन स्पोर्ट्स डेस्क।रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में 30 नवंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले रोमांचक वनडे मैच को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।स्टेडियम को आकर्षक तरीके से सजाया जा रहा है और सुरक्षा एजेंसियां पूरी सतर्कता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं।जेएससीए अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव ने बताया कि आयोजन को यादगार बनाने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्टेडियम के अंदर पानी का बोतल , कुरकुरे , चिप्स खाने के समान , कैमरा लैपटॉप आदि लाना बिल्कुल मना है ।स्टेडियम 10:30 बजे से एंट्री देगी और 3:00 बजे तक समय रहेगा ।टिकट लेकर बाहर नहीं जाना है फिर वापस आने पर अंदर जाने की इजाजत नहीं होगी । दोनों टीमें 27 नवंबर को पहुंचेंगी दोनों टीमें 27 नवंबर को चार्टर्ड प्लेन से रांची पहुंचेगी। एयरपोर्ट से खिलाड़ियों को सीधे होटल ले जाया जायेगा।सुरक्षा के लिए विशेष रूट और अतिरिक्त जवानों की तैनाती की जायेगी। मैच को लेकर रांची में काफी उत्साह है । मैच देखने के लिए टिकट कब से बिकेगी लोग इंतजार कर रहे हैं । टिकटों की बिक्री को लेकर घोषणा होने पर लोगों में खुशी का माहौल है ।

एंटी क्राइम चेकिंग में बरामद हुई अंग्रेजी शराब

संवाददाता । रांची

रांची एसपी के दिशा-निर्देश पर गोड्डा थाना की पुलिस ने मंगलवार की रात को एंटी क्राइम चेकिंग में स्कूटी से 31 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति स्कूटी पर बोरे में तथा सीट के नीचे अंग्रेजी शराब बेचने के लिए बलबड्डा चौक से छगराहा की ओर जा रहा है।इस पर थाना के गश्ती दल ने गुरुदेव पब्लिक स्कूल बलबड्डा के पास चेकिंग के दौरान स्कूटी सवार व्यक्ति को रुकने का इशारा किया गया, परंतु वह पुलिस को देखते ही स्कूटी छोड़कर भागने लगा। सशस्त्र बल ने उसे पकड़ने का प्रयास किया, परंतु अंधेरे तथा झाड़ी का लाभ उठाकर भागने में सफल रहा। इसके बाद स्कूटी से विभिन्न ब्रांड की 31 बोतल अंग्रेजी शराब जब्त की गई। स्कूटी चालक तथा वाहन मालिक के विरुद्ध बलबड्डा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है।हत्या मामले में छह दोषियों को मिला सश्रम आजीवन कारावास पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी जुगसलाई की प्रिया शर्मा ने उपविष्ठ योग में बनाया विश्व रिकॉर्ड जुगसलाई की योगसाधिका प्रिया शर्मा ने उपविष्ठ कोणासन को लगातार 15मिनट 11 सेकंड तक होल्ड करइंजीनयस चार्म वर्ल्ड रिकॉर्ड-

केंद्र की लूटेरी नीतियों ने झारखंडी समाज को गरीब बनाया,खनिज सम्पदा बाहर गई और झारखंडीयों के हिस्से में गरीबी आई :विजय शंकर नायक

संवाददाता । रांची

रांची, 20 नवंबर 2025 झारखंड की खनिज संपदा पर भाजपा सरकार की केंद्रीय नीतियों को लेकर राज्य में गुस्सा बढ़ता जा रहा है।आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने केंद्र की नीतियों को ह्लपूरी तरह लूट-प्रधान, कॉर्पोरेट-परस्त और संविधान-विरोधीह्व करार दिया है।

श्री नायक आगे ने कहा की ह्लदिल्ली की हर नीति झारखंड के खिलाफ, और निजी कंपनियों के पक्ष में बनाई गई है।खनिज अधिकार छीना, कर अधिकार छीना, और बदले में झारखंड को गरीबी, विस्थापन और कुपोषण सौंपा—यह एक योजनाबद्ध लूट है जो अब बर्दाश्त नही किया जायेगा ।ह्वइन्होने आरोप लगाते हुए कहा की केंद्र की 5 सबसे बड़ी ह्यलूट नीतिह्न झारखंडी समाज की खनिज सम्पन्न होते हुए भी कंगाल बना कर रखा है जो संविधान के भी विरुद्ध है उदाहरन देते हुए आगे कहा की (1) कोयला संपदा पर सीधा कब्जा – 35 लाख करोड़ निकाला, झारखंड को 4झ्र5% टुकड़ा । इन्होने यह भी बताया कि पिछले 8 वर्षों में झारखंड से 35 लाख करोड़ रुपए का कोयला निकाला गया,लेकिन राज्य को रॉयल्टी के रूप में सिर्फ 4झ्र5% हिस्सा मिला। संसाधन हमारे और मुनाफा दिल्ली व कंपनियों का—यह लोकतंत्र नहीं, संगठित सरकारी लूट है।ह्व (2) 90% कोल ब्लॉक निजी कंपनियों को – पाँचवीं अनुसूची को कचरे में फेंका 2015 से 2023 के बीच झारखंड के अधिकांश कोल ब्लॉक निजी कॉर्पोरेट घरानों को सौंप दिए गए। यह न केवल गाँवों को उनके अधिकार से वंचित करता है बल्कि ग्राम सभा की भूमिका को भी खत्म कर देता है

श्री नायक ने आगे कहा की —ह्लपाँचवीं अनुसूची और ढएरअ एक्ट को केंद्र सरकार ने कागज का टुकड़ा बना दिया।ग्राम सभा, आदिवासी, जल-जंगल-जमीन—सभी को बेमानी कर दिया गया।ह्व (3) ऊर्जा राष्ट्र की, अंधेरा झारखंड का – विकास का दोहरा मानदंड झारखंड के कोयले से आज महाराष्ट्र दिल्ली एवं अन्य राज्यों में 24 घंटे बिजली ,गुजरात एवं अन्य राज्यों में में बड़े बड़े उद्योगो ,कारखानों का तेज विस्तार हो रहा है लेकिन झारखंड में अब भी हमारे गाँवों में अंधेरा है,बेरोजगारी,कुपोषण ,पलायन ,गरीबी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है ।

श्री नायक ने तीखा सवाल उठाया—ह्लहमारे कोयले से दूसरे राज्यों की चमक क्यों और हमारे ही गाँवों के बच्चे अंधेरे में क्यों? (4) जीएसटी—राज्य के अधिकारों की दूसरी बड़ी लूट जीएसटी लागू होने के बाद झारखंड का 18,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का अपना स्थायी कर अधिकार खत्म हुआ। 2022 से मुआवजा भी रोक दिया गया। ह्लपहले खनिज लूट, फिर टैक्स लूट—केंद्र सरकार ने झारखंड की रीढ़ तोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।(5) टटऊफ़एक्ट—संविधान का गला घोंटने वाली नीति टटऊफ़ के संशोधनों (1957, 2015, 2021) के जरिए राज्य की खनिज पर संप्रभुता लगभग खत्म कर दी गई।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद का देशव्यापी पड़ोसियों के अधिकार अभियान

संवाददाता । रांची

राँची : जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ओबैदुल्लाह ने ₹आदर्श पड़ोसी, आदर्श समाज₹ के नारे के साथ ₹पड़ोसियों के अधिकारों₹ को लेकर दस-दिवसीय देशव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की है। यह अभियान 21 से 30 नवंबर 2025 तक पूरे देश में चलेगी, जिसका उद्देश्य पड़ोसियों के प्रति अच्छे व्यवहार और सद्भाव की भावना को फिर से जगाना और सामुदायिक संबंधों को मजबूत करना है।प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए जमाअत के अध्यक्ष ने कहा, ₹इस्लाम पड़ोसियों के अधिकारों को बड़ा महत्व देता है और इसे एक सामंजस्यपूर्ण समाज की आधारशिला मानता हैह्व। कुरआन में अपने अनुयायियों को स्पष्ट रूप से न केवल निकटम पड़ोसियों के साथ, बल्कि ह्यअस्थाई पड़ोसीह्न के रूप में निकट आए लोगों के साथ भी अच्छा व्यवहार करने का आदेश दिया गया है जिसमें सहकर्मी, सहयात्री और यहाँ तक कि सड़क पर हमारे साथ चलने वाले लोग भी शामिल हैं।इस अभियान के जरिए, हम मुसलमानों को इन अनिवार्य शिक्षाओं की याद दिलाना चाहते हैं और उन्हें अच्छे पड़ोसी बनने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं, ताकि समाज के सामने इस्लाम का सही छवि पेश किया जा सके।₹ सैयद सआदतुल्लाह ने कहा, ₹अच्छे रिश्तों की नींव पर बना समाज अपने आप ही एक आदर्श समाज बन जाता है। जब पड़ोसी एक-दूसरे के साथ दया, क्षमा और इंसाफ के साथ पेश आते हैं, तो इससे उठने वाली लहर पूरे समाज को परिवर्तित कर देती है। हमें उम्मीद है कि यह अभियान न सिर्फ. पड़ोसियों के बीच के झगड़े सुलझाएगी, बल्कि दया और सामाजिक ज़िम्मेदारी जैसे इस्लामी मूल्यों का एक सशक्त उदाहरण भी बनेगी।₹ ₹पड़ोसियों के अधिकार अभियान₹ के राष्ट्रीय संयोजक मोहम्मद अहमद ने बताया कि यह अभियान शहरी इलाकों में बढ़ते अकेलेपन की प्रवृत्ति और पड़ोसियों के साथ कमजोर पड़ते रिश्तों के परिपेक्ष में तयार किया गया है।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस अभियान का मकसद आपसी हमदर्दी, सहयोग, साफ-सफाई और ट्रैफिक डिसिप्लिन को बढ़ावा देना है जिसे इस्लाम अपनी सामाजिक जिम्मेदारी मानता है ।

सर्दी की चुनौतियों पर विजयः माही की मुहिम से मदरसे के 51 बच्चों को मिले गर्म स्वेटर

आपसी सहयोग से बेहतर समाज की तशकील होती है और बिखराव से बदअमनी फैलता हैः इबरार अहमद

संवाददाताी

नयासराय राँची, 20 नवंबर 2025: कड़ाके की ठंड में भी तालीम की ललक न बुझने वाले नयासराय के मदरसा फैजुल इस्लाम के 51 छात्र-छात्राओं को एक सुखद उपहार मिला। मौलाना आजाद ह्यूमेन इनिशिएटिव (माही) की 'कोल्ड इज बोल्ड एन इनिशिएटिव बाय माही' अभियान के दायरे में आयोजित प्रश्नोत्तरी के उपरांत उपहार स्वरूप स्वेटर भेंट किए गए, जो ठंडी हवाओं से जूझते इन नौनिहालों की पढ़ाई को पटरी पर लाने का माध्यम बने। ग्रामीण अंचलों में शिक्षा की बाधाओं को सामुदायिक सहयोग से दूर करने की मिसाल पेश करते हुए यह वितरण न केवल शीतलहरी की मार से सुरक्षा देगा, बल्कि ड्रॉपआउट की कगार पर खड़े बच्चों को प्रेरणा का संचार भी करेगा।माही ने स्पष्ट किया कि छोटे शहरों व देहाती क्षेत्रों में विद्यालयी सुविधाओं की कमी को स्वैच्छिक संगठनों के बिना नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अंजुमन इस्लामिया नयासराय के अध्यक्ष एनामुल हक ने समारोह में उपस्थित होकर कहा, माही के इस प्रयास से इन छात्रों का शैक्षिक सफर दृढ़ होगा। दिए गए यह सौगात

निस्संदेह स्कूल-मदरसा छोड़ने की प्रवृत्ति को अंकुश लगाएगी और उनके उज्ज्वल कल को पोषित करेगी।उन्होंने यूनिफॉर्म के अभाव को शिक्षा के प्रमुख अवरोध के रूप में चिह्नित किया, जो बच्चों की नियमित उपस्थिति को प्रभावित कर रहा है।अंजुमन इस्लामिया नयासराय के महासचिव ऐनुल अंसारी ने सहयोग का वचन देते हुए टिप्पणी की, ₹माही द्वारा शुरू की गई यह प्रयास सराहनीय है और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी संस्थाओं के जिम्मेदारों को जिम्मेदारी का अहसास और प्रगाढ़ करेगा और यह गति हम सबकी साझेदारी से तेज होगी, जिससे प्रत्येक बालक ज्ञानार्जन का हकदार सिद्ध हो सके।माही के संयोजक व झारखंड वक्फ बोर्ड के सदस्य इबरार अहमद ने उत्साह से कहा, ₹शीतलहरी की सख़्ती इन बच्चों की हौसला के समक्ष नतमस्तक हो गई। भोर की ठंडक में जब अधिकतर लोग गर्माहट में लिपटे रहते हैं, ये नन्हें-मुन्ने बच्चें हुसूल-ए-तालीम के जद्दोजहद में लगे हैं —यह लम्हा इनकी सलाहियतों का सुबूत है। इनकी हुनरमंदी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बढ़ा रही है।इनकी परेशानियों को दूर किया जाना चाहिए ताकि इनके सलाहियतों का इस्तेमाल न केवल अपने परिवार की बल्कि मुल्को-मिल्लत के तरक़्क़ी में भी काम आये, और यह बिना हम सभी के सहयोग व आपसी तालमेल के नही हो सकता है क्योंकि आपसी सहयोग से बेहतर समाज की तशकील होती है और बिखराव से बदअमनी फैलता है।

ब्रीफ न्यूज

डायन कहकर तीन छात्राओं को भगाने वाले प्राचार्य को फटकार

संवाददाता ।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, बरवाडीह से 18 नवंबर को तीन छात्राओं को डायन के आरोप में स्कूल से निकाल दिया गया था। इस मामले की जांच शुरू हो गई है। आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई गुरुवार को स्कूल पहुंचे और मामले की गंभीरता से जांच की। उन्होंने बताया कि यह निरीक्षण विद्यालय में अध्ययनरत आठवीं कक्षा की तीन छात्राओं- निशु कुमारी, सपना कुमारी एवं प्रियांशु कुमारी को डायनबिसाही, भूत-प्रेत, झाड़-फूंक एवं तंत्र-विद्या जैसे मनगढ़ंत और आधारहीन आरोपों के आधार पर विद्यालय से बाहर कर देने की सूचना प्राप्त होने के बाद किया गया। आईटीडीए निदेशक ने तीनों छात्राओं से विस्तृत रूप से बातचीत की तथा उनकी काउंसिलिंग भी कराई गई। उन्होंने स्पष्ट रूप से बताया कि तंत्र-विद्या या किसी प्रकार की अलौकिक गतिविधि जैसी कोई बात सत्य नहीं पाई गई। आईटीडीए निदेशक ने विद्यालय के प्राचार्य को कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं संरक्षण से संबंधित किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भविष्य में ऐसी किसी भी घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए विद्यालय प्रशासन पूरी जिम्मेदारी से कार्य करे। छात्र- छात्राओं की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता सुनिश्चित हो। आईटीडीए निदेशक ने कहा कि आधारहीन मान्यताओं के आधार पर किसी भी बच्चे के साथ भेदभाव करना गंभीर लापरवाही है। ऐसे मामलों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। महत्त्वपूर्ण रूप से, तीनों बच्चियों ने आज से पुनः विद्यालय ज्वाइन कर लिया है। इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी बरवाडीह रेशमा रेखा मिंज, विद्यालय के शिक्षक एवं छात्राओं के परिजन भी मौजूद थे।

अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्य 9 बाइकों संग धराए

संवाददाता ।

जिला पुलिस ने गुरुवार को चुराई गई 9 बाइकों के साथ तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। जिले में कुछ माह से लगातार बाइक चोरी की शिकायत दर्ज हो रही थी, जिसमें बालीडीह थाना क्षेत्र की रेलवे कॉलोनी, रेलवे गुड्स सेड, गोविंद मार्केट आदि शामिल थे। इस पर पुलिस उपाधीक्षक, मुख्यालय के नेतृत्व में एक विशेष अनुसंधान टीम का गठन किया गया। टीम ने मानवीय एवं तकनीकी सूचना के सहयोग से अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा किया तथा संलिप्त तीन अपराधियों को गिरफ्तार करते हुए उनकी निशानदेही पर चोरी की 9 बाइक बरामद की। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह का मुख्य सरगना 33 वर्षीय समशेर आलम है, जो चोरी की बाइक को बंगाल के पुरुलिया जिला के विभिन्न क्षेत्रो में अंगद कुमार, करनडीह, थाना अड्सा, जिला-पुरुलिया के सहयोग से चोरी कर बाइक खपाता है, ताकि पुलिस की पकड़ में न आ सके। समशेर ने आपराधिक गिरोह तैयार कर लिया था, जो बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे।इसमें शामिल चंदन कुमार नाइक उर्फ छोटू, उम्र 20 वर्ष, मंगलम स्टेडियम के पास, थाना सेक्टर- 4, जिला-बोकारो और पुरुलिया के अंगद कुमार, उम्र-20 वर्ष को भी गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य अपराधियो के विरूद्ध छापामारी की जा रही है तथा और कुछ बाइक बरामद होनेकी संभावना है।

पूर्वविधायक बबीता देवी ने की विभिन्न विकास योजनाओ का शिलान्यास. बेरमो कार्यालय

संवाददाता ।

बेरमो/ललपनियाः गोमिया क्षेत्र की माननीय पूर्व विधायक बबीता देवी ने गुरुवार को गोमिया प्रखण्ड अंतर्गत पंचायत टिकाहारा के ग्राम हरलाडीह और ग्राम रोहिडीह में मांझी हाउस निर्माण कार्य का शुभ शिलान्यास नारियल फोड़कर किया. इसके बाद उन्होंने ललपनिया पंचायत के खिराबेड़ा और टिकाहारा पंचायत के ग्राम चोरगांवा में मांझी हाउस के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया. मौके पर विभिन्न ग्राम के ग्रामीणों द्वारा पूर्व विधायक जी को बुक्के देकर व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया. उन्होंने कहा, भवन क्षेत्र की सामाजिक, सांस्कृतिक व सामुदायिक गतिविधियों को नई दिशा देंगे एवं युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने में मददगार साबित होंगे.झारखंड राज्य माननीय मंत्री आदरणीय योगेंद्र प्रसाद जी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित हैं. क्षेत्र की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं.उन्होंने कहा कि मांझी हाउस का निर्माण न केवल सांस्कृतिक संरक्षण का प्रतीक है, बल्कि इससे ग्रामीणों को सामुदायिक गति-विधियों और पारंपरिक आयोजनों के लिए एक सुदृढ़ मंच भी प्राप्त होगा। राज्य सरकार द्वारा क्षेत्र की आवश्यकता अनुरूप विकास कार्यों को तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है.इस कार्यक्रम में भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे.

झामुमो के वरीय नेता के पिता का देहांत परिजनो के अलावे शोक में डूबा गांव

संवाददाता ।

बेरमो/ जारंगडिह कथारा के फ्श्ट सह पेटरवार अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष अध्यक्ष इस्लाम अंसारी के पिताजी मुस्लिम अंसारी(75 वर्ष)ग्राम खेतको निवासी का आज फ्टउ‌ल्र रांची में इलाज के दौरान मौत हो गई. मौत की खबर सुनकर रैयत विस्थापित मोर्चा के केंद्रीय समिति, एवं ऑल इंडियारउ रळइउ इम्पलाई कोऑर्डिनेशन काउंसिल उउछ कमिटी ने शोक व्यक्त किया है. शोक व्यक्त करने वालों में फ्श्ट केंद्रीय अध्यक्ष सह दर्जा प्राप्त मंत्री माननीय फागु बेसरा एवं फ्श्ट उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन।

‘आपकी योजना - आपकी सरकार - आपके द्वार’ कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए उपायुक्त ने दिए पदाधिकारियों को निर्देश

- 21 नवंबर से शिविरों का किया जाएगा आयोजन
- जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से की जाएगी मॉनिटरिंग
- अधिक से अधिक लोगों को शिविरों का लाभ लेने की अपील

धनबाद, संवाददाता

धनबाद जिले के सभी 256 पंचायत में 21 नवंबर से आपकी योजना - आपकी सरकार - आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि सभी शिविरों की जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग की जाएगी। साथ ही आम जनों की सुविधा के लिए शिविरों में अलग-अलग योजना के काउंटर बनाने एवं लोगों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क बनाने का निर्देश दिया। साथ ही माननीय जनप्रतिनिधियों के लिए मंच तथा आम जनों के लिए पानी, शेड, शौचालय की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि शिविरों में आम जनों को राज्य सरकार की सभी लोक कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करेंगे। आम जनों से विभिन्न योजनाओं एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त कर सभी विभाग त्वरित निष्पादन करेंगे। लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण, स्कूली छात्रों के बीच साइकिल वितरण, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के बीच कंबल वितरण तथा ऑन द स्पॉट शिकायतों का निवारण सुनिश्चित करेंगे।शिविरों में प्रखंड स्तरीय समन्वय पदाधिकारी के साथ जिला स्तरीय नोडल पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। शिविरों में फोकस एरिया के जाति - आवासीय - आय प्रमाण पत्र, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, लैंप्स पैक्स सदस्यता अभियान, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, हरा राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड सहित अन्य योजना के आवेदन प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त किए जाएंगे। इसमें जिन योजनाओं में लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होंगे उनमें लाभुकों की प्रतिक्षा सूची तैयार करते हुए प्राथमिकता के आधार पर उन्हें योजना का लाभ दिया जाएगा। फोकस एरिया के अलावा शिविरों में सभी प्रकार की पेंशन योजना, आयुष्मान कार्ड वितरण, सामुदायिक वन पट्टा, व्यक्तिगत वन पट्टा, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, झारखंड आंदोलनकारी चिह्नितीकरण आयोग से संबंधित प्रमाण पत्र के लिए आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। साथ ही बेनेफिशरी ओरिएंटेड वैसी योजनाएं जिन्हें राज्य सरकार सेचुरेशन मोड में लागू करने के लिए कृत संकल्पित है, के लिए भी छूटे हुए व्यक्ति एवं अर्हता प्राप्त करने वाले नए लोगों से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। उपायुक्त ने जिले के अधिक से अधिक लोगों को शिविरों में जाकर अपनी समस्या का निराकरण कराने एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है।

बरमसिया ओवरब्रिज की मरम्मती के कारण जनता को हों रहीं परेशानी से जनसरोकार ने डीआरएम को अवगत कराया

धनबाद, संवाददाता

हावड़ा-नई दिल्ली रेल लाइन स्थित प्रधानखंता और बरमसिया ओवरब्रिज के क्षतिग्रस्त होने से आमजन को हो रही परेशानी के समाधान की मांग को लेकर जनसरोकार संगठन के पदाधिकारियों ने रमेश कुमार राही के नेतृत्व में धनबाद मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। मांग पत्र में उल्लेख किया गया कि प्रधानखंता ओवरब्रिज, जिसका निर्माण लगभग तीन वर्ष पूर्व हुआ था, उसमें आई दरारें गंभीर चिंता का विषय हैं। बड़ी वाहनों की आवाजाही रोकने से आम जनता को अतिरिक्त परेशानी झेलनी पड़ रही है। इस पर डीआरएम ने कहा कि ओवरब्रिज का मौजूदा डिजाइन भारी वाहनों का भार सहने योग्य नहीं था। अधिक लोड के चलते उसमें क्षति आई है, और डिजाइन में सुधार के बाद ही बड़े वाहनों का परिचालन संभव होगा। इसके अलावा, करीब डेढ़ दशक पुराने बरमसिया ओवरब्रिज की क्षतिग्रस्त अवस्था और चल रहे मरम्मत कार्य के कारण उस पर आवागमन पूर्णतः बंद है। इससे रोजाना हजारों लोग प्रभावित हो रहे हैं और कुछ ही दूरी तय करने के लिए 7झ8 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि ओवरब्रिज निर्माण से पहले जिस पुराने मार्ग का उपयोग किया जाता था, उसे तुरंत खोल दिया जाए ताकि आमजनों को राहत मिल सके। मरम्मत कार्य की प्रगति पर डीआरएम ने बताया कि कार्य पूरा करने के लिए 45 दिन का समय निर्धारित है, लेकिन यदि मौजूदा गति से काम चलता रहा तो अनुमानित समय से 12 दिन पहले ही मरम्मत पूरी हो जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष कन्हैया पांडे, उपाध्यक्ष रंजन महतो एवं सोनी सरदार शामिल थे।

झारखंड इस्पात इंडेक्शन प्लांट हेसला के 6 नंबर भट्टी में हुआ जोरदार धमाका, दहल उठा क्षेत्र

- किसी के हताहत होने की नही मिली है कोई खबर, चचाओं का बाजार है गर्म

रामगढ़, संवाददाता

झारखंड इस्पात इंडेक्शन प्लांट हेसला में मंगलवार की रात्रि तकरीबन 10:20 बजे 6 न. भट्ठी में एकाएक धमाका होने से पुरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। हालांकि धमाके की चर्चा लगातार इलाके में हो रही है।लेकिन इसकी पुष्टि किसी ने भी नहीं की है। जानकारी के मुताबिक झारखंड इंडेक्शन प्लांट के 6 नंबर भट्ठी में धमाका हुआ। लोग बताते हैं कि धमाके से पूर्व तेज सायरन की आवाज सुनी गई। इसके बाद यहां काम कर रहे 8 से 10 मजदूरों का एक दल सुरक्षित जगह पर भागने लगे।कुछ मिनटों के बाद भट्ठी में तेज आवाज के साथ धमाका हुआ। और भयानक अंगारा निकलते देखा गया। इसमें किसी के हताहत होनी की कोई सूचना नहीं मिली है। वहीं फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा सब कुछ ठीक और सुरक्षित होने का हवाला दिया जा रहा है।लेकिन अधिकारिक रूप से पुष्टि सामने नहीं आई है। लोग बताते हैं कि झारखंड इन्डेक्शन प्लांट का धमाका 6 बार से अधिक हुआ। जिसे हेसला महुआटाड़, कानाटाड़, जामुनटाड़ सिरका तक के लोगों ने सुना है। क्षेत्र के लोगों में चचाओं का बाजार गर्म है।

विधायक राज सिन्हा ने बिहार में नीतीश कुमार के 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ पर दी बधाई

नवगठित मंत्रिपरिषद, एनडीए नेतृत्व एवं प्रधानमंत्री मोदी को भी किया नमन

धनबाद, संवाददाता

धनबाद : झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर नीतीश कुमार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने नई मंत्रिपरिषद के सभी नवनियुक्त मंत्रियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह टीम बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए ऊर्जा, प्रतिबद्धता और संकल्प से परिपूर्ण है। अपने संदेश में विधायक राज सिन्हा ने कहा–नीतीश कुमार सुशासन, विकास और स्थिर नेतृत्व के पर्याय हैं। उनके नेतृत्व में बिहार ने कई क्षेत्रों में प्रगति की है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि नवगठित मंत्रिपरिषद के साथ वे राज्य के विकास, युवाओं के सशक्तिकरण, कानून-व्यवस्था की मजबूती और बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए नए आयाम स्थापित करेंगे। एनडीए नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका का उल्लेख करते हुए श्री सिन्हा ने कहा– प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए एक सशक्त, स्थिर और विकासोन्मुख गठबंधन के रूप में उभरा है। बिहार में यह शपथ ग्रहण समारोह उसी विश्वास, सहयोग और सामूहिक नेतृत्व का परिणाम है। केंद्र और राज्य मिलकर बिहार को विकास की नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा–बिहार और झारखंड का भावनात्मक व सामाजिक संबंध बेहद गहरा है। मुझे विश्वास है कि नई सरकार के गठन से दोनों राज्यों के बीच विकास, व्यापार, संस्कृति और जनकल्याण के रास्ते और मजबूत होंगे। अंत में उन्होंने मुख्यमंत्री, मंत्रिमंडल और बिहार की जनता के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि यह कार्यकाल राज्य के लिए नई संभावनाओं का द्वार खोलेगा।

पत्नी से झगड़े के बाद युवक ने लगाई फांसी

बोकारो : हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर-9 स्थित बसंती मोड़ के बंगाली पड़ा बस्ती से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बुधवार रात 28 वर्षीय युवक शंकर प्रसाद ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। शंकर दिहाड़ी मजदूर था और माता-पिता के निधन के बाद अपनी पत्नी लक्ष्मी उर्फ रिया और एक बेटी के साथ वहीं रहता था। परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर बताई जाती है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि बुधवार देर रात शंकर नशे की हालत में घर पहुंचा, जिसके बाद पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। गुस्से में उसने पत्नी को घर से बाहर निकाल दिया और खुद अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। सुबह पत्नी ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। शोर सुनकर पड़ोसी एकत्र हुए और जब दरवाजा तोड़ा गया तो अंदर का दृश्य देखकर सभी सन्न रह गए–शंकर फांसी के फंदे पर झूल रहा था। सुबह करीब 9 बजे सूचना मिलने पर हरला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसआई अमन कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पड़ोसियों के अनुसार, बीती रात पति-पत्नी के बीच झगड़े की आवाजें सुनी गई थीं।

कांग्रेस शिक्षा विभाग के झारखण्ड प्रदेश उपाध्यक्ष नन्दकिशोर पाठक ने बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी से नव निर्वाचित हुए विधायक को दी बधाई

पलामू, संवाददाता

कांग्रेस प्रदेश शिक्षा विभाग प्रदेश उपाध्यक्ष सह पलामू जिला चेयरमैन नन्दकिशोर पाठक ने प्रेस जारी कर बिहार विधानसभा क्षेत्र से 6 नव निर्वाचित हुए विधायक दल एवं मतदान कर्मियों को दी बधाई उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी भारत बर्ष एक ऐसी पार्टी है जो इमदार संघर्षशील दलित गरीब बुद्धजीवी वर्ग एवं मध्यमवर्ग की पार्टी है ! जो पुरे भारत बर्ष में राष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़ी पार्टी है ! उन्होंने कहा कि वहीं पार्टी के नाते इसकी नितियों में धर्मनिरपेक्षता समतावाद सामाजिक स्तरीकरण सहित संतुलित स्थित मुख्य रूप से परीलक्षित होती है उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी उदारीकरण निजीकरण और वैश्वीकरण जैसे समकालीन आर्थिक सुधरो का समर्थन करती है इसके गठन के बाद माननीय सोनिया गांधी एवं माननीय राहुल गांधी के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों से अधिक कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष के रूप में शपथ दिलाई और जनता को भरोसा दिलाया मौके पर कांग्रेस पार्टी जिला महासचिव अर्जून सिंह नवल किशोर पाठक अवधेश कुमार सिंह अवध बिहारी सिंह अंबिका सिंह आसिफ अंसारी अर्जून चंद्रवंशी अरसद हुसैन सहित अन्य कांग्रेसी नेता ने दी बधाई।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सतगावां में जन जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोडरमा, संवाददाता

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम कोडरमा के तत्वाधान में तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, पोखरडीहा एवं उत्क्रमित उच्च विद्यालय, अंगार सतगावां में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को तंबाकू एवं मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभाव के साथ-साथ क्षय रोग (टीवी) के प्रति जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान स्लोगन एवं चित्रकारी प्रतियोगिता करवाया गया। प्रतियोगिता में प्रथम तीन उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को पुरष्कार एवं अन्य सभी को सांत्वना पुरष्कार दिया गया। जिला परामर्शित दीपेश कुमार ने बताया कि तंबाकू सेवन से स्वास्थ्य के साथ-साथ आर्थिक दृष्टि से भी परिवार के लिए हानिकारक है। उन्होंने ने बताया कि तंबाकू पदार्थों के सेवन से कैंसर, बालों का झड़ना, मोतियाबिंद, गैंग्रीन, अल्सर, बांझपन एवं नपुंसकता तथा हृदय एवं स्वांस संबंधित रोग होने की प्रबल संभावना होती है। कोटपा (झारखंड संशोधन) अधिनियम 2021 के तहत शिक्षण संस्थान, स्वास्थ्य संस्थान, सार्वजनिक कार्यालय, कोर्ट परिसर के 100 मीटर के परिधि में तंबाकू पदार्थों की बिक्री पूर्णरूप प्रतिबंधित है। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र /छात्राओं ने तंबाकू मुक्त समाज बनाने, समृद्ध झारखंड एवं स्वास्थ्य भारत के निर्माण करने की शपथ ली।

नामांतरण की प्रतिलिपि के लिए रिश्वत लेते चैनपुर अंचल के प्रधान लिपिक एसीबी के हत्थे चढ़े

पलामू, संवाददाता

चैनपुर अंचल कार्यालय में गुरुवार को एसीबी की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रधान लिपिक विनोद राम को 55 सौ रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि वे नामांतरण वाद की सच्ची प्रतिलिपि देने के बदले 10 हजार रुपए की अवैध मांग कर रहे थे। चैनपुर प्रखंड निवासी अनोज प्रसाद ने एसीबी को आवेदन देकर बताया था कि वाद संख्या 373/1987-88 की सच्ची प्रतिलिपि उपलब्ध कराने के लिए लिपिक द्वारा उनसे लगातार रिश्वत मांगी जा रही थी। अनोज ने आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए कम राशि देने की बात कही, परंतु लिपिक 10 हजार रुपए से कम पर तैयार नहीं थे। काफी आग्रह-विनय के बाद बात 55 सौ रुपए पर तय हुई। इसके बाद पीड़ित ने इसकी सूचना एसीबी को दी, जिसके आधार पर मामले का सत्यापन किया गया। तय योजना के तहत अनोज प्रसाद ने गुरुवार को कार्यालय में जाकर 55 सौ रुपए सौंपे, और इसी दौरान एसीबी की टीम ने ट्रैप कर प्रधान लिपिक को धर-दबोचा। गिरफ्तारी के बाद एसीबी टीम उन्हें कार्यालय ले गई, जहां आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

चैंबर सभागार में सिक्का वितरण शिविर, 40 से अधिक व्यापारियों को मिला लाभ

बोकारो, संवाददाता

बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के तत्वावधान में तथा पंजाब नेशनल बैंक, मंडल प्रमुख कार्यालय के सहयोग से चैंबर सभागार में सिक्का वितरण शिविर का आयोजन किया गया। चासझबोकारो के बाजार क्षेत्रों में पिछले दिनों सिक्कों की किल्लत बढ़ने से व्यापारियों को लेन-देन में काफी दिक्कतें हो रही थीं। व्यापारियों की परेशानी को देखते हुए चैंबर के महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने तत्परता दिखाते हुए समस्या से पंजाब नेशनल बैंक के मंडल अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव को अवगत कराया। निर्देश मिलने पर मुख्य प्रबंधक (मार्केटिंग) अविनाश कुमार ने चैंबर में शिविर आयोजित करने की पहल की। शिविर में 40 से अधिक व्यापारियों के बीच सिक्कों और करेंसी नोटों का वितरण किया गया। चैंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से व्यापारियों को बड़ी राहत मिलती है। चैंबर संरक्षक संजय बैद ने उम्मीद जताई कि अन्य बैंक भी भविष्य में ऐसे उपयोगी शिविरों का आयोजन करेंगे। कार्यक्रम की सुरक्षा और संचालन के लिए चास सदर एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह एवं थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुशमा कुमारी के नेतृत्व में पुलिस बल की तैनाती की गई। शिविर में बैंक कर्मी कमल कुमार (करेंसी चेस्ट प्रभारी), प्रदीप कुमार, कंचन कुमारी, तथा चैंबर के नरेंद्र सिंह, मुकेश अग्रवाल, प्रकाश कोठारी, महेंद्र प्रसाद, संजय अग्रवाल, विनोद जायसवाल, चंदन बांठिया, राजेश पोद्दार, प्रशांत कुमार, राजीव कुमार सहित कई व्यापारी उपस्थित रहे।

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार शिविर में जरूरतमंदों को मिलेगा योजनाओं का लाभ : बीडीओ

बोकारो, संवाददाता

कसमार बीडीओ नम्रता जोशी और सीओ नरेन्द्र कुमार सिंह ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम 21 नवंबर से 15 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा। पंचायत स्तर पर लगने वाले इन शिविरों में राज्य सरकार की विभिन्न लोक-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों को सीधे उपलब्ध कराया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि पात्र लाभुकों को योजनाओं से वंचित न रहने देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शिविर में योजनाओं की जानकारी और ऑन-द-स्पॉट सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि लोग जागरूक होकर तुरंत लाभ ले सकें। जरूरतमंद लोग सर्वजन पेंशन, जाति-आय-निवास प्रमाणपत्र, जमीन दाखिल-खारिज, सोना सोबरन धोती-साड़ी, हरा राशन कार्ड, अबुआ आवास, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, पशुधन, रोजगार सृजन और किशोरी समृद्धि जैसी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

बोकारो में अंतरप्रांतीय बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार, 9 मोटरसाइकिल बरामद

बोकारो, संवाददाता

बालीडीह थाना क्षेत्र में पिछले कई महीनों से हो रही मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं का पुलिस ने पदार्फाश करते हुए अंतरप्रांतीय बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिनकी निशानदेही पर कुल 9 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं। रेलवे कॉलोनी, रेलवे गुड्स शेड, गोविंद मार्केट और आसपास के इलाकों में बढ़ती चोरी की घटनाओं से लोग परेशान थे। मामलों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) के नेतृत्व में एक विशेष अनुसंधान टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी निगरानी और मानवीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गिरोह को पकड़ने में सफलता पाई। जांच में खुलासा हुआ कि गिरोह का सरगना समशेर आलम चोरी की मोटरसाइकिलों को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में खपाया करता था। उसका सहयोगी अंगद कुमार मोटरसाइकिलों को बंगाल ले जाने और छिपाने में मदद करता था। गिरफ्तार तीनों आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और आने वाले दिनों में और भी चोरी की मोटरसाइकिल बरामद होने की संभावना है। बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने बालीडीह थाना परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि बरामद मोटरसाइकिलों में हीरो ग्लैमर, बजाज पल्सर, हीरो स्प्लेंडर प्लस सहित कुल 9 बाइक शामिल हैं, जिनमें से कुछ बिना नंबर प्लेट के हैं।

सूरज कुमार पटेल हत्याकांड का उद्भेदन करने में विफल पुलिस के खिलाफ ग्रामीणों ने दिया धरना

बोकारो, संवाददाता

नावाडीह थाना क्षेत्र के बाराडीह निवासी शशि भूषण महतो के पुत्र सूरज कुमार पटेल हत्याकांड का उद्भेदन कर पाने में असफल नावाडीह पुलिस प्रशासन के खिलाफ गुरुवार को बाराडीह के ग्रामीणों ने नावाडीह थाना मोड़ में धरना प्रदर्शन किया। उक्त हत्याकांड के तीन महीने बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा छानबीन कर खुलासा नहीं किए जाने पर क्षोभ व्यक्त किया गया और नावाडीह पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए। इस दौरान प्रदर्शनकारी हाथ में तख्तियां लेकर हत्याकांड का शीघ्र उद्भेदन कर अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। ज्ञात हो कि विगत 20 अगस्त की शाम को प्रतिमा विसर्जन के बाद मृतक सूरज कुमार के घर नहीं लौटने पर उसके परिजन आस पास के लोगों से पूछ ताछ किए। सुबह दूसरे दिन भी जब उसके मोबाइल नंबर पर संपर्क किया गया पर संपर्क नहीं हो पाया. तब नावाडीह थाना में उसके लापता होने की रपट लिखाई गई, वहीं 22 अगस्त को दोपहर बाद उक्त लापता सूरज कुमार की लाश बाराड़ीह गांव के टंडा बारी ईंट भट्ठा के समीप झाड़ी में मिली थी। पुलिस द्वारा मृतक के शव को जब्त कर पोस्टमार्टम करवाया गया। उसके बाद मामले की छान बिन की जाने लगी। लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि तीन महीने गुजर जाने के बाद भी पुलिस प्रशासन द्वारा उक्त कांड का न तो खुलासा हो पाया और न ही अपराधियों की गिरफ्तारी हो पायी है।

बिहार में NDA का शक्ति प्रदर्शन: PM मोदी ने पांच बार झुककर किया अभिवादन, गमछा लहराया

पटना। बिहार में आज नीतीश कुमार ने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित इस समारोह को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के शक्ति प्रदर्शन की तरह भी देखा जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के अलावा भाजपा-NDA शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहे। समारोह के अंत में पीएम मोदी का खास अंदाज भी दिखा। समारोह के दौरान सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व की सराहना की और बिहार की नई सरकार को शुभकामनाएं दीं। शपथ ग्रहण समारोह समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अनोखा अंदाज देखने को मिला। सबसे पहले वे

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का हाथ थामकर मंच के आगे की ओर बढ़े। इसके बाद पीएम मोदी ने पांच बार झुककर जनता का अभिवादन किया। मंच पर मौजूद शपथ लेने वाले सभी मंत्रियों के पास जाकर उन्होंने उनका उत्साहवर्धन किया और फिर जनता की ओर मुड़कर अपना गमछा लहराया। बदले में गांधी मैदान में मौजूद लोगों ने भी अपना अपना गमछा लहराकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। चुनाव प्रचार के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी कई बार ऐसा कर चुके हैं। इतना ही नहीं, विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद जब वे बीजेपी कार्यालय पहुंचे थे, तब भी उन्होंने गमछा लहराकर जनता का अभिनंदन किया था। शपथ ग्रहण समारोह में देशभर से कई बड़े नेता पटना पहुंचे और अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी मौजूद थे। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और कई केंद्रीय नेताओं जैसे गिरिराज सिंह, शिवराज सिंह चौहान, चिराग पासवान, जेपी नड्डा, अर्जुन राम मेघवाल, रविशंकर प्रसाद, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा भी इस समारोह में शामिल हुए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, उनके बेटे और आईटी मंत्री नारा लोकेश, चिराग पासवान की मां रीना पासवान भी पटना पहुंचीं और समारोह की गरिमा बढ़ाई। गांधी मैदान में पवन सिंह ने जमाया रंग पटना के गांधी मैदान में पवन सिंह और मनोज तिवारी ने शानदार माहौल बना दिया। दोनों बीजेपी नेता मंच पर परफॉर्म कर रहे थे। पवन सिंह ने अपने गानों के जरिए बिहार विधानसभा चुनाव में मोदी-नीतीश की जोड़ी की बड़ी जीत का जश्न मनाया और खूब धमाल मचाया।

उपेक्षा का शिकार हुआ अर्जुन विक्रम शाह फुटबॉल स्टेडियम

पटना। जिले के रामनगर नगर परिषद क्षेत्र का एकमात्र खेल स्टेडियम अर्जुन विक्रमशाह शाह फुटबॉल स्टेडियम उपेक्षा का शिकार हो चुका है। स्टेडियम में चारों तरफ कंकड़ और कंक्रीट फैला हुआ है। स्टेडियम का मुख्य गेट और चारदिवारी अभी तक अधूरा है। जिसकी वजह से स्टेडियम परिसर असामाजिक तत्वों का सुरक्षित अड्डा बन चुका था। स्टेडियम की नियमित सफाई होने से चारो तरफ कचरा फैला रहता है। दौड़ की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के लिए अच्छे रनिंग ट्रैक भी नहीं बन सका है। जिसकी वजह से खिलाड़ियों व युवाओं में नगर प्रशासन व प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर आक्रोश का माहौल है। यहां बता दें कि खेल को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन के लिए सरकार तमाम योजनाएं चला रही है। लेकिन धरातल पर खेल मैदान ही उपेक्षा का भेट चढ़ गया। स्थानीय लव कुमार, पप्पू कुमार सहित कई लोगों ने बताया कि स्टेडियम के जीर्णोद्धार संबंध में नगर परिषद में कई बार आवेदन देकर अनुरोध किया जा चुका हैं। लेकिन इस संबंध में नगर प्रशासन अबतक कोई पहल नहीं कर सका है।

दो बाइकों की टक्कर में एक में लगी आग, 2 जख्मी

बेतिया। गौनाहा के मझौलिया-नरकटियागंज मुख्य सड़क पर कटरांव पुल के पास ओवरटेक करने के दौरान दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा इतना जोरदार था कि एक बाइक आग की चपेट में आकर पूरी तरह जल गई। दुर्घटना में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उनका पैर टूटने की पुष्टि हुई है। घायलों की पहचान मझौलिया थाना क्षेत्र के धनौजी निवासी सिकेन्द कुमार और भवानीपुर निवासी रंजन कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सिकेन्द जमुनिया की ओर से आ रहा था। जबकि रंजन सामने से आ रहा था। एक बड़े वाहन को ओवरटेक करने के प्रयास में दोनों बाइकों की सीधी टक्कर हो गई। टक्कर के बाद रंजन सड़क किनारे छठीघाट के पास पुआल के ढेर पर बाइक के साथ गिर गया। आवाज के साथ उसकी बाइक में आग लग गई।

विधायकों के लिए बने नए बंगले, क्या है खास?, हर बंगले पर एक करोड़ खर्च

पटना। 18वीं बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद 20 नवंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा। पटना में सभी 243 विधायकों और मंत्रियों को रहने के लिए खूबसूरत बंगले का इंतजाम किया गया है। इसमें 5 स्टार होटल की तरह सभी सुविधाएं विधायकों को मिलेंगी। सरकार ने विधायकों के लिए जिस लोकेशन में सभी सुविधाओं से लैस बंगला बनवाया है, वैसी जगह पर किराया में आवास लिया जाए तो 50 हजार रुपए महीना से कम खर्च नहीं होगा। हर एक डुप्लेक्स बंगले को 4300 स्क्वायर फीट कारपेट एरिया में बनाया गया है। इसमें करीब एक करोड़ रुपए का खर्च आया है। बंगले में गेस्ट रूम, बेड रूम, 2 छोटे रूम, पूजा रूम, ऑफिस, पीए का रूम, डायनिंग रूम, 3 किचन, एक हॉल, टॉयलेट-बाथरूम, ओपन टेरिस, बालकनी, फैमिली लाउंज बनाई गई है। बंगले को सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। माननीयों के लिए तैयार कराया जा रहा 246 बंगला बिहार सरकार ने 246 बंगला माननीयों के लिए तैयार कराया है। बिहार विधानसभा में विधायकों की संख्या 243 है। इनमें तीन बंगला, जिसे ट्रांजिट 01, 02 और 03 नाम दिया गया है, रिजर्व रखे गए हैं। ताकि कोई माननीय रहने के लिए आ गए

और उन्हें आवास नहीं मिल पाया, कोई खाली नहीं कर पाया तो वैसी स्थिति में उपयोग में लाया जा सके। बिहार सरकार के सभी मंत्रियों के लिए 20 सेट बंगले की व्यवस्था अलग से गर्दनीबाग में है। विधायक आवास के आगे नंबर यानी बाल्मीकि नगर विधानसभा का बंगला 01 सर्किट हाउस के पीछे की तरफ है। जबकि 243 नंबर विधानसभा यानी चकाई के विधायक के लिए बंगला बीजेपी ऑफिस के सामने वाले बंगला कैम्पस में है। सभी माननीयों के बंगले आर-ब्लॉक के आसपास के इलाके में हैं। सर्किट हाउस के पीछे की तरफ 158 बंगले हैं। बाकी बीजेपी दफ्तर के सामने की तरफ और हाईकोर्ट के पास हैं। माननीयों की मनमानी नहीं चलेगी, विधानसभा संख्यावार बंगला अलॉटमेंट पहले विधायक अपनी पसंद का कमरा लेने की कोशिश करते थे। इस बार सरकार ने विधानसभा संख्या के हिसाब से बोर्ड लगवा दिया है। यानी इसी नंबर के हिसाब से बंगले अलॉट किए जाएंगे। लेकिन अभी भी कुछ विधायक अपनी पसंद के नंबर वाला बंगला लेना चाहते हैं। कुछ माननीय मानते हैं कि दक्षिण फेस वाले मकान में नहीं रहना चाहिए, इसलिए वे अपनी पसंद के अनुसार बंगला चाहते हैं। माननीयों के समर्थक बोर्ड उखाड़कर दूसरे बंगले में न लगा लें, इसलिए अब नंबर प्लेट के ठीक नीचे दीवार पर पेंट से भी नंबर लिखवाया जा रहा है। अब नंबर के हिसाब से ही माननीयों को बंगले में रहना होगा। इससे लोगों को बंगला खोजने में भी सहूलियत होगी। दिलचस्प बात यह है कि कई जीते हुए प्रत्याशी पंडित जी को बंगला दिखाने के लिए भी लेकर आ रहे हैं। विधायक बंगले में 5 स्टार होटल जैसी मिलेगी सुविधा इसके अलावा बंगले में कई तरह के इलेक्ट्रिक सामान, लाइटिंग, पंखे, अठ, सोफा-पलंग, मॉड्यूलर किचन, डाइनिंग चेयर-टेबल आदि भी मिलेगी। हालांकि, अभी कई बंगले में काम पूरा होना बाकी है। इन सभी बंगलों को पूरी तरह से तैयार होने में 25-30 दिन का समय और लगने की संभावना है। नीचे यानी ग्राउंड फ्लोर में क्या-क्या है? एक गेस्ट रूम, एक ऑफिस कमरा, पीए का रूम, डायनिंग रूम, किचन, एक हॉल, दो टॉयलेट, जिसमें से एक ऑफिस से जुड़ा होगा और दूसरा गेस्ट रूम से। एक बाथरूम और साथ में एक मिनी किचन भी है। फर्स्ट फ्लोर पर कितने कमरे? दो बेड रूम, एक मास्टर बेड रूम, किचन, एक पूजा रूम। तीनों बेड रूम के साथ ड्रेस रूम और टॉयलेट, बाथरूम है। एक ओपन टेरिस, एक बालकनी, एक फैमिली लाउंज है। खास तौर से फर्स्ट फ्लोर को ही फैमिली रहने के लिए बनाया गया है। सेकेंड फ्लोर में क्या-क्या? इसमें दो छोटे रूम, एक छोटा किचन, एक टॉयलेट, एक बाथरूम और छत है। छत पर दो पानी की टंकी है। टंकी तक जाने के लिए लोहे की सीढ़ी बनाई गई है। इसके अलावा और क्या-क्या? बंगले के अलावा यहां अन्य सुविधाओं को लेकर भवन निर्माण विभाग के सहायक अभियंता चंद्रशेखर प्रसाद बताते हैं कि, डाकबंगले के अलावा दरोगा, राय पथ में बेसमेंट, ग्राउंड, सिक्स फ्लोर का हॉस्टल बनाया जाना है। इसमें कुल 83 स्टूडियो अपार्टमेंट या सुइट होंगे। सुइट उसे कहते हैं, जिसमें एक काफी बड़ा कमरा होता है, जिसमें एक अलग बेडरूम के अलावा एक लिविंग रूम, बाथरूम और मिनी-किचन एरिया होता है। इसमें अपार्टमेंट कल्चर की फीलिंग होती है। इसके अलावा कैफेटेरिया, रेस्टोरेंट, कैंटीन और कम्युनिटी सेंटर होंगे।

मैं गांधी मैदान हूं मेरी जमीन पर जेपी, लालू नीतीश बड़े हुए

पटना। मैं गांधी मैदान हूं–पटना के दिल में धड़कता हुआ वह 62 एकड़ का खुला इतिहास, जिसने 200 साल में सत्ता, संघर्ष, क्रांति और शपथ, सबको अपनी आंखों से देखा है। 1824 में पटना लॉन्स के नाम से मेरा जन्म हुआ था, लेकिन आजादी के बाद मैं जनता की आवाज, आंदोलनों और लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंच बना। 1990 में पहला शपथ समारोह हुआ और तब से बिहार की राजनीति के हर उतार-चढ़ाव का मैं केंद्र बन गया। मैं सिर्फ मिट्टी नहीं– मैं बिहार की राजनीति, जनता और सत्ता का सार्वजनिक इतिहास हूं। मैं कैसे आगे बढ़ा, मेरी जमीन कैसे राजनीति का केंद्र बनती चली गई, कैसे मैंने जेपी, लालू, रामविलास और नीतीश जैसे बड़े नेताओं को अपनी मिट्टी बढ़ने देखा है मैं वैसा नहीं जैसा आज दिखता हूं। मेरा जन्म 1820 के दशक में हुआ था, जब अंग्रेजों ने पटना शहर को एक आधुनिक प्रशासनिक रूप देने का फैसला किया।1824 से 1833 के बीच मुझे एक बड़े, खुले मैदान के रूप में तैयार किया गया। उस समय मुझे पटना लॉन्स कहा जाता था। अंग्रेजों के समय में मैं ब्रिटिश अफसरों की परेड, घुड़सवारी और औपचारिक सभाओं का स्थल था। मैंने वह समय देखा जब शहर के लोग मेरे किनारे पर तम्बू बनाकर रहने आते थे। गंगा मेरे दक्षिण में बहती थी और उत्तर में बढ़ता हुआ नगर था।अंग्रेजों ने मुझे गोल आकार दिया, चारों ओर सड़कें बनाई और एक खुला मैदान छोड़ दिया–ताकि वे मुझे अपनी ताकत का प्रदर्शन स्थल बना सकें। लेकिन मुझे नहीं पता था कि एक दिन मेरा नाम उस व्यक्ति से जुड़ेगा, जिसने अंग्रेजों को चुनौती दी थी–महात्मा गांधी। आजादी की लड़ाई के दौरान मैं धीरे-धीरे इलाॅन्सहृ से हृमैदानहृ बन गया। स्वतंत्रता आंदोलन के भाषण, सत्याग्रह और किसान आंदोलनों का मैं मूक साक्षी रहा 1947 में भारत आजाद हुआ, और मैं गांधी मैदान कहलाने लगा– एक ऐसा नाम जो मुझे सिर्फ भूगोल नहीं, बल्कि इतिहास को भी जोड़ देता है। मैं सिर्फ खेलने के लिए एक मैदान या मिट्टी नहीं रहा, धीरेधीरे मैं शहर की राजनीतिक आत्मा बन गया। आजादी के बाद पटना बढ़ रहा था, और मैं उसके केंद्र में था।

मेरे चारों ओर हाईकोर्ट, सचिवालय, नव बिहार भवन, बैंक, रिहायशी कॉलोनियां–सब उभरते जा रहे थे। लेकिन मेरे पास एक खास पहचान थी: मैं जनता की आवाज का मंच बन गया था। 1950 से 1980 के बीच मेरे भीतर बड़े राजनीतिक सम्मेलन, किसान रैलियां, आपातकाल विरोधी सभा, जयप्रकाश नारायण की ऐतिहासिक सभाएं–सब हुईं। JP आंदोलन के दौरान तो मैं हवा में उबलती क्रांति तक महसूस करता था। हजारों छात्र मुझे भर देते थे और मैं पटना विश्वविद्यालय की राजनीति से लेकर राष्ट्रीय आंदोलन का केंद्र बन जाता था। यहीं से लालू प्रसाद यादव जैसे कई युवा नेता उभरे। नीतीश कुमार ने भी छात्र जीवन में मेरे मैदान को लोकतांत्रिक प्रशिक्षण की तरह इस्तेमाल किया। मेरी मिट्टी ने दोनों को चिल्लाते, बहस करते और भीड़ को संबोधित करते देखा है। मैं सिर्फ राजनीतिक स्थल नहीं था। मैं छठ पूजा, बिरहा-नाटक, खेल समारोहों और क्रिकेट प्रदर्शनों का भी स्थान था।लोग मुझे शहर की पहचान समझने लगे। मैं भीड़, भावनाओं और उम्मीदों को अपने भीतर समाए रहता था। धर्म से राजनीति, और राजनीति से जनांदोलन खड़े हो रहे थे। मेरे लिए हर दशक एक नया रंग दिख रहा था। 1990– इस वर्ष में पहली बार पटना के इतिहास में किसी मुख्यमंत्री का शपथ समारोह गांधी मैदान में हुआ। यह दिन मेरे लिए टर्निंग पॉइंट था। उस समय बिहार में मंडल राजनीति की हवा चल रही थी और लालू प्रसाद यादव पहली बार मुख्यमंत्री बन रहे थे। जनता की इतनी बड़ी भीड़ थी कि सरकारी भवन के भीतर शपथ लेना संभव नहीं था। तब फैसला हुआ–शपथ गांधी मैदान में होगी। मैंने पहली बार शपथ के मंच पर राज्यपाल, वीआईपी, अफसर, मीडिया–और लाखों की भीड़ देखी। वह भीड़ सिर्फ जीत देखने नहीं आई थी, बल्कि इपरिवर्तन का समयइ देखने आई थी। लालू ने जनता के बीच शपथ ली और मैं उस दिन से सत्ता परिवर्तन का प्रतीक बन गया। 1990 का वह दिन बिहार की राजनीति का भी टर्निंग पॉइंट था, और मेरे जीवन का भी। लोग कहते थेगांधी मैदान बस रैलियों का स्थल है। लेकिन उस दिन से मैं राजनीतिक वैधता का मंच बन गया। उस दिन पहली बार महसूस हुआ, मैं सिर्फ एक मैदान नहीं, मैं बिहार की सत्ता का सार्वजनिक आइना हूं। 1990 के बाद से मैंने कई बार सत्ता को बदलते हुए देखा। लालू की रैलियां मेरी पहचान थीं, उनकी आवाज, उनकी शैली, भीड़ का उत्साह, सब मेरे भीतर गूंजता था। फिर 1997 में राबड़ी देवी सीएम बनीं। उन्होंने मेरे भीतर रैलियां कम कीं, लेकिन भीड़ का भरोसा बना रहा। फिर आया 2005, बिहार की राजनीति बदल गई। नीतीश कुमार ने पहली बार बड़ी जीत के साथ सरकार बनाई।वे शपथ मैदान में लेने वाले थे, पर सिक्योरिटी कारणों से स्थान बदला गया। 2020 में कोविड आया–मैं खाली रहा। 2025 में फिर से बड़ा आयोजन मेरे हिस्से आया है। और अब चौथी बार नीतीश कुमार मेरी जमीन पर शपथ लेने जा रहे हैं। वे 10वीं बार मुख्यमंत्री बनेंगे। दुनिया भर की नजरें मुझ पर हैं। मैंने सत्ता का उत्थान और पतन सब देखा है। कभी भीड़ में खड़े लोग नेता बनकर लौटे, कभी नेता भीड़ में खो गए। मैंने नेताओं के चेहरे बदले, पर जनता की उम्मीदें हमेशा एक जैसी रहीं। मेरी राजनीति सिर्फ शपथ तक सीमित नहीं है। मैं बिहार के राजनीतिक का रियल-टाइम थर्मामीटर हूं।

संक्षिप्त डायरी

दुलारचंद हत्याकांड-अनंत सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई

पटना। दुलारचंद यादव हत्याकांड में जेल में बंद अनंत सिंह ने पटना सिविल कोर्ट में जमानत याचिका दायर की है। आज कोर्ट इस मामले में सुनवाई करेगी। कोर्ट की सुनवाई पर सबकी नजर है। इसकी वजह है कि क्या सीएम नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण समारोह के दिन बाहुबली जेल से बाहर आएंगे। याचिका में अनंत सिंह ने खुद को इस मामले में राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार बताते हुए कहा है कि इस मामले में हम निर्दोष हैं। मेरा इसमें कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध नहीं है। पीड़ित परिवार का आरोप मेरी राजनीतिक छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए गढ़ी गई है। अनंत सिंह के अनुसार, दोनों राजनीतिक दलों के काफिले चुनाव प्रचार के दौरान आमने-सामने आए, जिससे सिर्फ मौखिक विवाद हुआ। न तो कोई योजना थी, न साजिश और न ही कोई मंशा। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी कहा गया है कि उसकी मृत्यु गोली से नहीं, बल्कि भारी चोट की वजह से हुई है। मैंने गिरफ्तार होने के बाद जांच में पूरा सहयोग किया है और मेरे खिलाफ कोई हथियार या आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुआ है। दुलारचंद यादव हत्याकांड के चलते जेल में हैं अनंत सिंह 30 अक्टूबर 2025 को मोकामा के घोसवरी थाना क्षेत्र के बसावनचक में राजद नेता और जनसुराज के प्रत्याशी के लिए प्रचार कर रहे दुलारचंद यादव की हत्या की गई थी। आरोप अनंत सिंह पर लगे थे। 1 नवंबर की रात गिरफ्तार किया गया था। 2 नवंबर को कोर्ट में पेश करने के बाद बेऊर जेल में डाला गया। 28206 वोट से जीते अनंत सिंह अनंत सिंह 28206 वोटों के अंतर से मोकामा सीट से जीतकर विधायक बने हैं। उन्हें 91416 वोट मिले। दूसरे नंबर पर राजद की प्रत्याशी वीणा देवी रहीं। उन्हें 63210 वोट मिले। 2005 से 5 बार विधायक बने अनंत मोकामा सीट से अनंत सिंह 2005 से लगातार 5 बार विधायक रहे। 3 बार JDU से, एक बार RJD से और एक बार निर्दलीय जीते। AK-47 राइफल रखने के मामले में उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था। जिसके बाद 2022 में मोकामा में उपचुनाव हुए। इस बार अनंत सिंह ने पत्नी नीलम देवी को चुनाव लड़वाया। RJD की टिकट पर लड़ीं नीलम देवी जीत गईं। 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले अनंत सिंह AK-47 मामले में बरी हो गए। इसके बाद फिर से चुनाव मैदान में उतरे और जीत गए।

मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ने पीरपैंती रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

पटना। पूर्व रेलवे के मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (पीएस) उदय शंकर झा ने गुरुवार को अमृत भारत योजना के तहत बन रहे पीरपैंती रेलवे स्टेशन का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर में कई खामियां पाईं, जिसके बाद उन्होंने स्टेशन प्रबंधक सहित संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। निरीक्षण के दौरान, पीएस झा ने स्टेशन में साफ-सफाई की बदहाल स्थिति, जगह-जगह फैली गंदगी, लोडिंग एरिया की अव्यवस्था और पार्किंग क्षेत्र में नियमों की अनदेखी पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने इन सभी अनियमितताओं को तुरंत सुधारने के निर्देश दिए। अंग्रेजी बोर्ड हटाकर हिंदी में लगाने का निर्देश स्टेशन पहुंचते ही उदय शंकर झा ने परिसर में लगे सभी अंग्रेजी भाषा के बोर्ड हटाकर उन्हें हिंदी में बदलने का स्पष्ट निर्देश दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्थानीय लोगों की सुविधा और भाषा को प्राथमिकता देते हुए स्टेशन परिसर में सभी बोर्ड हिंदी में होने चाहिए, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निर्माण कार्यों, स्वच्छता, सुरक्षा और यात्री सुविधाओं की बारीकी से जांच मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ने स्टेशन के हर हिस्से का बारीकी से जायजा लिया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों में अनियमितताओं को देखते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार करने का आदेश दिया। उन्होंने वृक्षारोपण की स्थिति, स्वच्छता व्यवस्था, प्लेटफॉर्म की देखरेख, यात्री सुविधाओं और सुरक्षा संबंधी तैयारियों का भी निरीक्षण किया। लापरवाही पर सख्त चेतावनी उदय शंकर झा ने अपने बयान में कहा कि पीरपैंती रेलवे स्टेशन को अमृत भारत योजना के तहत आधुनिक, सुरक्षित और यात्रियों की हर सुविधा के अनुरूप बनाया जाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेलवे की पहली प्राथमिकता यात्री सुविधा है और इस तरह की लापरवाही किसी भी हाल में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि अगले निरीक्षण तक सभी खामियों को दुरुस्त किया जाए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि रेलवे यात्री सुविधा को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है और बहुत जल्द स्टेशन परिसर में स्पष्ट सुधार दिखाई देगा। आने वाले दिनों में स्टेशन में यात्री सुविधाओं को मजबूत करने, स्वच्छता बढ़ाने और आधुनिकता लाने के लिए अतिरिक्त प्रयास किए जाएंगे।

नई सरकार के गठन से पश्चिम चंपारण की राजनीति गरमाई

पटना। राज्य में नई सरकार के गठन और संभावित मंत्रिमंडल विस्तार से पश्चिम चंपारण जिले की राजनीति गरमा गई है। विधानसभा चुनाव के बाद धीमी पड़ी राजनीतिक गतिविधियां मंत्रिमंडल गठन की चर्चा से फिर तेज हो गई हैं। जिले के सात विधायकों में से तीन की दावेदारी मंत्री पद के लिए प्रबल मानी जा रही है। लौरिया से चौथी बार विधायक चुने गए विनय बिहारी को सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। लगातार जीत और क्षेत्र में उनकी सक्रियता के कारण स्थानीय स्तर पर उन्हें मंत्री बनाने की मांग उठ रही है। उनके समर्थकों को उम्मीद है कि पार्टी नेतृत्व इस बार उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल करेगा। छठी बार विधानसभा पहुंचीं रेणु देवी जिले की वरिष्ठ विधायक और पूर्व उपमुख्यमंत्री रेणु देवी का नाम भी तेजी से चर्चा में है। छठी बार विधानसभा पहुंचीं रेणु देवी की मजबूत संगठनात्मक पकड़, लंबा राजनीतिक अनुभव और महिला नेतृत्व के रूप में उनकी भूमिका को देखते हुए उन्हें महत्वपूर्ण मंत्रालय मिलने की संभावना है। पार्टी के भीतर भी उन्हें एक अनुभवी विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। नौतन के विधायक नारायण प्रसाद की दावेदारी भी मजबूत है। वे पहले नीतीश कैबिनेट में मंत्री रह चुके हैं और उनके प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए उन्हें फिर से मंत्री पद मिलने की संभावना है। 2 चेहरों को मंत्रिमंडल में मिलना चाहिए स्थान स्थानीय भाजपा नेताओं का मानना है कि जिले से कम से कम दो चेहरों को मंत्रिमंडल में स्थान मिलना चाहिए, ताकि क्षेत्रीय संतुलन और राजनीतिक प्रतिनिधित्व मजबूत हो सके। एनडीए खेमे में इन संभावित नामों को लेकर चर्चा तेज है। हालांकि, अंतिम फैसला पार्टी नेतृत्व के हाथ में है और सरकार गठन की प्रक्रिया पूरी होने तक स्थिति स्पष्ट नहीं होगी।

वकील का सांसद जैसा भौकाल, 250 गाड़ियों से निकाला जुलूस

नेताओं की तरह हाथ हिलाता रहा, यूपी बार काउंसिल चुनाव में शक्ति प्रदर्शन

प्रयागराज। यूपी बार काउंसिल चुनाव का नामांकन चल रहा है। वकीलों का शहर कहलाने वाले प्रयागराज में अधिवक्ताओं का जलवा हर रोज देखने को मिल रहा है। हर कोई अपनी ताकत और भौकाल दिखा रहा है। कोई लग्जरी कारों के काफिले से अपनी ताकत दिखा रहा है तो कोई खुली कार से लोगों का अभिवादन स्वीकार कर रहा है। बार काउंसिल चुनाव में नामांकन के लिए उम्मीदवार विधायकों-सांसदों की तरह भौकाल दिखा रहे हैं। जुलूस निकाल रहे हैं। रैलियां कर रहे हैं। उनके साथ गाड़ियों का लंबा काफिला चल रहा है। वकीलों के इस अंदाज की चर्चा पूरे शहर में है। एक वकील 250 लग्जरी गाड़ियों का काफिला लेकर नामांकन करने पहुंचे। प्रत्याशी अधिवक्ता उपेंद्र सिंह उर्फ बाबा का काफिला पूरे शहर में लोगों की जुबान पर चढ़ा रहा। पहले वह समर्थकों और काफिले के साथ संगम क्षेत्र गए। फिर वहां से नामांकन स्थल तक विशाल रैली निकाली। प्रयागराज की सड़कों पर गाड़ियों की कतार कई सौ मीटर तक देखी गई। लंबी लाइन की वजह से जाम के हालात भी बने। रास्ते में जगह-जगह लोग काफिला देखकर रुक जाते, वीडियो बनाने लगते। फूल मालाओं से लदे वकील भी सामने दिखने वालों का अभिवादन स्वीकार करते। नजारा पूरी तरह पॉलिटिकल इवेंट जैसा दिख रहा है। काफिले में समर्थक ढोल-नगाड़े बजाते, नारे लगाते और बाबा के पक्ष में माहौल बनाते नजर आए। वकीलों ने भी माना कि ऐसा शक्ति प्रदर्शन कई सांसद और विधायक उम्मीदवार भी नहीं दिखा पाते हैं। जिला न्यायालय के अधिवक्ता पंकज कुमार त्रिपाठी ने भी अपने अंदाज में नामांकन किया। पंकज त्रिपाठी भी गाड़ियों के काफिले और बड़े समर्थक समूह के साथ पहुंचे। वह खुद एक गाड़ी की रूफ से बाहर निकले और सबका अभिवादन कर रहे थे। उनके समर्थक उनके लिए जयकारा लगाते रहे। ऐसा लगा कि नामांकन स्थल चुनावी मैदान बन गया। इस तरह के कई और काफिलों ने साफ कर दिया कि इस बार का चुनाव सिर्फ पर्चा दाखिल करने का औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि ताकत, लोकप्रियता और पहुंच दिखाने का बड़ा मंच बन गया है। कई उम्मीदवार पूरी सादगी के साथ शांतिपूर्वक नामांकन कर रहे हैं, लेकिन शक्ति प्रदर्शन करने वालों की संख्या और उनका अंदाज इस बार कहीं ज्यादा मुखर है। अधिवक्ताओं का ही कहना है कि अबकी बार का यूपी बार काउंसिल चुनाव का नामांकन इलाहाबादी भौकाल, स्टेटस सिंबल, शक्ति प्रदर्शन, पावर दिखाने, जलवा बिखेरने का मंच भी नजर आ रहा है। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सामान्य निर्वाचन 2025-26 के लिए नामांकन प्रक्रिया 14 से 19 नवंबर तक चली। अंतिम दिन 19 नवंबर को बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने अपने पर्चे दाखिल किए। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सचिव के अनुसार नामांकन के अंतिम दिन सदस्य पद के लिए कुल 25 प्रत्याशियों ने आवेदन किया। इसके साथ ही, 14 से 19 नवंबर के बीच कुल 334 प्रत्याशियों ने बार काउंसिल सदस्य पद के लिए अपने नामांकन पत्र जमा किए।

गन्ने के साथ फूलगोभी की खेती वरदान, किसान होंगे खुशहाल

संवाददाता

कुशीनगर। शरद कालीन गन्ने के साथ फूलगोभी की खेती से किसानों के लिए वरदान साबित होगी और किसान खुशहाल होंगे। किसान वैज्ञानिक तकनीक अपनाकर, मात्र 85 से 90 दिनों में एक एकड़ सह-फसली खेती से 1.5 लाख रुपया तक लाभ ले सकते है। उक्त बातें उप्र गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र- पिपराइच-गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक गन्ना विशेषज्ञ ओमप्रकाश गुप्ता ने ग्राम- बकनहा शिव मंदिर परिसर में किसान गोष्ठी और फसल अवलोकन करते हुए कहीं। बताया कि एक एकड़ गन्ने में 30 हजार गोभी का पौधा लगेगा। 5 रुपए की लागत से गोभी का पौधा बोने पर 1.5 लाख का होगा। बकनहा में सब्जी की खेती करने वाले प्रगतिशील किसान अरविंद कुशवाहा के गोभी किसानों को दिखाते हुए बताया कि गोभी की अधिक उपज देने वाली प्रमुख प्रजाति गिरजा, माधुरी है। गोभी की किसान शरद कालीन गन्ने के साथ किस सह-फसली की खेती करें। गन्ने के साथ आलु, फूलगोभी, पातगोभी, टमाटर, बैंगन, सब्जी,मटर, की खेती, धनिया मसूर, गेहूं,तोरिया, पालक, लोबिया आदि की बुवाई करें। गोबर की सड़ी खाद अवश्य प्रयोग करें, लाइन से बुवाई करें। बाजार में गोभी बाजार में 50 रुपए किलो बिकता है। कभी सस्ता हो जाता है। इसलिए किसान समय को पहचान कर खेती करें तो फायदे में रहेंगे। श्री गुप्ता ने सब्जी की वैज्ञानिक खेती के विषय में जानकारी लेने के लिए कृषक अध्ययन यात्रा में सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणसी, कानपुर, पंतनगर, कुमारगंज, फैजाबाद, जाकर शोध, प्रक्षेत्र देखें, वैज्ञानिकों से जानकारी है। गन्ने की बुवाई 4 फीट की दूरी पर नाली बनाकर करें। गन्ने की दो लाइन के बीच गोभी की दो लाइन में पौध की रोपाई करें। गोभी की लाइन से लाइन की दूरी 45 सेमी रखें, गन्ने में गोभी बोने से खरपतवारों का नियंत्रण होगा। गोभी की फसल को किसान घनश्याम कुशवाहा, पिंटू शर्मा, छट्टू शर्मा, अकलू प्रसाद, पुजारी कुशवाहा, रमन कुशवाहा ने देखा।

चौपालः आधा दर्जन गांवों में बीडीओ व अधिकारियों ने दी योजनाओं की जानकारी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। हाटा विकास के ग्राम पतया सहित आधा दर्जन गांवों में गुरुवार को खण्ड विकास अधिकारी हरिशंद्र कौशिक के देखरेख फार्मर रजिस्ट्री, एसआईआर और किसान सम्मान निधि को लेकर एक चौपाल का आयोजन किया।चौपाल में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने फार्मर रजिस्ट्री, एसआईआर और किसान सम्मान निधि से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। और लाभार्थियों से कराई गई। क्षेत्र के पतया, गोबरही, भठही राजा, डुमरी, चुरामन छपरा, खड्डा जाखनी में बीडीओ हरिशंद्र कौशिक ने ग्रामीणों से फार्मर रजिस्ट्री की आवश्यकता के बारे में पूछा। इस पर हल्का लेखपाल अरविंद सिंह और एडीओ पंचायत चंद्रिका प्रसाद ने बताया कि सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। फार्मर रजिस्ट्री होने के बाद किसानों को सम्मान निधि, खाद, बीज, बैंक से ऋण सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। खण्ड विकास अधिकारी ने इस बात पर जोर दिया कि फार्मर रजिस्ट्री किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने ग्राम सचिव संजय चौबे और रोजगार सेवकों को निर्देश दिया कि इन योजनाओं की जानकारी ब्लॉक के सभी ग्राम पंचायतों में चौपाल लगाकर दी जाए। इसके लिए, एडीओ, एडीओ एजी, ग्राम सचिव, ग्राम प्रधान, बीएमएम और राजस्व टीम को लगाकर शत-प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर ग्राम प्रधान समिउल्लाह खां, डिम्पल पांडेय, राम आश्रय, सुभाष कान्दु आदि लोग मौजूद रहे।

एनसीसी कैम्प में रेंट पिचिंग प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता

कुशीनगर। उदित नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय पडरौना में आयोजित एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण 168 में कैडेट्स के बीच रेंट पिचिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य कैडेट्स में टीमवर्क, अनुशासन, फील्ड क्राफ्ट और त्वरित कार्य-क्षमता को विकसित करना था। प्रतियोगिता के दौरान कैडेट्स ने सीमित समय में अपनी-अपनी टीमों के साथ मिलकर टेंट स्थापित किए। कैडेट्स ने बेहतरीन समन्वय, सटीकता और फुर्ती का प्रदर्शन किया। प्रशिक्षकों ने कैडेट्स को सही तकनीक, एलाइनमेंट, ग्राउंड सेलेक्शन और सुरक्षा के मानकों के बारे में जानकारी दी। कमांड अधिकारी करनाल हरिश चंद ने कैडेट्स के उत्साह और लगन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां कैडेट्स को मैदानी परिस्थितियों के अनुरूप तैयार करती हैं तथा उनमें नेतृत्व क्षमता को मजबूत बनाती हैं।प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को पुरस्कृत भी किया गया। अंत में एसओज और प्रशिक्षकों ने कैडेट्स को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान डिप्टी कमांडेंट कैप्टन वीपी मिश्रा, रिसालदार मेजर हरजीत सिंह, एएनओ लेफ्टिनेंट नरेंद्र त्रिपाठी, थर्ड ऑफिसर एक पांडे, सूबेदार त्रिलोक सिंह, सूबेदार संजय कुमार, सूबेदार संतोष कुमार, हवलदार कुलदीप सिंह, हवलदार करनप्रीत सिंह हवलदार सर्वजीत सिंह हवलदार गोविंद सिंह, हवलदार रमेश लामा हवलदार मन बहादुर थापा, हवलदार निर्मल सर, हवलदार थिंकिल्स दोरजे अन्य पी आई स्टाफ एवम बटालियन के अन्य सिविल स्टाफ लल्लन सिंह, विनोद तिवारी, मु अशरफ, राजेश गौतम मौजूद रहे।

सपा विधायक का निधन, अखिलेश को पकड़कर रोया बेटा

मऊ। घोसी विधानसभा से सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन हो गया।

वे 67 साल के थे। परिवार के मुताबिक, सुधाकर सिंह 17 नवंबर को दिल्ली में उमर अंसारी के मैरिज रिसेप्शन में शामिल हुए थे। 18 नवंबर यानी मंगलवार रात सुधाकर सिंह दिल्ली से लौटे थे। उसी रात उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। उन्हें तुरंत लखनऊ के मेदांता में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी सेहत की निगरानी कर रही थी। गुरुवार सुबह इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। उनके बेटे और पूर्व ब्लॉक प्रमुख डॉ. सुजीत सिंह ने पिता के निधन की पुष्टि की। अखिलेश यादव ने अस्पताल पहुंचकर सुधाकर के परिवार से मुलाकात की। इस दौरान सुजीत सपा मुखिया को पकड़कर फूट-फूट कर रोए। अखिलेश ने उन्हें ढांढस बंधाया। सीएम योगी ने भी '' पर लिखा- मेरी संवेदनाएं परिजनों के साथ हैं। भगवान से प्रार्थना है कि परिवार को यह दुःख सहन करने की ताकत मिले। इस बीच, परिवार और सपा कार्यकर्ता सुधाकर सिंह का शव लेकर घोसी में उनके पैतृक गांव पहुंच चुके हैं।

'राहुल गांधी भाजपा के सबसे बड़े प्रचारक' : रवि किशन

गोरखपुर। 'राहुल गांधी भाजपा के बहुत बड़े प्रचारक हैं। जितना हो पाए, राहुल गांधी उतना हम लोगों के खिलाफ बोलें। वह बोलना न छोड़ें, वह बोलते हैं, हम जीतते हैं। उनके बोलने में जादू है। रविकिशन ने कहा कि एक दिसंबर से सदन चलेगा। राहुल गांधी से अपील है कि वहां भी चिंघाड़ के बोलें।' यह कटाक्ष गोरखपुर के सांसद रविकिशन शुक्ला ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर किया है। रविकिशन पिछले तीन दिनों से गोरखपुर में थे। दो दिन वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अलग-अलग कार्यक्रमों में रहे। बुधवार को रविकिशन ने एक बार फिर राहुल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा 'वोट चोरी से लेकर जितने आरोप वह लगा रहे हैं, बिहार की जनता उसका जवाब दे चुकी है। अभी 5 से 6 राज्यों में उनकी सरकार है। जल्द ही वह भी चली जाएगी। हम चाहते हैं कि राहुल रुकें नहीं, लगातार बोलते रहें। देश के 272 प्रतिष्ठित लोगों ने कांग्रेस को खुली चिट्ठी लिखकर कहा है कि कांग्रेस और राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं पर बार-बार हमले कर रहे हैं। वास्तविक सबूत के बिना आरोप लगा रहे हैं। चुनाव आयोग को बदनाम करने और वोट चोरी के आरोप लगा रहे हैं। वे कृपया बोलना न छोड़ें। उनके गंदे, कड़े व रूखे शब्द भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आशीर्वाद स्वरूप ही मिलते हैं। रविकिशन ने एक दिन पहले कहा था कि राहुल गांधी बिहार में मछली पकड़ने गए थे, लेकिन यह बिहार की मछली है। ऐसे हाथ नहीं आएगी। बिहार में निकाली गई वोटर अधिकार यात्रा के प्रभाव को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में रविकिशन ने कहा था कि राहुल को लगा कि चलो बिहार चलते हैं और कुछ मछलियां पकड़ लेते हैं।

ट्रम्प के बेटे अपनी गर्लफ्रेंड संग ताजमहल देखने पहुंचे

डायना बेंच पर बैठकर फोटो खिंचवाई, मुमताज-शाहजहां का मकबरा देखा

आगरा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बेटे डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर गुरुवार को पहली बार ताजमहल देखने पहुंचे। गर्लफ्रेंड के साथ डायना बेंच पर फोटो खिंचवाई। मुगल बादशाह शाहजहां और उनकी पत्नी मुमताज का मकबरा भी देखा। करीब 45 मिनट तक ताजमहल परिसर में रहे। उनकी गर्लफ्रेंड लाल रंग की वेस्टर्न ड्रेस में और ट्रम्प जूनियर व्हाइट आउटफिट में नजर आए। ट्रम्प जूनियर दोपहर 1.30 बजे विशेष विमान से आगरा के खेरिया एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट से होटल अमर विलास ओबेरॉय गए। यहां उनके लिए कोहिनूर सुइट बुक था। इस सुइट का एक रात का चार्ज 7 से 8 लाख रुपए है। यहां कुछ देर रुके और लंच किया। लंच में उन्हें कॉन्टिनेंटल और इंडियन डिशेज सर्व की गईं। सुइट में कपड़े बदलने के बाद वह गोल्फ कार्ट से ताजमहल के पूर्वी गेट पहुंचे। फिर ताजमहल पहुंचे। उनके साथ 40 देशों के 126 विशेष मेहमान भी थे। ताजमहल से वे शाम साढ़े चार बजे निकले। फिर वापस होटल गए। वहां से अपना सामान लेकर खेरिया हवाई अड्डे गए। वहां से स्पेशल फ्लाइट से जामनगर गुजरात के लिए रवाना हुए। 6 साल पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प परिवार के साथ आगरा पहुंचे थे। ट्रम्प पत्नी मेलानिया के साथ ताजमहल के कैंपस में करीब डेढ़ किमी तक पैदल चले थे और फोटो सेशन भी कराया था। विजिटर बुक में ट्रम्प ने लिखा था- इमारत भारत की समृद्ध संस्कृति का प्रतीक है। दोपहर 3:15 पर डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने ताजमहल के रॉयल गेट से एंट्री की। रॉयल गेट पर ही 5 मिनट के लिए खड़े होकर उन्होंने ताजमहल को देखा। इसके बाद वह धीरे-धीरे सेंट्रल टैंक की तरफ बढ़े। सेंट्रल टैंक पर डायना बेंच पर डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने अपने दोस्तों और अपनी गर्लफ्रेंड के साथ फोटो खींचे। सेंट्रल टैंक से उतरकर वे मुख्य गुंबद की तरफ बढ़े। वहां पर उन्होंने ताजमहल के इतिहास वास्तुकला और उसका निर्माण कैसे हुआ, इसकी जानकारी ली। उन्होंने शाहजहां और मुमताज की कब्र को भी देखा।

4:30 बजे वे गोल्फ कार्ट में बैठकर शिल्पग्राम पार्किंग की तरफ चले गए। गाइड नितिन ने बताया कि डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने ताजमहल के इतिहास वास्तुकला पच्चीकारी के बारे में तो जाना ही। साथ ही उन्होंने यह सवाल भी किया कि ताजमहल बनाने के लिए कितने मजदूर लगाए गए थे। वह मजदूर कहां से आए थे। संगमरमर कहां से लाया गया था और कैसे लाया गया था। इसके साथ-साथ उन्होंने ताजमहल में लगे कीमती पत्थरों के बारे में भी जानकारी ली। ब्रिटेन की प्रिंसेज डायना 1992 में ताजमहल आई थीं। लाल रंग की ड्रेस में ताजमहल के सामने संगमरमर की बेंच पर अकेले बैठी डायना की तस्वीर पूरी दुनिया में छा गई थी। इसके बाद से यह बेंच डायना बेंच के नाम से मशहूर हो गई। डोनाल्ड ट्रंप जूनियर अपनी गर्लफ्रेंड संग और दोस्तों के साथ ताजमहल से निकले। यहां से गोल्फ कार्ट में बैठकर शिल्पग्राम पार्किंग की तरफ जाते हुए।

संक्षिप्त डायरी

बुद्ध ने विश्व को करुणा, मैत्री का पाठ पढ़ाया: कोंचोक टैंक्योंग

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद अंतर्गत वार्ड संख्या 20 शहीद भगत सिंह नगर (अनिरुद्धवा) बुद्ध मार्ग स्थित मलिन बस्ती में तिब्बत मॉनेस्ट्री द्वारा जरूरतमंदों में खाद्यान्न वितरित किया गया। गुरुवार को तिब्बती मंदिर के प्रमुख कोंचोक टैंक्योंग लामा ने मलिन बस्ती के सौ लोगों को खाद्यान और अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि तथागत भगवान बुद्ध ने विश्व को करुणा, मैत्री का पाठ पढ़ाया। उन्हीं उपदेशों के क्रम में मेरे द्वारा माह में दो चार जरूरतमंद लोगों की मदद की जाती है। इस दौरान मिग्मार लामा, लेंरिंग लामा सहित अन्य मौजूद रहे।

गन्ना क्रय केंद्र जौरा बाजार प्रथम सेंटर का हुआ शुभारंभ

संवाददाता

कुशीनगर। अवध शुगर एंड एनर्जी लिमिटेड यूनिट (न्यू इंडिया शुगर मिल हाटा) कुशीनगर के गन्ना क्रय केंद्र जौरा बाजार प्रथम सेंटर पर गन्ना पेराई सत्र 2025-2026 के लिए गन्ना खरीद का शुभारंभ विधिवत पूजन अर्चन कर जोनल इंचार्ज राजेश कुमार मौर्य और कर्मचारियों ने किया। इस दौरान हाटा चीनी मिल से तौल लिपिक बृजेश शर्मा, क्षेत्रीय इनचार्ज दीपांकर यादव, विष्णु कांत मिश्रा, पूर्व प्रधानाचार्य हरिशंकर उपाध्याय, पूर्व प्रधानाचार्य दयाशंकर मिश्रा, डॉ जय प्रकाश यादव, महातम यादव (सचिवालय लखनऊ), किसान रामशीष सिंह, दीपक राय, राजेन्द्र कुशवाहा ग्राम प्रधान परसौनी, श्रीराम कुशवाहा, बसन्त, गोपाल,केदारू,गुड्डू, झंकारी बाबा, फुलसुंदर सिंह, चौकीदार अमेरिका यादव सहित सैकड़ों किसान मौजूद थे।

आज ढाढा चीनी में गन्ना पेराई सत्र का शुभारंभ करेंगे कृषि मंत्री

संवाददाता

कुशीनगर। न्यू इंडिया सुगर मिल ढाढा बुजुर्ग हाटा कुशीनगर का गन्ना पेराई सत्र 2025-2026 का शुभारंभ 21 नवंबर दिन शुक्रवार को अपराह्न एक बजे होगा। मुख्य अतिथि प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही गन्ना पेराई सत्र का शुभारंभ करेंगे। उक्त जानकारी एक विज्ञप्ति के माध्यम से मिल के अधिशासी अध्यक्ष आरके गुप्ता ने दी है। अधिशासी अध्यक्ष श्री गुप्ता ने बताया कि मिल की पेराई क्षमता के अनुसार गन्ने की उपलब्धता कम है। इसलिए मिल गेट परिक्षेत्र में शरद कालीन गन्ना बुआई का क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अधिशासी उपाध्यक्ष गन्ना रविन्द सिंह ने बताया कि गन्ना पेराई सत्र का शुभारंभ के अवसर पर सांसद विजय कुमार दूबे, हाटा विधायक मोहन वर्मा, फाजिल नगर विधायक सुरेंद्र कुशवाहा, पडरौना विधायक मनीष जायसवाल, रामकोला विधायक विनय गोंड, उप गन्ना आयुक्त देवरिया एपी सिंह, पूर्व सहायक निदेशक गन्ना विशेषज्ञ ओपी गुप्ता, जिला गन्ना अधिकारी कुशीनगर हुदा सिद्दकी, गन्ना समितियों के अध्यक्ष, किसान आदि मौजूद रहेंगे।

जिलाधिकारी ने सुनवाई के दौरान आई 92 शिकायतों में ज्यादातर का किया मौके पर निस्तारण

संवाददाता

हमीरपुर। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कर आम लोगों की शिकायतों को सुनकर अधिकारियों को

गुणवत्तापूर्ण और बेहतर तरीके से निस्तारण करने के निर्देश जारी किये। जनसुनवाई में करीब 92 शिकायते आई, जिनमें से ज्यादातर का जिलाधिकारी ने फौरन मौके पर निस्तारण कर दिया। बाकी शिकायतों के निस्तारण के लिये जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम , खंड विकास अधिकारी सहित सभी के साथ वर्चुअल/ जूम एप के जरिये से बैठक कर उनके फौरन निस्तारण के लिये निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी एसडीएम ,बीडीओ सहित सभी अधिकारी नियमित तौर से अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर जन समस्याओं का बेहतर तरीके से निस्तारण किया जाए इसमें किसी भी तरह की लापरवाही न बरती जाये। जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई, आईजीआरएस सहित माध्यमों से आने वाले मामलों का सभी अधिकारी मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण कर बखा पर रिपोर्ट पेश करें।

नवागत मुख्य विकास अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव का हुआ स्वागत

संवाददाता

कुशीनगर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जिला-कुशीनगर के पदाधिकारियों ने जिले की नवागत मुख्य विकास अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव (कक्ष) का स्वागत भगवान श्रीचित्रगुप्त जी की प्रतिमा एवं पुष्प गुच्छ भेंट देकर किया। उपस्थित पदाधिकारियों का शिष्टाचार परिचय बृजेश श्रीवास्तव एडवोकेट जिला महामंत्री ने किया और आगामी कार्यक्रम '' डॉ राजेंद्र प्रसाद जी '' भारत के प्रथम राष्ट्रपति की 141 वीं जयंती 3 दिसम्बर 2025 के परिप्रेक्ष्य में 7 दिसंबर 2025 को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि '' मुख्य विकास अधिकारी '' को वीरेंद्र श्रीवास्तव एडवोकेट जिलाध्यक्ष ने आमंत्रित किया। जिसपर उन्होंने अपनी सहमति प्रदान किया । इस मौके पर धीरेन्द्र मोहन सहाय एडवोकेट, संजीव श्रीवास्तव एडवोकेट जिला उपाध्यक्ष, जिला संगठन मंत्री रमेश श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव जिला संरक्षक, राकेश श्रीवास्तव, शैलेश श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

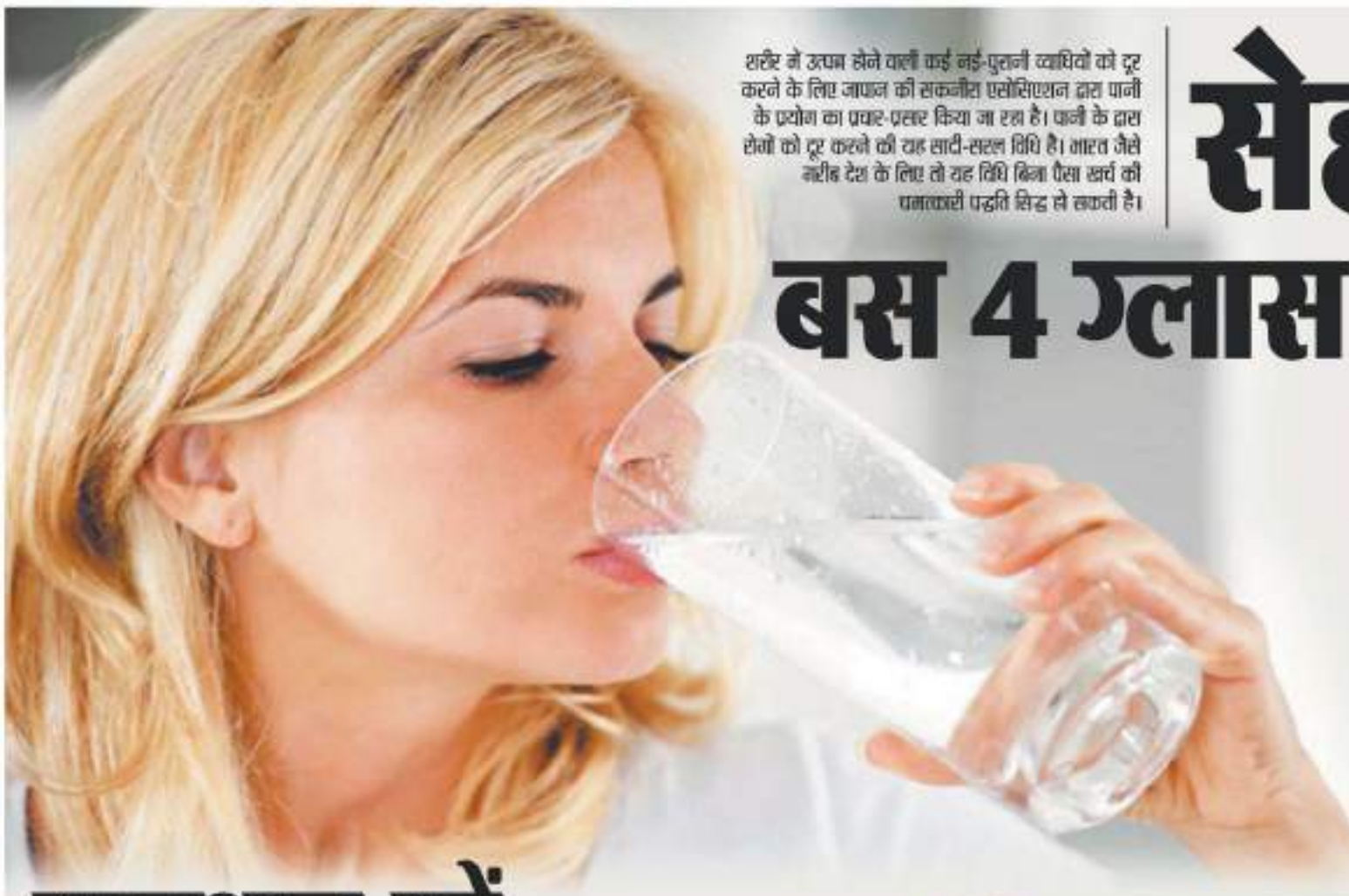

शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है।

सेहत का राज बस 4 ग्लास पानी एक साथ

सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, खून की कमी, मोटापा, बेहोशी, दमा, खांसी, लीवर की कमजोरी, पेशाब की बीमारी, गैस, कब्ज, एसीडिटी, कमजोरी, आख की बीमारी, मानसिक रोग, महिलाओं को होने वाली बीमारियां एवं शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है। कमी है तो बस इसके जनसाधारण के बीच प्रसार की।

पानी प्रयोग की विधि क्या है

सुबह उठकर बिस्तर में बैठ जाएं और चार बड़े ग्लास भरकर (लगभग एक लीटर) पानी एक ही समय एक साथ पी जाएं। ध्यान रहे कि पानी पीने के पहले मुंह न धोएं, न ब्रश करें तथा शौचकर्म भी न करें। पानी पीने के बाद थूकें नहीं। पानी पीने के पौन घंटे बाद आप ब्रश/दातून, मुंह धोना, शौचकर्म इत्यादि नित्यकर्म कर सकते हैं। जो व्यक्ति बीमार या कमजोर काया के हैं और वे एक साथ चार ग्लास पानी नहीं पी सकते तो उन्हें शुरूआत एक-दो ग्लास पानी से करना चाहिए तथा धीरे-धीरे चार ग्लास तक बढ़ाना चाहिए। साथ ही भोजन करने के बाद लगभग दो घंटे पानी न पिया जाए तो अति उत्तम रहेगा।

चार ग्लास पानी पीने की यह विधि स्वस्थ या बीमार, सभी के लिए अति लाभदायक सिद्ध हुई है। सकनीरा एसोसिएशन के अनुभव द्वारा यह सिद्ध किया गया है कि कई बीमारियां इस प्रयोग से निम्नलिखित समय में दूर होती जाती है।

- मधुमेह एक माह के लगभग।
- उच्च रक्तचाप एक माह के लगभग।
- गैस दो सप्ताह के लगभग।
- टी.बी. छः माह के लगभग।
- कब्जीयत- दो सप्ताह के लगभग।

सावधान रहें ताजातरीन सब्जियों से

यूं तो हम हर रोज तरह-तरह की सब्जियां खाते हैं लेकिन वे ताजा होती है इस बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। हर रोज सामने आ रही बीमारियों के पीछे कहीं न कहीं एक कारण यह भी है कि आज इंसान को शुद्ध और ताजा आहार नसीब नहीं हो पा रहा। मिलावट और रसायन संस्थान से सब्जियां भी अछूती नहीं है।

सब्जी विक्रेता आज या तो रसायन में संरक्षित कर रखी गई सब्जियां बेचते हैं या फिर मुनाफे के चक्कर में लौकी जैसी सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए उनमें ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगा देते है। आहार विशेषज्ञ का कहना है कि लोगों को अपने आहार में ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए और ऐसी सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए जो बहुत दिनों से संरक्षित कर रखी गई हो। ताजा सब्जियां जहां खाने में स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं वहीं उनमें विटामिन कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व भी प्रचुर मात्रा में होते हैं लेकिन सावधानी यह जरूरी है कि सब्जियां सचमुच ताजा हो न कि उन्हें इंजेक्शन से ताजा बनाया गया हो। बाजार से सब्जियां खरीदते समय बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। यदि ऐसी सब्जी खरीद ली जाती है, जिसका आकार बढ़ाने के लिए या चमकदार दिखाने के लिए किसी रसायन का इस्तेमाल किया गया हो तो इससे पेट में अल्सर अम्लता और गैस बनने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सब्जियों को संरक्षित कर रख दिए जाने से उनके पोषक तत्वों में कमी आ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं है। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे बार-बार गर्म करके रात तक इस्तेमाल किया जाता रहे। ऐसा करने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और शरीर को कोई फायदा नहीं पहुंचता। एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे कुछ घंटों के भीतर ही इस्तेमाल कर लेना चाहिए। सब्जी को फ्रिज में रख देने का मतलब यह नहीं है कि वह जरा भी खराब नहीं होगी। फ्रिज में रखी सब्जी को भी छह-सात घंटे के भीतर इस्तेमाल कर लेना चाहिए। इसके बाद उसके पोषक तत्वों में ह्रास होने लगता है।

सिर्फ 5 आहार ठंड में रखे सदाबहार

सर्द मौसम में व्यायाम करके अपने शरीर को गर्म व ऊर्जावान बनाए रखने के साथ ही अपने भोजन में ऐसी चीजों को शामिल करना भी जरूरी हो गया है जिनकी कम मात्रा लेने पर भी शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। पेश है 5 ऐसे आहार जो आपको सर्दियों में तरोताजा और स्वस्थ बनाएंगे।

सलाद

आपके सुबह व शाम के भोजन में सलाद के लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यदि आप कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है। सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं जो शरीर के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ ही भोजन के पाचन में भी सहायक होते हैं। इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। यदि आप सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आपको रोजाना कम से कम एक बड़ा कप हरी सलाद खानी चाहिए।

छिलके वाली दालें

छिलके वाली दालों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। प्रोटीन के साथ ही दालों में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन बी आदि होता है। इनका रोजाना सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है।

पीले व खट्टे फल

फलों में सबसे अधिक गुणकारी खट्टे फल होते हैं। पीले व नारंगी रंग के फलों में बीटा कैरोटिन व एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। खट्टे फलों का सेवन डायबीटिज, कैंसर, एनीमिया, मोतियाबिंद, अस्थमा, किडनी में पथरी आदि रोगों में लाभदायक होता है। इन फलों को निरंतर सेवन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

तरल, जूस व ड्रिंक

भोजन के पूर्व या पश्चात यदि आप तरल पदार्थ लेने के आदी है तो इस सर्द मौसम में भी आप छाछ, लस्सी, दही व फ्रूट जूस का सेवन कर सकते हैं। दही, छाछ व ताजे फलों का रस आपके शरीर के लिए गुणकारी होता है। खट्टे फलों में नींबू का रस वजन कम करने, डेंटल केयर, बुखार, रक्त शुद्धि आदि में सहायक होता है। भोजन के बाद ली जाने वाली छाछ में दूध की अपेक्षा फैट की मात्रा कम होती है। यदि हम लिक्विड में नारियल पानी की बात करें तो इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, शर्करा व वसा की कम मात्रा होती है।

अंकुरित अनाज

अंकुरित किए जाने से अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा दुगुनी हो जाती है। चना, मूंग, सोयाबीन, मटर आदि को अंकुरित करके खाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में नाश्ते में अंकुरित अनाज को शामिल करना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर है। भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन आप सूप या सलाद के साथ भी कर सकते हैं। सुलभ, सस्ता, बनाने में आसान व पौष्टिक होने के कारण अंकुरित अनाज का सेवन आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है। विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि की भरपूर मात्रा होने के कारण अंकुरित अनाज हमारे भोजन के पाचन में भी सहायक होता है।

ब्रेस्ट कैंसर से बचाता है विटामिन डी

ब्रिटेन के विशेषज्ञों का कहना है कि विटामिन डी के सेवन से स्तन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है. लंदन की सर्जन एवं प्रो. केफाह मोकबेल के अनुसार इससे एक हजार जिंदगियां प्रतिवर्ष बचाई जा सकती है. वैसे तो धूप विटामिन डी का सबसे बड़ा स्रोत है. लेकिन महिलाएं अक्सर अपनी दिनचर्या में इससे महरूम हो जाती है. प्रो. मोकबेल का दावा है कि 20 साल की आयु के बाद महिलाएं को प्रतिदिन एक विटामिन डी की गोली का सेवन करना चाहिए. इसके सेवन से स्वस्थ्य महिलाओं में भी ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका काफी घट जाती है. महिलाओं में जरूरी विटामिन डी लेवल काफी उच्च स्तर का होता है. जो अक्सर कम हो जाता है. इसे मेंटेन करके खतरे को कम किया जा सकता है.

अध्ययन के अनुसार इसका (विटामिन डी की गोलियों का) खर्च काफी कम है और लाभ काफी अधिक क्योंकि इससे बड़ी परेशानी की आशंका काफी कम हो जाती है. एक अध्ययन के अनुसार, ब्रिटेन में हर साल 50 हजार महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ रही है. इसमें 1200 मौत के मुंह में चली जाती है. अध्ययन के अनुसार, वैसे तो विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है. लेकिन अब यह भी माना जाता है कि विटामिन डी इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में भी लाभकारी है. यह दोनों कैंसर की रोक के अहम कारक है. अमेरिका के हार्वर्ड स्कूल और पब्लिक हेल्थ के अनुसार विटामिन डी की कमी से कई बड़ी बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय रोग, फ्लू, कई प्रकार के कैंसर, टीबी और स्केरोसिस का खतरा बढ़ जाता है. विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है यह इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में लाभकारी हेल्थ फैक्टर्स है.

जरा संभलकर मम्मी टू बी...

गर्भावस्था के दौरान जरा सी असावधानी बरतने पर आपको कमर दर्द संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है। इससे बचने के लिए आइए जानते हैं क्या करें और क्या न करें

ऐसा न करें

- भारी वस्तुएं न उठाएं।
- कमर को झुकाएं नहीं।
- उल्टे-सीधे तरीके से न लेटें।
- जगने पर बिस्तर से झटके में न उठें।
- ज्यादा देर के लिए हाई हील न पहनें।
- कंधे पर भारी बैग लटकाकर न चलें।
- हर काम अपने सिर पर लेने की कोशिश न करें।

ऐसा करें

- भारी वस्तुएं उठाने के लिए अपने पति या अपने किसी खास से कहें।
- कमर झुकाने के बजाय घुटनों के बल बैठें और अपनी कमर सीधी रखें।
- अपनी स्पाइन को सीधा रखने के लिए जिस करवट लेटी हैं उस तरफ घुटनों के बीच में एक तकिया जरूर रखें।
- नींद से उठने पर पहले करवट लें। फिर अपने हाथों का सहारा लेकर बैठ जाएं।
- हाई हील के स्थान पर लो हील और फ्लैट जूते-चप्पल का ही इस्तेमाल करें। इससे आपकी पेल्विस और पीठ सीधी रहेगी।
- भारी बैग के बजाय बैक पैक का इस्तेमाल करें।
- जितना संभव हो घर के कामों की जिम्मेदारियां परिवार के सदस्यों को सौंपें। आपके साथ ही आने वाले नन्हें मेहमान को भी तो सुकून चाहिए।

ट्रिब्यूनल सुधार और राष्ट्रपति संदर्भ संबंधी फैसले संवैधानिक मर्यादा और न्यायिक संयम की मिसाल

नीरज कुमार दुबे

19 नवंबर को दिए गए 137 पृष्ठों के निर्णय में मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने साफ कहा है कि संसद पहले से रद्द किए गए प्रावधानों को मामूली बदलावों के साथ दोबारा पेश कर न्यायिक फैसलों को दरकिनार नहीं कर सकती।

भारत की संवैधानिक संरचना में न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन सदैव एक संवेदनशील विषय रहा है। दो दिनों में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए दो महत्वपूर्ण फैसलों ने इस संतुलन पर नई बहसों को जन्म दिया है। एक ओर न्यायालय ने न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 के प्रमुख प्रावधानों को असंवैधानिक ठहराकर संसद और केंद्र सरकार को कठोर संदेश दिया है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 143 के तहत भेजे गए संदर्भ पर अपनी राय देते हुए न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि न तो राष्ट्रपति और न ही राज्यपाल पर अदालत कोई बाध्यकारी समय-सीमा थोप सकती है। इन दोनों फैसलों को मिलाकर देखें तो न्यायालय ने एक ओर कार्यपालिका के हस्तक्षेप से न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा की है, जबकि दूसरी ओर अपने अधिकार-क्षेत्र की सीमाएँ भी रेखांकित की हैं।

न्यायाधिकरण संबंधी फैसले की बात करें तो 19 नवंबर को दिए गए 137 पृष्ठों के निर्णय में मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने साफ कहा है कि संसद पहले से रद्द किए गए प्रावधानों को मामूली बदलावों के साथ दोबारा पेश कर न्यायिक फैसलों को दरकिनार नहीं कर सकती। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि सरकार बार-बार उन्हीं प्रावधानों को अध्यादेश और फिर कानून के रूप में लागू करती रही, जिन पर न्यायालय स्पष्ट रूप से ऐतराज जता चुका था। यह प्रवृत्ति विधायी अवहेलना (legislative overruling) के रूप में व्याख्यायित की गई– अर्थात, बिना वास्तविक सुधार किए केवल प्रतीकात्मक परिवर्तन कर न्यायालय की बात को निष्प्रभावी करने का प्रयास।

यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न्यायाधिकरणों की स्वतंत्रता, निष्पक्षता और संस्थागत मर्यादा को ठोस आधार देता है। न्यायाधिकरण सरकार के अंगों के विरुद्ध भी निर्णय लेते हैं; ऐसे में उनकी नियुक्ति, कार्यकाल और सेवा-शर्तें यदि सरकार के नियंत्रण में हों, तो न्यायिक निष्पक्षता खतरे में पड़ सकती है। न्यायालय ने इस अधिनियम को शक्तियों के पृथक्करण (Separation of

Powers) और न्यायिक स्वतंत्रता (Judicial Independence) के सिद्धांतों का उल्लंघन करार देते हुए रद्द कर दिया। यह स्पष्ट संकेत है कि संसद कानून तो बना सकती है, लेकिन न्यायपालिका की मूलभूत स्वतंत्रता को नियंत्रण में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

दूसरा महत्वपूर्ण फैसला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा भेजे गए संवैधानिक संदर्भ पर आया। न्यायालय के समक्ष मुख्य प्रश्न था– क्या राज्यपाल या राष्ट्रपति पर यह बाध्यता हो सकती है कि वे किसी बिल पर तय समय-सीमा में निर्णय दें? मुख्य न्यायाधीश गवई तथा न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ, पी.एस. नरसिंह और ए.एस. चंदुरकर की संविधान पीठ ने स्पष्ट किया कि न्यायालय राज्यपाल/राष्ट्रपति पर कोई निर्धारित समय-सीमा नहीं थोप सकता। यह स्पष्ट है कि "Deemed Assent" अर्थात समय बीतने पर बिल को स्वतः मंजूर मान लेने की अवधारणा असंवैधानिक है, क्योंकि यह कार्यपालिका की भूमिका को न्यायपालिका द्वारा हड़पने जैसा होगा। हाँ, यदि लंबे समय तक अनिश्चित देरी हो, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित हो, तो न्यायालय सीमित दायरे में यह निर्देश दे सकता है कि राज्यपाल अपनी जिम्मेदारी निभाएँ, लेकिन यह निर्देश विवेकाधिकार के उपयोग पर टिप्पणी नहीं करेगा।

इस फैसले से दो बातें स्पष्ट होती हैं। पहली यह कि न्यायालय ने स्वयं पर अंकुश लगाते हुए साफ किया कि कार्यपालिका के संवैधानिक अधिकारों में दखल की सीमा तय है। दूसरी बात यह है कि राज्यपालों की ओर से बिलों को महीनों तक रोककर रखने की आलोचना को भी न्यायालय ने गंभीरता से लिया है और समाधान के रूप में सीमित न्यायिक समीक्षा का दरवाजा खुला रखा है। यह संतुलन स्थापित करना आसान नहीं था। एक ओर राज्यों– विशेषकर तमिलनाडु, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल ने तर्क दिया कि राज्यपालों द्वारा बिलों को रोकना लोकतंत्र-विरोधी है। दूसरी ओर, केंद्र ने कहा कि अदालतें समय-सीमा तय करके कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में दखल नहीं दे सकतीं। अंततः न्यायालय ने वही रास्ता चुना जो भारतीय संविधान की आत्मा के अनुरूप है यानि संविधान ने समय-सीमा नहीं तय की है, इसलिए अदालत भी इसे तय नहीं करेगी।

इन दोनों फैसलों में न्यायालय का स्वर पूरी तरह एक जैसा नहीं है। एक तरफ उसने संसद को तीखी चेतावनी दी, दूसरी तरफ उसने खुद अपनी सीमाओं को स्वीकार किया। यही दोहरी भूमिका भारतीय लोकतंत्र को संतुलित बनाती है। न्यायालय संदेश दे रहा है कि न्यायिक स्वतंत्रता पर किसी भी प्रकार का आघात बर्दाश्त नहीं होगा, लेकिन संविधान में जो अधिकार अन्य अंगों को दिए गए हैं, उन पर न्यायपालिका कब्जा नहीं करेगी।

इन फैसलों की समय-सीमा भी रोचक है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई 23 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। उनके बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर को भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश बनेंगे। इन दोनों महत्वपूर्ण संवैधानिक फैसलों पर गवई और सूर्यकांत दोनों की निर्णायक भूमिका भविष्य की न्यायिक दिशा के संकेत देती है– विशेषकर केंद्र-राज्य संबंधों और न्यायिक स्वतंत्रता के क्षेत्र में।

बहरहाल, संविधान ने भारत को एक संतुलित संरचना दी है– न्यायपालिका स्वतंत्र हो, कार्यपालिका जिम्मेदार हो और विधायिका जनता के प्रति उत्तरदायी हो। इन दोनों फैसलों ने इस संतुलन को और भी स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है। जहाँ न्यायालय ने संसद को बताया कि वह न्यायिक आदेशों को दरकिनार नहीं कर सकती, वहीं राज्यपालों और राष्ट्रपति की संवैधानिक गरिमा को भी मान्यता दी, यह कहते हुए कि समय-सीमा थोपना न्यायपालिका के अधिकार-क्षेत्र से बाहर है। इन फैसलों के साथ भारत का लोकतंत्र एक बार फिर यह साबित करता है कि संस्थाएँ तभी मजबूत होती हैं जब वे एक-दूसरे की सीमाओं और स्वतंत्रता का सम्मान करें।

संपादकीय

हिड़मा के बाद नक्सलवाद

माओवादी नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा (44 वर्षीय) मार दिया गया। उस पर 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। आंध्रप्रदेश के एलुरी सीताराम राजू जिले में सुरक्षा बलों ने जो घेराबंदी कर मुठभेड़ की, तो नक्सलियों के शवों में हिड़मा, उसकी पत्नी राजक्का उर्फ राजे और चार अंगरक्षकों के शव भी पाए गए। हिड़मा कितना खूंखार और हत्यारा नक्सली था, इसी से स्पष्ट होता है कि वह 263 जवानों की जिंदगी छीनने का गुनहगार था। उसने 150 से अधिक नक्सली हमलों की रणनीति तय की थी, लेकिन 26 बड़े और खौफनाक हमलों का ह्यामास्टरमाइंडह्य वही था। 2010 का वह दिन याद आते ही कंपकंपी छूटने लगती है और मन गुस्से, आक्रोश से भर उठता है, जब हिड़मा की रणनीति के आधार पर, बारूदी सुरंग बिछा कर, दंतेवाड़ा में एक साथ सीआरपीएफ के 76 जवानों को हलाहलाक कर दिया गया था। ऐसा हमला फिर दोबारा नहीं किया जा सका, लेकिन 2017 और 2021 में नक्सली सीआरपीएफ पर दो हमले करने में कामयाब जरूर रहे। उन हमलों में क्रमशः 24 और 23 जवान मारे गए थे। उसके बाद सीआरपीएफ ने अपनी रणनीति में आमूल परिवर्तन किया। हिड़मा छत्तीसगढ़ के 32 कांग्रेस नेताओं का भी हत्यारा था। उस हमले में पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ला और महेन्द्र कर्मा सरीखे वरिष्ठ कांग्रेसी भी मारे गए। कांग्रेस का राज्य स्तरीय नेतृत्व ही शून्य हो गया था। बहरहाल ऐसे भी संकेत सामने आए हैं कि हिड़मा उस मुठभेड़ में मारे जाने से पहले आत्मसमर्पण की सोच रहा था।

उसने एक स्थानीय पत्रकार से संपर्क किया था और उसे बताया था कि वह जंगलों से बाहर आने पर विचार कर रहा है, लेकिन हथियार डालने से पहले वह सरकार के साथ अपने कुछ मुद्दों और चिंताओं पर बात करना चाहता था, लिहाजा उसने पत्रकार को मध्यस्थ बनाया था, लेकिन वह संवाद संभव न हो सका और अंततः हिड़मा को ढेर होना पड़ा। दरअसल यह बड़ा मुद्दा नहीं है कि हिड़मा सरीखे नक्सली मारे जा रहे हैं और हिड़मा के बाद माओवादी सशस्त्र संघर्ष और विद्रोह बहुत कमजोर हो जाएगा, अंततः वे 31 मार्च, 2026 से पहले ही समाप्त हो सकते हैं। दो बिन्दु गौरतलब हैं। एक, इस साल सुरक्षा बलों के लगातार ऑपरेशन और आक्रामक दबाव के कारण 1225 नक्सलियों को आत्मसमर्पण करना पड़ा है। ऑपरेशन और मुठभेड़ों में 270 से अधिक नक्सली मार दिए गए हैं और 680 से अधिक गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

दरअसल माओवादी नक्सलियों में नेतृत्व और रणनीति को लेकर विभाजन गहराता जा रहा है। नक्सलवाद के वैचारिक प्रमुख एवं मुख्य प्रवक्ता एम. वेणुगोपाल राव ने नक्सलियों के नाम दो पत्र जारी किए थे। सारांश यह था कि अब सशस्त्र संघर्ष पर विराम लगा देना चाहिए। वामपंथी विद्रोह के बुनियादी कारणों को संबोधित करना चाहिए। दरअसल जिस सोच के साथ नक्सलवाद की शुरुआत की गई थी, वह मकसद नाकाम रहा है, क्योंकि देश की आदिवासी आबादी आज भी भूमिहीन है और हाशिए की जिंदगी जीने को विवश है। ये समुदाय भारत में सबसे अधिक गरीब हैं। करीब 12.90 करोड़ में से 6.50 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी के शिकार हैं। अर्थात आय के अलावा, अपर्याप्त पोषण, शिक्षा की कमी, खराब स्वास्थ्य, पेयजल की कमी, बिजली और आवास सरीखी बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं। वनों पर अधिकार के उनके दावों को नकारा जाता रहा है, बल्कि उनसे जबरन छीन लिए जाते हैं। उनके इलाकों में ग्राम सभा की अनुमति के बिना ही कथित विकास की परियोजनाएं स्वीकृत कर दी जाती हैं। वामपंथी आतंकवाद पर संपूर्ण जीत के लिए इन मुद्दों को पहले संबोधित करना जरूरी है। दूसरा बिंदु यह है कि क्योंकर 31 मार्च, 2026 से पहले ही सशस्त्र नक्सलियों को पराजित किया जा सकता है।

चिंतन-मनन

सेवाभाव ही सर्वोपरि

एकनाथ देवगढ़ राज्य के दीवान जनार्दन स्वामी के शिष्य। एक बार गुरु देव ने एकनाथ को राजदरबार का हिसाब करने को कहा। एकनाथ बही-खाता लेकर हिसाब करने बैठ गये। दूसरे ही दिन सुबह हिसाब राजदरबार में देना था। सारा दिन हिसाब लिखने और करने में बीत गया। दिन में बैठे कब रात हो गयी उन्हें पता ही न चला। सेवक दीपक जलाकर चला गया। हिसाब में एक पायी की भूल आ रही था। आधी रात बीत गयी मगर भूल पकड़ में ही नहीं आ रही थी। संत जी हिसाब में खोये रहे। भोर फटते ही गुरु देव एकनाथ के कमरे में आए तो संत जी को हिसाब में खोये पाया।

बत्तियों पर अंधेरा होने पर भी एकनाथ हिसाब में लगे रहे। इतने में एक पायी की भूल पकड़ में आ गयी। एकनाथ खुशी से चिल्ला पड़े,मिल गयी,मिल गयी। गुरु देव ने पूछा,क्या मिल गया बेटा? एकनाथ विस्मय से बोले कि हिसाब में एक पायी की भूल पकड़ में नहीं आ रही थी वह मिल गयी है। लाखों के हिसाब में एक पायी की भूल के लिए रात भर का जागरण। गुरु देव की सेवा में इतनी लगन और दृढ़ निश्चय देखकर गुरु देव के दिल से गुरुकृपा बह निकली क्योंकि उन्हें ज्ञानामृत की वर्षा करने के लिए योग्य अधिकारी जो मिल गया था।

विश्व टेलीविजन दिवस : मनोरंजन से मानसिक क्रांति तक: टीवी का बदलता चेहरा

योगेश कुमार गोयल

'ब्लैक एंड व्हाइट' बुद्धू बक्सा (टेलीविजन) अपने सहज प्रस्तुतिकरण के दौर से गुजरते हुए कब आधुनिकता के साथ कदमताल करते हुए सूचना क्रांति का सबसे बड़ा हथियार और हर घर की अहम जरूरत बन गया, पता ही नहीं चला। यह दुनिया जहान की खबरें देने और राजनीतिक गतिविधियों की सूचनाएं उपलब्ध कराने के अलावा मनोरंजन, शिक्षा तथा समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को उपलब्ध कराने, प्रमुख आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समूचे विश्व के ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करने वाला एक सशक्त जनसंचार माध्यम है। यह संस्कृतियों और रीति-रिवाजों के आदान-प्रदान के रूप में मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन है, जो तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी दुनिया के ज्ञान में असीम वृद्धि करने में मददगार साबित हो रहा है। मानव जीवन में टीवी की बढ़ती भूमिका तथा इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाया जाता है।

संचार और वैश्वीकरण में टेलीविजन की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसके महत्वों को रेखांकित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की जरूरत महसूस की गई और आम जिंदगी में टीवी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आखिरकार टीवी के आविष्कार के करीब सात दशक बाद वर्ष 1996 में 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की घोषणा कर दी गई। दरअसल टीवी के आविष्कार को सूचना के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांति का आविष्कार माना गया है, जिसके जरिये समस्त दुनिया हमारे करीब रह सकती है और हम अब घर बैठे ही दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटनाओं को लाइव देख सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार 21 तथा 22 नवम्बर 1996 को विश्व टेलीविजन मंच का आयोजन करते हुए टीवी के महत्व पर चर्चा करने के लिए मीडिया को प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया था। उस दौरान विश्व को परिवर्तित करने में टीवी के योगदान और टीवी के विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों के संदर्भ में व्यापक चर्चा की गई थी। उसी के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में 17 दिसम्बर 1996 को एक प्रस्ताव पारित करते हुए प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को ही यह दिवस मनाया जाता रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार 1927 में हुआ माना जाता है और उसके करीब 32 साल बाद इलेक्ट्रॉनिक टेलीविजन ने भारत में पहला कदम रखा। भारत में टीवी का पहला प्रसारण प्रायोगिक तौर पर दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के साथ 15 सितम्बर 1959 को शुरू किया गया। उस समय टीवी पर सप्ताह में केवल तीन दिन ही मात्र तीस-तीस मिनट के कार्यक्रम आते थे लेकिन इतने कम समय के बेहद सीमित कार्यक्रमों के बावजूद भी टीवी के प्रति लोगों का लगाव बढ़ता गया और यह बहुत जल्द लोगों की आदत का अहम हिस्सा बन गया। दूरदर्शन का व्यापक प्रसार हुआ वर्ष 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के आयोजन के प्रसारण के बाद। दूरदर्शन द्वारा अपना दूसरा चैनल 26 जनवरी 1993 को शुरू किया गया और उसी के बाद दूरदर्शन का पहला चैनल डीडी-1 और दूसरा नया चैनल डीडी-2 के नाम से लोकप्रिय हो गया, जिसे बाद में "डीडी मैट्रो" नाम दिया गया। भले ही टीवी के आविष्कार के इन दशकों में इसका स्वरूप और तकनीक पूरी तरह बदल चुकी है लेकिन इसके कार्य करने का मूलभूत सिद्धांत अभी भी पहले जैसा ही है।

हालांकि किसी भी वस्तु के अच्छे और बुरे दो अलग-अलग पहलू भी हो सकते हैं। कुछ ऐसा ही सूचना एवं संचार क्रांति के अहम माध्यम टीवी के मामले में भी है। एक ओर जहां यह मनोरंजन और ज्ञान का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है और नवीनतम सूचनाएं प्रदान करते हुए समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, वहीं इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते रहे हैं। टेलीविजन की ही वजह से ज्ञान, विज्ञान, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि तमाम क्षेत्रों में बच्चों से लेकर बड़ों तक की सभी जिज्ञासाएं शांत होती हैं। अगर नकारात्मक पहलुओं की बात करें तो टीवी के बढ़ते प्रचलन के साथ-साथ इस पर प्रदर्शित होते अश्लील, हिंसात्मक, अंधविश्वासों का बीजारोपण करने तथा भय पैदा करने वाले कार्यक्रमों के कारण हमारी संस्कृति, आस्था और नैतिक मूल्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। टीवी पर विभिन्न कार्यक्रमों में लगातार हत्या और बलात्कार जैसे दृश्य दिखाने से बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित होता है। मौजूदा समय में टीवी मीडिया की सबसे प्रमुख ताकत के रूप में उभर रहा है और मीडिया का हमारे जीवन में इस कदर हस्तक्षेप बढ़ गया है कि टीवी के वास्तविक महत्व के बारे में अब लोगों को पर्याप्त जानकारी ही नहीं मिल पाती।

देश में जहां दूरदर्शन की शुरुआत के बाद दशकों तक दूरदर्शन के ही चैनल प्रसारित होते रहे, वहीं 1990 के दशक में निजी चैनल शुरू होने की इजाजत मिलने के साथ एक नई सूचना क्रांति का आगाज हुआ। इन तीन दशकों में निजी चैनलों को लगातार मिलते लाइसेंस के चलते अब देशभर में टीवी पर करीब एक हजार चैनल प्रसारित होते हैं। इससे दूरदर्शन जैसे माध्यम कमजोर हो गए हैं और अब हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सूचना व संचार माध्यमों ने हमें इस कदर अपना गुलाम बना लिया है कि इनके अभाव में जीवन की कल्पना ही नहीं कर सकते। हालांकि ढ़ेर सारे टीवी चैनलों की बदौलत जहां ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, सूचना आदि के स्रोत बढ़े हैं, वहीं चिंताजनक स्थिति यह है कि टीआरपी की बढ़ती होड़ में बहुत से निजी टीवी चैनल जिस प्रकार गलाकाट प्रतिद्वंद्विता के चलते समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों की अनदेखी करते हुए दर्शकों के समक्ष कुछ भी परोसने को तैयार रहते हैं, उससे युवा पीढ़ी दिशाहीन हो रही है और जनमानस में गलत संदेशों का बीजारोपण होता है। इसीलिए मांग उठने लगी है कि दिशाहीन टीवी कार्यक्रमों के नकारात्मक प्रभावों पर अंकुश लगाने और अपसंस्कृति के प्रसार को रोकने के लिए इन पर कुछ कड़े कानूनी प्रतिबंधों का प्रावधान होना चाहिए।

यूक्रेन-रूस टकराव में अमेरिकी हथियारों की भूमिका

सनत जैन

युद्ध कभी भी सभ्य समाज की पहचान नहीं होती और न ही युद्ध किसी सभ्य समाज की स्थापना में सहायक सिद्ध हो सकता है। मानव जनित समस्याओं का हल आपसी बातचीत से निकालना सभ्य समाज की देन है। इसके विपरीत स्वयं के फैसलों और मन-मर्जी को मनवाने के लिए क्रूरता की हदें पार करते हुए किसी पर युद्ध थोप देना उचित नहीं कहा जा सकता है। इससे भी ज्यादा निकृष्ट कार्य युद्ध के लिए किसी को प्रेरित करना या किसी के संबंधों को खराब कर अपना उल्लू सीधा करना होता है। अब जबकि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है और अब जबकि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच की सीमित लड़ाई न रहकर वैश्विक सामरिक प्रतिस्पर्धा का मंच बन चुका है। ऐसे में संपूर्ण दुनिया के शांतिप्रिय देशों के लिए यह युद्ध चिंता का विषय बन जाना उचित ही है। दरअसल हाल की घटना, जिसमें रूस ने दावा किया कि उसने अमेरिकी मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया और यूक्रेन की लॉन्च साइट को नष्ट कर दिया है। इससे यूक्रेन को जंगी सामान मुहैया कराने और अन्य अमेरिकी सहयोग का खुलासा हुआ है। इसके साथ ही इस घटना और खुलासे ने युद्ध में इस्तेमाल आधुनिक तकनीक, खुफिया क्षमता और अंतरराष्ट्रीय हथियार पर आधारित राजनीति के महत्व को भी उजागर कर दिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय का कहना है, कि यूक्रेन ने खार्कोव क्षेत्र से अमेरिका द्वारा निर्मित चार एटीएसीएमएस बैलिस्टिक मिसाइलें रूसी शहर वोरोनेज की ओर दागीं। यह मिसाइल लगभग 300 किलोमीटर की रेंज और अत्यधिक तेज गति के कारण यूक्रेन को रूस की गहराई तक प्रहार करने की क्षमता देती है। अमेरिका ने हाल ही में यूक्रेन को यह उन्नत मिसाइलें सौंपने का फैसला लिया था ताकि यूक्रेन रूसी सैन्य ठिकानों पर प्रभावी जवाब दे सके। अब विचार करने वाली बात तो यह है कि एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनिया से कहते नहीं थक रहे कि वो शांति के पुजारी हैं और उन्हें ही शांति नोबल पुरस्कार मिलना चाहिए, जो इस बार तो नहीं मिल सका। इसके लिए उन्होंने बारंबार दावा किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रोकने में उन्होंने ही मदद की। इसके अलावा उन्होंने दावा किया कि हमास और इजराइल के बीच शांति उन्होंने ही कराई और फिर रूस व यूक्रेन युद्ध रोकने के प्रयासों का भी बढ़-चढ़कर बखान करते देखे जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यही किया जा रहा है कि आखिर जब शांति की बात की जा रही है तो जंग को आगे बढ़ाने के लिए युद्ध सामग्री क्योंकर दी जा रही है? यह उनकी कथनी और करनी में अंतर को प्रदर्शित करता है।

बहरहाल रूस का दावा है कि उसकी बहु-स्तरीय एयर डिफेंस प्रणाली ने मिसाइल हमले को शुरू होने से पहले ही नाकाम कर दिया। रूसी रेकॉन फ्लाइट ने लॉन्चिंग की गतिविधि को पहचान लिया और फिर एस-400 ट्रायंफ तथा पंतसिर-एस1 सिस्टम ने हवा में ही चारों मिसाइलों को नष्ट कर दिया। रूस का कहना है कि जासूसी, रोकथाम और जवाबी कार्रवाई, तीनों स्तरों पर उसकी सेनाओं ने समन्वित और प्रभावी काम किया। यहां बताते चलें कि एस-400 दुनिया के सबसे उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम में माना जाता है, जो 400 किमी तक के लक्ष्यों को इंटरसेप्ट कर सकता है। पंतसिर-एस1 निकट दूरी की सुरक्षा देता है और दोनों मिलकर बहु-स्तरीय सुरक्षा तैयार करते हैं। कई देशों जिनमें भारत, तुर्की, चीन शामिल हैं ने भी इस प्रणाली को खरीदा है, जो इसकी सामरिक प्रभावशीलता को दर्शाता है। यदि रूस का दावा सही है, तो यह सिस्टम न केवल बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस में बल्कि वास्तविक युद्ध परिस्थितियों में भी प्रभावशाली साबित हो रहा है। लॉन्च साइट को नष्ट करने का दावा भी महत्वपूर्ण है। यह अलग बात है कि यूक्रेन ने इस घटना पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। युद्ध के इतिहास में अक्सर दावे और प्रतिदावे समय के साथ स्पष्ट होते हैं, इसलिए स्वतंत्र पुष्टि का इंतजार आवश्यक है। फिर भी, यह घटना इस बढ़ते संघर्ष में प्रायोजक देशों की भूमिका को भी सामने लाती है। अमेरिका लंबे समय से विभिन्न देशों को सैन्य तकनीक उपलब्ध कराता आया है, इजराइल, सऊदी अरब, पाकिस्तान और अन्य सहयोगी देश इसकी सूची में शामिल हैं। भारत भी इस कड़ी में नया नहीं है। हाल ही में अमेरिका ने भारत को 100 जेवलिन एंटी-टैंक सिस्टम और 216 एक्सकैलिबर स्मार्ट आर्टिलरी प्रोजेक्टाइल बेचने का निर्णय लिया। लगभग 775 करोड़ रुपये की इस डील को अमेरिकी कांग्रेस से मंजूरी मिल चुकी है। जहां तक रूस और यूक्रेन जंग की बात है तो यूक्रेन की सैन्य आपूर्ति अब भी मुख्यतः पश्चिमी देशों पर निर्भर है। इन देशों के समर्थन के बिना यूक्रेन रूस की विशाल सैन्य क्षमता का मुकाबला नहीं कर सकता। हथियारों का हस्तांतरण, सामरिक गठजोड़, और तकनीकी श्रेष्ठता, ये तीनों इस युद्ध के वास्तविक निर्णायक तत्व बन चुके हैं। आने वाले महीनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या यूक्रेन और रूस की यह मिसाइल बनाम एयर-डिफेंस की लड़ाई नई दिशा लेती है या संघर्ष और अधिक जटिल होता जाता है। इसमें असमंजस इसलिए भी है, क्योंकि कहा कुछ जा रहा और किया कुछ जा रहा है। वैसे युद्ध को आगे बढ़ाने की बजाय यदि आपसी बातचीत से समस्या का समाधान निकाला जाए तो बेहतर होगा।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

आईटीसी ने सीएसई से अपने शेयर स्वैच्छिक रूप से हटाए

आईटीसी के शेयर अब भी एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली विविध कारोबार करने वाली कंपनी आईटीसी ने कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज (सीएसई) से अपने शेयर को स्वैच्छिक रूप से हटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। सीएसई ने 20 नवंबर से आईटीसी के साधारण शेयर को अपनी आधिकारिक एक्सचेंज सूची से हटाने की मंजूरी दी। 30 अक्टूबर 2025 को आईटीसी के निदेशक मंडल ने सेबी (शेयर डीलिस्टिंग) विनियम, 2021 के तहत सीएसई से शेयर हटाने का प्रस्ताव स्वीकृत किया। इसके बाद कंपनी ने सीएसई को पत्र भेजा और 19 नवंबर को स्वैच्छिक डीलिस्टिंग की मंजूरी मिल गई। आईटीसी के शेयर अब भी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध हैं, जिससे निवेशक वहां शेयर खरीद और बेच सकते हैं।

पैजसन एग्रो इंडिया को आईपीओ से धन जुटाने बीएसई से मिली मंजूरी

नई दिल्ली पैजसन एग्रो इंडिया को एसएमई श्रेणी में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए बीएसई लिमिटेड से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। आईपीओ दस्तावेजों (डीआरएचपी) के अनुसार यह 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले 63.09 लाख से अधिक शेयर के नए निर्गम पर आधारित है। नए निर्गम से हासिल 57 करोड़ रुपये की आय का उपयोग आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में दूसरा काजू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी के शेयर को बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। पैजसन एग्रो इंडिया घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए कच्चे काजू को खाने योग्य गिरी में बदलने का काम करती है। कंपनी का गठन 2021 में किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बड़े प्रोजेक्ट्स को राहत

पोस्ट फैक्टो पर्यावरण मंजूरी पर विशेषज्ञों की सहमति

नई दिल्ली उच्चतम न्यायालय के पोस्ट-फैक्टो यानी परियोजना शुरू अथवा पूरी होने के बाद पर्यावरण मंजूरी को प्रतिबंधित करने का फैसला बदलने को कानून विशेषज्ञों ने उचित बताया है। उनका मानना है कि इससे रियल एस्टेट, बुनियादी ढांचा, सार्वजनिक उपक्रमों को बड़ी परियोजनाओं और खनन क्षेत्र को बड़ी राहत मिलेगी। कानून फर्म एसकेवी लॉ ऑफिसेस में एक भागीदार ने इसे महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे 2017 और 2021 की सरकारी अधिसूचनाएं पुनः प्रभावी हो गई हैं, जो पूर्वव्यापी पर्यावरण मंजूरी की अनुमति देती थीं। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं पर निकट भविष्य में संकट के बादल छाए थे, वे अब दोबारा अपने आप आगे बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट और निर्माण परियोजनाओं आदि पर इस फैसले के दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि एम्स अस्पतालों और ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों सहित प्रमुख सार्वजनिक इन्फ्रा को इससे काफी फायदा होगा।

अप्रैल-अक्टूबर में भारत का तेल-गैस आयात बिल 12 फीसदी घटा

नई दिल्ली भारत का तेल और गैस का शुद्ध आयात बिल चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-अक्टूबर में 12 प्रतिशत कम हो गया। पेट्रोलियम योजना व विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार यह गिरावट कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और प्राकृतिक गैस की मांग में गिरावट के बीच आई है। वित्त वर्ष 2026 के पहले सात महीनों में इन दोनों का आयात बिल घटकर 69.9 अरब डॉलर रह गया जबकि यह बीते साल की इस अवधि में 75.9 अरब डॉलर था। भारत घरेलू कच्चे तेल के लिए 90 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस के लिए 50 प्रतिशत आयात करता है। भारत ने इस वर्ष कच्चे तेल का आयात पहले जितना किया था। लेकिन कच्चे तेल की कीमतें गिरने के कारण बचत हुई। अप्रैल-अक्टूबर के दौरान कच्चे तेल का बिल 13 प्रतिशत घटकर 71.2 अरब डॉलर रह गया जबकि पिछले वर्ष यह 81.9 अरब डॉलर था।

आरबीआई दिसंबर में ब्याज दरों में 25 आधार अंक की कटौती कर सकता है

नई दिल्ली

दुनिया की दिग्गज वित्तीय कंपनियों में से एक मॉर्गन स्टेनली का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) दिसंबर में ब्याज दरों में 25 आधार अंक की कटौती कर सकता है, जिससे रेपो रेट घटकर 5.25 प्रतिशत हो जाएगी। आरबीआई की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) की बैठक 3-5 दिसंबर के बीच प्रस्तावित है और इसमें ब्याज दरों को लेकर समीक्षा की जाएगी। मॉर्गन स्टेनली का कहना है कि मौद्रिक नीति का रुख विवेकपूर्ण बना रहने की उम्मीद है। हालांकि, इस कटौती के बाद केंद्रीय बैंक आगे के फैसले लेने के लिए डेटा पर निर्भर हो सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई द्वारा ब्याज दरों, तरलता की स्थिति और नियामक उपायों को शामिल करते हुए अपने त्रि-आयामी सहजता चक्र का मूल्यांकन करते समय वेट एंड वॉच की स्थिति अपनाने की उम्मीद है। इससे आरबीआई को भविष्य में कोई भी कदम उठाने से पहले यह आकलन करने का अवसर मिलेगा कि ये बदलाव घरेलू विकास पैटर्न और मुद्रास्फीति संकेतकों के साथ कैसे तालमेल बिठाते हैं।

देश की राजकोषीय नीति के संबंध में, रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार राजकोषीय व्यावहारिकता का पालन जारी रखेगी, पूंजीगत व्यय को प्राथमिकता देते हुए क्रमिक समेकन पर ध्यान केंद्रित करेगी। साथ ही कहा कि मध्यम अवधि के आर्थिक विस्तार को बनाए रखने के लिए ये उपाय आवश्यक हैं।

एचडीएफसी बैंक भारत का सबसे कीमती ब्रांड बना

30 मिनट डिजिटल ऑटोलोन जैसी तेज सेवाओं ने बैंक की पहचान मजबूत की

मुंबई साल 2025 में एचडीएफसी बैंक ने 44.9 अरब डॉलर (37 लाख करोड़) की ब्रांड वैल्यू के साथ टीसीएस को पछाड़ते हुए भारत का सबसे कीमती ब्रांड बनकर शीर्ष स्थान हासिल किया। 2014-2021 तक बैंक टॉप पर था, 2022 में टीसीएस आगे निकला था। पिछले दशक में बैंक की ब्रांड वैल्यू में 377 फीसदी की वृद्धि हुई। एचडीएफसी लिमिटेड के साथ मर्जर और विजिल आंटी जैसे फ्रॉड-प्रोटेक्शन अभियान ने ग्राहकों का भरोसा बढ़ाया। 30 मिनट डिजिटल ऑटोलोन जैसी तेज सेवाओं ने बैंक की पहचान मजबूत की। भारत के टॉप 100 ब्रांड्स की कुल वैल्यू अब 523.5 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। इस साल 34 ब्रांड्स की वैल्यू बढ़ी, लेकिन कुल वृद्धि दर पिछले साल की तुलना में धीमी रही। विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनियों को अब ब्रांड में अधिक निवेश करना जरूरी है।

क्रिप्टो में गिरावट से निवेशकों के डूबे एक ट्रिलियन डॉलर

सात महीनों के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंची

मुंबई क्रिप्टो बाजार में लगातार गिरावट देखी जा रही है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन सात महीनों के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। लगातार गिरावट की वजह से निवेशकों को एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक का झटका लगा है। न्यूयॉर्क सत्र में बिटकॉइन 90,000 डॉलर के नीचे फिसलकर 88,522 डॉलर तक गिर गई। इस भारी गिरावट का असर छोटे खुदरा निवेशकों से लेकर बड़ी डिजिटल एसेट ट्रेजरी कंपनियों तक पर दिखा। हालांकि बाजार बंद होते समय एनवीडिया के मजबूत नतीजों ने थोड़ी राहत दी और कुछ टोकन दिन के निचले स्तर से हल्का सुधरे। विशेषज्ञों के अनुसार बिटकॉइन के लिए 85,000 और 80,000 डॉलर महत्वपूर्ण सपोर्ट लेवल हैं। इसके अलावा 77,424 डॉलर का स्तर, जो अप्रैल में टैरिफ तनाव के दौरान बना था, अब एक अहम बॉटम माना जा रहा है। 6 अक्टूबर को क्रिप्टो मार्केट कैप 4.3 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था, जो गिरकर अब लगभग 3.2 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। 10 अक्टूबर को अचानक 19 बिलियन डॉलर से अधिक की लेवरेज्ड पोजीशन लिक्विडेट होने से बाजार में घबराहट और तेज हो गई।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 446, निफ्टी 139 अंक बढ़ा

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में तेजी के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी बढ़ने से ये उछाल आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 446.21 अंक बढ़कर 85,632.68 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 139.50 अंक बढ़कर 26,192.15 पर बंद हुआ। दोनों मुख्य सूचकांक अपने ऑल-टाइम हाई पर बंद हुए। सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, मारुति सुजुकी और एलएंडटी के शेयर लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टाइटन, एचयूएल, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, टाटा स्टील, इन्फोसिस, एमएंडएम, भारती एयरटेल और बीईएल के शेयर नीचे आये। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप का प्रदर्शन खराब रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 14.50 अंक की तेजी के साथ 60,963.55 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 8.70 अंक टूटकर 18,067.25 पर रहा था।

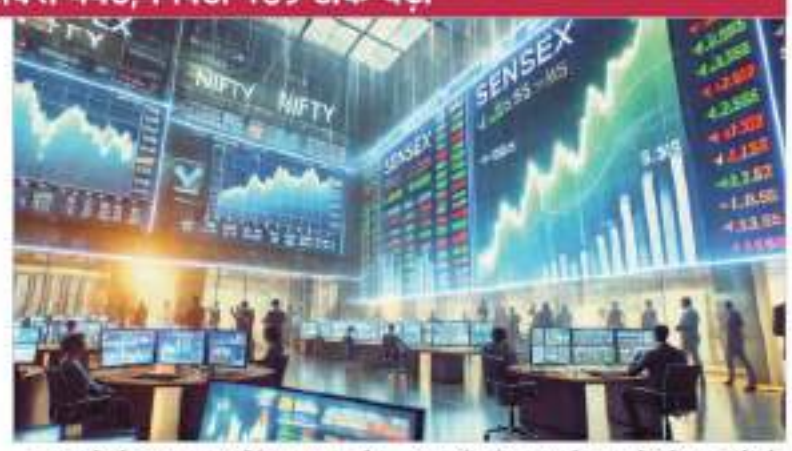

जानकारों के अनुसार अमेरिका-भारत के बीच ट्रेड डील होने की संभावना से भी बाजार में सकारात्मक माहौल बना है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर टेक कंपनियों की ओर से मजबूत परिणामों से भी बाजार में तेजी आई।

आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स मजबूती के साथ 85,470 अंक पर खुला।

इसी तरहनिफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 26,132 अंक पर खुलने के बाद यह 55.40 अंक चढ़कर 26,107 पर कारोबार कर रहा था। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिल रही है। जापान का निक्केई 3.62 फीसदी, चीन का सीएसआई 300 0.47 फीसदी, हांगकांग का हैंगसेंग 0.65 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.5 फीसदी बढ़ा। अमेरिकी शेयर बाजार भी बढ़त के साथ बंद हुए। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.10 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। जबकि एसएंडपी 500 बुधवार को 0.38 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट 0.59 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

भारत में रिटेल कारोबार बंद करने की तैयारी में डॉयचे बैंक

कारोबार को खरीदने की दौड़ में दो बड़े भारतीय बैंक

मुंबई

जर्मनी का डॉयचे बैंक भारत में अपना रिटेल और वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस बंद करने को लेकर विचार कर रहा है। इस कारोबार को खरीदने की दौड़ में दो बड़े निजी बैंक कोटक महिंद्रा बैंक और फेडरल बैंक शामिल हैं। आठ वर्षों में यह दूसरा मौका है जब डॉयचे बैंक भारत में अपनी रिटेल इकाई बेचने का प्रयास कर रहा है। सूत्रों के अनुसार दोनों भारतीय बैंकों ने डॉयचे बैंक के पोर्टफोलियो का मूल्यांकन पूरा कर लिया है और फिलहाल डील की कीमत पर बातचीत जारी है। बिक्री के लिए रखे गए पोर्टफोलियो में पर्सनल लोन और कुछ मॉर्टगेज शामिल हैं, हालांकि दोनों का सटीक हिस्सा स्पष्ट नहीं है। बैंक के वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस में लगभग 25,000 करोड़ रुपए की एसेट अंडर मैनेजमेंट है। मार्च 2025 में बैंक को अपने रिटेल बिजनेस से 2,455 करोड़ रुपए का राजस्व मिला, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4 फीसदी अधिक है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2025 तक डॉयचे बैंक के रिटेल पोर्टफोलियो में 25,038 करोड़ रुपए की संपत्ति शामिल थी। कोटक और फेडरल बैंक इस पोर्टफोलियो को खरीदकर अपने रिटेल और वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस का विस्तार करना चाहते हैं, क्योंकि यह डॉयचे बैंक के हाई-वैल्यू ग्राहकों तक पहुंच बनाने का अवसर देता है। भारत में विदेशी बैंकों को स्थानीय बड़े बैंकों से कड़ी प्रतिस्पर्धा झेलनी पड़ी है।

फुजियामा पावर के शेयर बाजार में कमजोर लिस्टिंग के बाद रिकवरी

ग्रे मार्केट की उम्मीदों से नीचे रहा प्रदर्शन, क्यूआईबी की मजबूत मांग से सब्सक्रिप्शन पूरा हुआ

नई दिल्ली फुजियामा पावर सिस्टम्स का आईपीओ गुरुवार को शेयर बाजार में हल्की गिरावट के साथ लिस्ट हुआ। कंपनी के शेयर बीएसई पर 218.40 रुपए पर खुले, जो आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 228 रुपए से करीब 4 फीसदी कम रहा। एनएसई पर भी शेयर 220 रुपए पर लिस्ट हुआ, जो इश्यू प्राइस से लगभग 3.51 फीसदी डिस्काउंट दर्शाता है। ग्रे मार्केट में भी आईपीओ को बेहद मामूली सपोर्ट मिला था, जहां शेयर केवल 228.50 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। लिस्टिंग के बाद हालांकि शेयर में तेजी देखने को मिली। बीएसई पर यह 3.85 फीसदी चढ़कर 226.80 रुपए पर पहुंच गया, जबकि एनएसई पर 3.25 फीसदी की बढ़त के साथ 227 रुपए के आसपास कारोबार करने लगा। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, शुरुआती दबाव के बावजूद शेयर में रिकवरी इस बात का संकेत है कि निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी में रुचि दिखाई। आईपीओ की शुरुआत बाजार की सतर्क धारणा के बीच कमजोर रही थी, लेकिन अंतिम दिन मांग में सुधार ने इश्यू को संभाल लिया। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने अपने हिस्से का 5.15 गुना सब्सक्रिप्शन किया, जो इस इश्यू की प्रमुख मजबूती थी।

देश की 26 ई-कॉमर्स कंपनियों ने अपना प्लेटफॉर्म 'डार्क पैटर्न' से मुक्त किया

कंपनियों ने स्वेच्छा से स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत किए

नई दिल्ली

देश की 26 प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों ने घोषणा की है कि उनके प्लेटफॉर्म अब 'डार्क पैटर्न' से मुक्त हैं। डार्क पैटर्न भ्रामक यूजर इंटरफेस डिजाइन को कहा जाता है, जो ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं को अनजाने में किसी कार्रवाई के लिए प्रेरित करता है। उदाहरण के लिए वेबसाइट या ऐप पर ऐसा डिजाइन जो ग्राहक को अनचाहे प्रोडक्ट खरीदने या सब्सक्रिप्शन लेने के लिए उकसाता है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने बताया कि इन कंपनियों ने स्वेच्छा से स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत किए हैं। इसमें उन्होंने पुष्टि की कि उनके प्लेटफॉर्म पर किसी भी प्रकार के डार्क पैटर्न का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसके अलावा, कंपनियों ने अपने प्लेटफॉर्म का आंतरिक और बाहरी ऑडिट कराकर इसकी पुष्टि की। इस सूची में जेप्टो, जोमैटो, स्विगी, जियोमार्ट, बिगबास्केट, फ्लिपकार्ट, मिंत्रा, फार्म इजी, मेकमायट्रिप, ब्लिंकिट, क्लियरट्रिप, रिलायंस ज्वेल्स, रिलायंस डिजिटल, नेटमेड्स, टाटा 1एमजी, मीशो, इक्सिगो, मिलबास्केट, हैमलेज, अजियो, टीरा ब्यूटी, ड्यूरोफ्लेक्स और वंडरचेफ जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कहा कि यह कदम डिजिटल मार्केट में उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाएगा।

30 नवंबर 2023 को अधिसूचित 'डार्क पैटर्न रोकथाम एवं विनियमन दिशानिर्देश 2023' 13 प्रकार के डार्क पैटर्न की पहचान करते हैं और उन पर प्रतिबंध लगाते हैं।

उत्सर्जन मानदंडों पर एकमत है निर्माण उपकरण उद्योग: जेसीबी इंडिया

आईसीईएमए ने सरकार से बिना पहियों वाली मशीनों पर नियम लागू करने का अनुरोध किया

नई दिल्ली

भारतीय निर्माण उपकरण विनिर्माता संघ (आईसीईएमए) में उत्सर्जन मानदंडों को लेकर किसी भी प्रकार का मतभेद नहीं है। यह बात जेसीबी इंडिया के एक प्रमुख अधिकारी एक संवाददाता सम्मेलन में कही। उन्होंने बताया कि उद्योग लंबे समय से प्रगतिशील रुख अपनाता आया है और नए पर्यावरणीय नियमों को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहा है। उन्होंने कहा कि आईसीईएमए ने स्वयं केंद्र सरकार से अनुरोध किया था कि बिना पहियों वाली निर्माण मशीनों से क्रॉलर एक्सकेवेटर, ट्रैक्ड पेवर्स, मोबाइल क्रेन, डोजर और मोटर ग्रेडर पर उत्सर्जन मानदंड लागू किए जाएं। फिलहाल, इन मशीनों पर कोई उत्सर्जन मानदंड लागू नहीं है, जबकि पहियों वाली मशीनों पर कड़े नियम पहले से प्रभावी हैं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उद्योग के भीतर इस विषय पर कभी कोई भिन्न राय नहीं रही और सभी कंपनियां उत्सर्जन नियंत्रण के महत्व को समझती हैं।

इसके विपरीत, यात्री वाहन उद्योग वर्तमान में कैफे-3 और कैफे-4 नियमों के कुछ प्रावधानों पर एकमत नहीं हो सका है। ये नियम अप्रैल 2027 से लागू होने वाले हैं और कार निर्माताओं को बेड़े के औसत के आधार पर कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन सीमाओं का पालन करना होगा। छोटे वाहनों के लिए भार आधारित छूट के प्रस्ताव पर वाहन कंपनियों के बीच मतभेद बने हुए हैं। निर्माण उपकरण क्षेत्र में 1 जनवरी से भारत स्टेज सीईवी यानी स्टेज 5 मानदंड लागू हो चुके हैं, जो केवल पहियों वाले उपकरण वाहनों पर लागू होते हैं। ये मानदंड पार्टिकुलेट मैटर और पार्टिकल नंबर उत्सर्जन पर काफी सख्ती लाते हैं और निर्माताओं को डीजल पार्टिकुलेट फिल्टर जैसी उन्नत तकनीक अपनाने की आवश्यकता पड़ती है। हालांकि, बिना पहियों वाली या ट्रैक्ड मशीनें अभी भी इन नियमों के दायरे से बाहर हैं।

भारत में लेनोवो का जुलाई-सितंबर तिमाही का राजस्व बढ़कर 1.2 अरब डॉलर पहुंचा

लेनोवो इंडिया के सभी व्यावसायिक समूहों में मजबूत प्रदर्शन से राजस्व में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली

डिजिटलीकरण, प्रीमियमीकरण और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में बदलाव के बाद उपभोक्ता धारणा में सुधार होने के बाद लेनोवो की भारतीय इकाई की जुलाई-सितंबर तिमाही में आय सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 1.2 अरब डॉलर हो गई। लेनोवो इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि लेनोवो डिजिटल कैपेबिलिटी सेंटर्स और एंटरप्राइज ट्रांसफॉर्मेशन के लिए वैश्विक संकुल के तौर पर भारत की बढ़ती भूमिका का फायदा उठा रहा है। अधिकारी ने कहा कि लेनोवो इंडिया के सभी व्यावसायिक समूहों में इस समीक्षाधीन तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही का राजस्व सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। डिजिटलीकरण के बढ़ते रुझान, प्रीमियमीकरण एवं जीएसटी प्रोत्साहन से उपभोक्ताओं की बेहतर धारणा के साथ भारत में हमारी सभी श्रेणियों के लिए अच्छी मांग देखी गई है।

उन्होंने कहा कि हमारा मजबूत प्रदर्शन खुदरा, एमएसएमई और उद्यम ग्राहकों दोनों के बीच हमारे 'एंड-टू-एंड' कृत्रिम मेधा (एआई)-संचालित प्रौद्योगिकी समाधानों को मजबूती से अपनाने से प्रेरित रहा। लेनोवो समूह के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि हम अनिश्चितताओं से निपटने और बेहतरीन हाइब्रिड एआई अवसरों को हासिल करने के लिए अपने अद्वितीय वैश्विक, स्थानीय मॉडल का लाभ उठाना जारी रखेंगे। हम ऐसा करके न केवल अपने शेयरधारकों को दीर्घकालिक स्थायी लाभ प्रदान करेंगे बल्कि एआई को वास्तव में प्रत्येक व्यक्ति एवं प्रत्येक उद्यम की जरूरतों के अनुरूप बनाएंगे।

न्यू रेनो डस्टर कार अगले साल होगी भारत में लॉन्च

नई दिल्ली

कार निर्माता कंपनी रेनो इंडिया अपनी नई रेनो डस्टर कार 26 जनवरी को भारतीय बाजार में पेश करने वाली है, जिसके बाद यह देशभर के शोरूम में उपलब्ध होने लगेगी। नई डस्टर को कंपनी के इंटरनेशनल मॉडल डेसिया के प्लेटफॉर्म पर विकसित किया गया है। रेनो का बड़ा ग्लोबल प्लान 2027 तक एक नई 7-सीटर एसयूवी और उभरते बाजारों के लिए बजट इलेक्ट्रिक सिटी कार लाने का भी है। भारत में इसकी टक्कर मारुति ग्रैंड विटारा, होंडा एलिवेट, किआ सेल्टोस और मारुति फ्रोंक्स-आधारित वैरिएंट्स जैसी लोकप्रिय एसयूवी से होगी।

नई डस्टर के एक्सटीरियर में इस बार बड़े बदलाव देखने को मिलते हैं। खासतौर पर इसका फ्रंट लुक पूरी तरह बदला गया है। इसमें रेनो की नई बैजिंग के साथ मॉडर्न ग्रिल दी गई है, जो कंपनी के पारंपरिक रोम्बस लोगो की जगह लेती है। इसके बावजूद डस्टर अपनी दमदार पहचान बनाए रखती है। इसका आकार भी प्रभावी है 4343 मिमी की लंबाई और 2657 मिमी का व्हीलबेस इसे सेगमेंट की मजबूत एसयूवी में शामिल करता है। इंटीरियर की बात करें तो यह मॉडल अपने डेसिया वर्जन से काफी मेल खाता है। दोनों को अलग करने वाला मुख्य तत्व इसका स्टीयरिंग व्हील है। हाई ट्रिम में 7-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 10.1-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो डैशबोर्ड से ऊपर की ओर निकला हुआ लगता है। यह ड्राइवर-केंद्रित डिजाइन अनुभव को और बेहतर बनाता है।

इंजन विकल्पों में भी यह एसयूवी काफी विविधता रखती है। इंटरनेशनल मार्केट में यह 1.0 टीसीई तीन-सिलेंडर इंजन के साथ आती है, जो 100एचपी की ताकत देता है। इसके साथ 1.2 टीसीई टर्बो पेट्रोल इंजन का माइल्ड-हाइब्रिड सेटअप भी उपलब्ध है, जो 130एचपी आउटपुट देता है और 48-वोल्ट स्टार्टर-जनरेटर के साथ ऑल-व्हील ड्राइव का सपोर्ट करता है। टॉप मॉडल में ई-टेक हाइब्रिड वैरिएंट मिलता है, जिसमें 1.6एल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर मिलकर 140 एचपी की पावर जनरेट करते हैं। इसके अलावा वायरलेस स्मार्टफोन चार्जिंग, 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, टाइप-सी पोर्ट और 360-डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स भी शामिल हैं।

सुरभि चंदना ने शेयर किया टीवी से ब्रेक लेने का कारण

टीवी इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार रहे हैं, जिन्होंने एक समय में घर-घर में अच्छी पहचान बनाई है और दर्शकों के दिलों में राज भी किया है, लेकिन अब वे कई समय से टीवी की दुनिया से दूर हैं। उन्हीं में से एक अभिनेत्री सुरभि चंदना हैं। शनिवार को उन्होंने बताया कि उन्होंने टीवी की दुनिया से दूरी क्यों बना ली। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर बताया कि वे इतने दिनों से टीवी की दुनिया से क्यों दूर थीं। उन्होंने लिखा, टीवी सेट से लेकर थिएटर की रोशनी तकमुझे हमेशा से थिएटर में बहुत दिलचस्पी रही है। हर बार जब मैं कोई भी नाटक देखती थी, तो उसे पूरा देखकर आश्चर्य में पड़ जाती थी और खुद से ये सवाल करती थी कि एक अभिनेत्री के तौर पर क्या मैं इसका सामना कर पाऊंगी? अभिनेत्री ने बताया कि थिएटर में जाने के फैसले पर कई लोग उनसे सवाल करते रहते हैं कि उन्होंने टीवी से थिएटर को क्यों चुना?

अभिनेत्री ने लिखा, मुझे ऐसा लगता है कि थिएटर करने से मेरा अभिनय और भी बेहतर होगा। ये अब और सच साबित हो रहा है। अब मैं इस कला की दुनिया में कदम रख रही हूं, जहां कुछ भी कट या दोबारा नहीं किया जा सकता है। इसमें हर पल और भावनाएं लाइव चलती हैं और कहानियां मंच पर जीवित रहती हैं। अभिनेत्री ने थिएटर में अपने पहले नाटक के बारे में बताते हुए लिखा, मेरा पहला नाटक थिएटर की इस नई यात्रा की शुरुआत है। आप सब इसे जरूर देखें। उन्होंने आगे लिखा, मेरी प्यारी विजयलक्ष्मी को धन्यवाद, जिनसे मुझे ये प्यारे लोग मिले, हमारे निर्देशक और मेरे मेंटर आदित्य, जो मेरी सभी रिहर्सल में मेरी मदद करते रहे हैं; और हमारी प्रोड्यूसर प्रेरणा सिंह, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया कि मैं ये सब कर सकती हूं। इसके बाद अभिनेत्री ने पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त करते हुए लिखा, मुझे लोगों ने चेताया था कि एक वक्त के बाद सब नशा बन सकता है, और अब लगता है मैं अगले नाटक के लिए तैयार हूं।

फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मक आजादी जरूरी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने फिल्मों और ओटीटी सीरीज के जरिए अलग पहचान बनाई है। वह हमेशा उन कलाकारों में से रही हैं, जो न सिर्फ चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को स्वीकार करती हैं, बल्कि अपनी सोच और पसंद के अनुसार काम करने की आजादी को सबसे आगे रखती हैं। इस कड़ी में जागरण फिल्म फेस्टिवल के दौरान आईएएनएस से खास बातचीत में हुमा ने फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मक आजादी के महत्व पर अपने विचार रखे। आईएएनएस से बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा कि एक मजबूत फिल्म इंडस्ट्री तभी संभव है, जब हर तरह की फिल्में बनाने का मौका मिले। इंडस्ट्री में सिर्फ बड़ी फिल्में या ब्लॉकबस्टर ही नहीं, बल्कि छोटी, मध्यम दर्जे की और इंडिपेंडेंट फिल्मों की भी काफी अहमियत होती है। फिल्म निर्माता दर्शकों को ध्यान में रखते हुए नई कहानी और शैली में तरह-तरह के प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा करने से न केवल इंडस्ट्री मजबूत बनती है, बल्कि दर्शकों को भी अलग-अलग तरह की फिल्मों का अनुभव मिलता है। उन्होंने कहा, हमें दर्शकों को देखकर फिल्म बनानी चाहिए। बड़ी फिल्में बननी चाहिए, छोटी फिल्में, सामान्य फिल्में, और इंडिपेंडेंट फिल्मों पर भी ध्यान देना चाहिए। जब हर तरह की फिल्मों को बनाने की आजादी होती है और लोग उन्हें देखने का मौका पाते हैं, तब ही फिल्म इंडस्ट्री मजबूत और जीवंत बनती है। हुमा ने दिल्ली क्राइम सीजन 3 में अपने खलनायिका के रोल के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि यह उनके करियर में पहली बार था, जब उन्होंने इस तरह का नकारात्मक किरदार निभाया है। जब उन्हें इस शो के लिए कॉल आया, तो वह उस समय महारानी की शूटिंग कर रही थीं। उन्होंने कहा, मैं इस शो को लेकर पहले सोच रही थी कि शायद मुझे पुलिस वाले का मुख्य रोल मिलेगा, लेकिन मुझे बताया गया कि यह एक नेगेटिव रोल है। हुमा ने कहा, खलनायिका का रोल निभाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसे करने में बेहद मजा आया। दर्शक इस किरदार में मुझे एक बिल्कुल अलग अंदाज में देखेंगे। महारानी और दिल्ली क्राइम जैसे दोनों शोज लगातार आने की वजह से मुझे रोजाना कई कॉल और मैसेज मिल रहे हैं, जिसमें लोग दोनों किरदारों की तारीफ कर रहे हैं। दिल्ली क्राइम सीजन 3 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो चुकी है।

रजनीकांत की बहुचर्चित जेलर 2 में नजर आएंगी अपेक्षा पोरवाल

अनदेखी, हनीमून फोटोग्राफर और इंटरनेशनल हिट स्लेव मार्केट में अपने दमदार और अलग-अलग किरदारों से छा चुकी अपेक्षा पोरवाल अब रजनीकांत की बहुचर्चित जेलर 2 में एक अहम रोल झटक ले गई हैं। पहली जेलर, जिसे सन पिक्चर्स ने बनाया और नेल्सन दिलीपकुमार ने डायरेक्ट किया था, ने दुनिया भर में 600 करोड़ से ज्यादा की कलेक्शन पर तिलक लगाया था। ऐसे में इसकी सीक्वल की गूंज तो पैन-इंडिया फिल्म ब्रह्मांड में पहले से ही मचा रही है। और इसी शोर के बीच, यह फिल्म अपेक्षा का साउथ में पहला कदम भी बन रही है — यानी उनके करियर की कहानी का एक नया और दिलचस्प पन्ना खुल रहा है। अपनी बारीक और असरदार परफॉर्मेंसेज़ के लिए पहचानी जाने वाली यह युवा एक्ट्रेस अब इंडिया और ग्लोबल, दोनों स्क्रीन पर एक मजेदार सफर जारी रखे हुए है। पैन-इंडिया फिल्म लीग में बड़े-बड़े सितारों के साथ कदम मिलाते हुए, अपेक्षा बिल्कुल सही मोड पर जेलर 2 में एंट्री मार रही है — और यह एंट्री उनके सफर को एक नई सुपरचार्ज्ड स्पीड देने वाली है।

दशा और दिशा बदलने आ रही है पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की फिल्म राहु केतु

राहु केतु के निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म का एक मोशन पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर के साथ निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। जानिए आप सिनेमाघरों में पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की फिल्म कब देख सकेंगे।

कब रिलीज हो रही है फिल्म राहु केतु

राहु केतु के निर्माताओं ने फिल्म का एक मोशन पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया। जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, नए साल में, दशा और दिशा बदलने आ रहे हैं राहु केतु। राहु केतु 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म राहु-केतु के बारे में फिल्म राहु केतु में पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और शालिनी पांडे मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विपुल विग ने किया है। यह फिल्म जी स्टूडियोज द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक कॉमेडी और फैंटेसी फिल्म है, जिसकी शूटिंग मुंबई और मनाली में हुई है।

शेफाली शाह ने जयदीप अहलावत को बताया अपना पसंदीदा कलाकार

सिनेमाई दुनिया में अपने शानदार अभिनय के लिए पहचानी जानी वाली अभिनेत्री शेफाली शाह ने अपने फेवरेट एक्टर के बारे में बताया है। साथ ही उन्होंने कहा कि उस एक्टर ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को अलग पहचान दी है।

अभिनेत्री ने बोला कि जयदीप अहलावत उनके पसंदीदा कलाकार हैं। उन्होंने कहा, 'वह बहुत अच्छे हैं। ओटीटी ने हमारी जिंदगी बदल दी है। हम सभी को प्रतिभाशाली माना जाता था, लेकिन उन बड़ी व्यावसायिक फिल्मों में हमारी क्या जगह होती? इसलिए, जब मैं उनकी प्रगति देखती हूं, तो मुझे बहुत खुशी होती है।'

अभिनेत्री ने जयदीप अहलावत की सफलता का किया जिक्र

अभिनेत्री ने आगे बात करते हुए याद किया कि जब 'पाताल लोक 2' रिलीज हुई, तो उन्होंने अमूल का एक होर्डिंग देखा जिसमें अहलावत दिखाई दे रहे थे, तो उन्हें बहुत गर्व महसूस हुआ था। साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि वो सभी प्रशंसाओं के हकदार हैं। इसके अलावा बताया कि जयदीप अहलावत का उदय सिनेमा उद्योग में एक बदलाव का प्रतीक है।

अपनी पहली किताब का भी किया जिक्र

आगे बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने एक किताब लिखी है, हालांकि मुझे यकीन नहीं है कि यह मेरी पहली किताब होगी। मैंने इसे पढ़ा है, मेरे दोस्तों ने इसे पढ़ा और उन्हें यह पसंद आई है। अब, यह प्रकाशित होगी या नहीं, यह पता चल जाएगा।' अभिनेत्री ने सभी से किताबें पढ़ने का आग्रह किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पढ़ना हमें कहीं घूमने से भी ज्यादा प्रेरित करती है।

इन फिल्मों में साथ नजर आए शेफाली और जयदीप अहलावत

अविनाश अरुण द्वारा निर्देशित फिल्म थ्री ऑफ अस साल 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में शेफाली शाह और जयदीप अहलावत मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को 10 में से 7.5 रेटिंग मिली है, जो बताती है कि फिल्म अच्छी थी।

अब तक की सबसे महंगी फिल्म हो सकती है वाराणसी

फिल्ममेकर एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी अब तक की सबसे महंगी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। इसके बजट से लेकर स्टार्स की फीस तक के बारे में जानने के लिए हर कोई एक्साइटेड है। इस बीच, प्रियंका चोपड़ा और महेश बाबू की सैलरी को लेकर खुलासा हो गया है।

प्रियंका ने फिल्म के लिए मांगी 30 करोड़ रुपये की फीस

फिल्ममेकर एसएस राजामौली ने अपनी अगली मेगास्टार फिल्म वाराणसी के लिए पहली बार महेश बाबू के साथ हाथ मिलाया है। हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में भव्य टाइटल लॉन्च इवेंट हुआ, जहां फिल्म के नाम की घोषणा की गई। महेश बाबू के अलावा, फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी लीड रोल्स में हैं। प्रियंका वाराणसी के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और फैंस अब कलाकारों को दी गई फीस जानने के लिए एक्साइटेड हैं। प्रियंका चोपड़ा पहली बार फिल्ममेकर एसएस राजामौली के साथ वाराणसी में काम करेंगी। पहले इसका नाम SSMB29 रखा गया था। कोईमोई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका ने इस फिल्म के लिए 30 करोड़ रुपये की फीस मांगी है। इस तरह वह किसी भी निर्देशक के साथ काम करने वाली सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस में से एक बन गई हैं।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि प्रियंका ने अपनी फीस बढ़ा दी है। एसएस राजामौली की आरआरआर में आलिया भट्ट ने 9 करोड़ रुपये लिए थे, जबकि बाहुबली में अनुष्का शेट्टी ने 5 करोड़ रुपये लिए थे। प्रियंका कथित तौर पर दीपिका पादुकोण को पीछे छोड़ देंगी, जो अब तक सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस रही हैं।

पृथ्वीराज सुकुमारन की फीस

साउथ स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन की फीस के बारे में अभी तक कोई खबर नहीं आई है। हालांकि प्रियंका चोपड़ा एक इंटरनेशनल आइकन हैं और उनकी स्टार पावर दुनिया भर में है, लेकिन उनकी ऊंची फीस उनके फैंस के साथ न्याय नहीं कर पा रही है।

दिलचस्प बात यह है कि न तो मेकर्स और न ही फिल्म के स्टार्स ने अभी तक उन्हें मिलने वाली फीस की पुष्टि की है।

महेश बाबू लेंगे 40 परसेंट प्रॉफिट

रिपोर्ट और कोईमोई के एक करीबी सूत्र के अनुसार, महेश बाबू और फिल्ममेकर एसएस राजामौली नॉर्मल सैलरी नहीं लेंगे। राजामौली को महेश बाबू के काम पर बहुत भरोसा है जिसने उन्हें स्टारडम तक पहुंचाया। इसी वजह से दोनों ने ज्यादा फीस न लेने का फैसला किया है। उनका मकसद वाराणसी के साथ एक विरासत बनाना है। इसलिए, महेश बाबू और एसएस राजामौली कथित तौर पर मेकर्स के साथ 40% प्रॉफिट समझौता करेंगे। रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि महेश बाबू कोई वेतन नहीं लेंगे और उन्होंने एसएस राजामौली के साथ एक शेयर प्रॉफिट समझौते पर बातचीत की है। इसका साफ मतलब है कि वाराणसी के लिए महेश बाबू की सैलरी पूरी तरह से फिल्म के मुनाफे पर निर्भर करेगी।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का पहला टेस्ट आज से , जीत के इरादे से उतरेंगी दोनो ही टीमें

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से यहां शुरू हो रही एशेज क्रिकेट सीरीज में दोनों ही टीमों के बीच रोमांचक क्रिकेट होने की संभावना है। बेन स्टोक्स की कप्तानी में उतर रही इंग्लैंड का लक्ष्य इस बार एशेज जीत कर पिछले एक दशक से मिल रही असफलता को पीछे छोड़ना रहेगा। वहीं नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने के कारण स्टीव स्मिथ की कप्तानी में उतर रही मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने खिताब को बरकरार रखने के लिए पूरा जोर लगा देगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट में से इंग्लैंड 13 मैच हारी है जबकि दो ड्रॉ रहे हैं इस प्रकार उसे एक भी जीत नहीं मिल सकी। अंतिम बार 2010-11 में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया था।

वहीं इस बार मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम की राह भी आसान नहीं है। वह अपने खिलाड़ियों की चोटों से परेशान है। ऐसे में देखना होगा कि प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने जा रही ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना अपराजेय अभियान बरकरार रख सकेगी या नहीं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण पहले टेस्ट से बाहर हैं। ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और आफ स्पिनर नाथन लियोन पर दबाव बढ़ जाएगा।

ब्रेंडन डोगेट तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ पहली बार टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करेंगे। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन इस सीरीज से वापसी कर रहे हैं। सलामी बल्लेबाज जैक वेदराल्ड को भी 31 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने का मौका मिला है। मार्नस लाबुशेन तीसरे और कार्यवाहक कप्तान स्मिथ चौथे नंबर पर उतरेंगे।

इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा, 'मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी सीरीज है। मैं उन भाग्यशाली कप्तानों में नाम दर्ज कराना चाहता हूं जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीती है। इस बार हमारे पास अपना इतिहास बनाने का अवसर है। इंग्लैंड टीम में गेंदबाजी की जिम्मेदारी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के पास रहेगी। वहीं उनका साथ मार्क वुड देंगे। इस मैचम में तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स वह गुस एटकिंसन को भी अवसर मिल सकता है।

टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया अंतिम ग्यारह – स्टीवन स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, जेक वेदरल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रेविस हेड, कैमरून ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट।

इंग्लैंड की अंतिम ग्यारह – बेन स्टोक्स (कप्तान), जाक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, ब्राइडन कार्स, गुस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, शोएब बशीर।

कुल मिलाकर देखा जाये तो इस सीरीज में जीत के लिए दोनों ही टीमें पूरा जोर लगा देंगी। मेजबान टीम को हालातों का भी लाभ मिलेगा ऐसे में उसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

मुशफिकुर ने 100वें टेस्ट में शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

–विशिष्ट खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हुए

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के अनुभवी क्रिकेटर मुशफिकुर रहीम ने ढाका में अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाने के साथ ही एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। मुशफिकुर आयरलैंड के खिलाफ खेले जा रहे इस मैच में शतक लगाने के साथ ही उन बल्लेबाजों के एक विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया है। हैं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाये हैं। अच्छी तकनीक के लिए पहचाने जाने वाले मुशफिकुर ने अपनी पारी में संयम, धैर्य और क्लास का मिश्रण दिखाया। दूसरे दिन 99 रन पर नाबाद लौटे मुशफिकुर रहीम पर पारी को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी थी। वहीं आयरलैंड ने जॉर्डन नील को गेंदबाजी सौंपी। नील ने कुछ अच्छी गेंदें डालकर रहीम को रोकने की कोशिश की पर ओवर की तीसरी गेंद पर रहीम ने एक रन लिया और शतक पूरा कर लिया। शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में बैठे दर्शकों ने खड़े होकर उनका स्वागत किया, और तालियां बजायीं।

अब मुशफिकुर उन 11 खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाया है। इस सूची में कॉलिन काउड्रे, जावेद मियांदाद, रिकी पोंटिंग, हाशिम अमला, जो रूट और डेविड वॉर्नर जैसे दिग्गज शामिल हैं।

रहीम का यह शतक केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि बांग्लादेश क्रिकेट के विकास का प्रतीक भी है। 2005 में पदार्पण करने वाले इस बल्लेबाज ने अपनी फिटनेस, तकनीक और अनुशासन के बल पर लंबे समय तक टीम में अहम भूमिका निभाई है। 100वें टेस्ट में शतक उनकी काबिलियत, निरंतरता और खेल के प्रति समर्पण को दिखाता है।

दूसरे टेस्ट से पहले गावस्कर ने दी प्रबंधन और चयनकर्ताओं को सलाह

–टीम में ऑलराउंडर नहीं विशेषज्ञ बल्लेबाज शामिल करें

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से कहा है कि वह अपने अहं को छोड़कर टीम का चयन करें। गावस्कर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट सीमित ओवरों से अलग होता है, इसलिए, यहां विशेषज्ञ बल्लेबाजों को जगह मिलनी चाहिये। वहीं कोलकाता में हुए पहले टेस्ट में ऑलराउंडर रखने पर प्रबंधन का जोर था जिससे टीम को नुकसान हुआ और वह लक्ष्य हासिल नहीं कर पायी। गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शनिवार से शुरु हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले ये बात कही। इसके साथ ही गावस्कर ने बल्लेबाजों से भी कहा कि धैर्य से खेलें न कि अहंकार में फंसकर हर गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास करें। गावस्कर ने चयनकर्ताओं के साथ ही टीम प्रबंधन से कहा कि टेस्ट क्रिकेट में सीमित-ओवरों वाले ऑलराउंडरों की जगह पर घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शामिल करना चाहिये। कोलकाता टेस्ट का हवाला देते हुए पूर्व कप्तान ने कहा कि केवल 3 दिन में 30 रन की हार से दिखता है कि प्रबंधन घरेलू क्रिकेट में रन बनाने वालों की जगह लोग खिलाड़ियों को शामिल कर रहा है। ऐसे में टीम में शामिल खिलाड़ी पिचों पर टिक कर नहीं खेल पा रहे हैं। गावस्कर ने लिखा, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद उम्मीद करते हैं कि जिम्मेदारों की आंख खुलेंगी और वे घरेलू क्रिकेट में रन बनाने वालों पर ध्यान देंगे। ये खिलाड़ी इन पिचों पर खेलने के अभ्यस्त हैं जहां गेंद घूमती है और नीची रहती है। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट समय इतने व्यस्त रहते हैं कि नहें घरेलू पिचों पर खेलने का अभ्यास ही नहीं होता। उन्होंने कहा, 'टेस्ट बल्लेबाजी धैर्य की मांग करती है और सबसे अहम ये है कि अपने अहं को छोड़ दें। ने की उत्सुकता दिखानी चाहिए। ये मायने नहीं रखता कि आप बोल्ड हो गए या लेग गाइस पर गेंद लगी।

शुभमन गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे !, इस खिलाड़ी को मिलेगी कप्तानी

गुवाहाटी (एजेंसी)। शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शुरू होने वाले भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे। उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे। माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उन्हें गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा है। उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है।

इस बात का असर 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए, वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है। उस सीरीज के लिए टीम 23 नवंबर को चुने जाने की उम्मीद है। गिल के बाहर होने की वजह से भारत को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना पड़ सकता है।

कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब उन्होंने भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया था। तीसरे दिन की सुबह BCCI ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। भारत 124 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 93 रन पर आउट हो गया और पिच पर अनइवन बाउंस थी, जिसके बाद टीम 30 रन से मैच हार गई। गिल अक्टूबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ गर्दन में ऐंठन की वजह से एक टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे।

गिल के दूसरे टेस्ट में ना खेलने की खबरों पर भारत के बैटिंग कोच सीतांशु कोटक ने गिल को बाहर किए बिना एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अगर ऐंठन दोबारा होने की कोई संभावना है तो टीम उन्हें खिलाने का रिस्क नहीं लेगी। कोटक ने कहा, 'वह निश्चित रूप से बहुत अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। अब, (उन्हें खिलाना है या नहीं) यह फैसला कल शाम को लिया जाएगा। फिजियो, डॉक्टरों को यह फैसला करना होगा कि, (भले ही) वह पूरी तरह से ठीक हो जाएं, (खेल के दौरान), उन्हें फिर से यह ऐंठन नहीं होनी चाहिए।'

भारतीय कोच ने कहा, 'अगर हमारे पास यह गारंटी है कि, बहुत संभावना है, उन्हें यह समस्या दोबारा नहीं होगी, तो वह खेलेंगे। अगर कोई शक है, तो मुझे यकीन है कि वह एक और गेम के लिए आराम करेंगे, क्योंकि अगर वह खेलते हैं तो वह टीम के लिए मददगार नहीं होगा।'

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलेंगे पडिक्कल और नायर, इस टीम में शामिल हुए

बेंगलुरु (एजेंसी)। देवदत्त पडिक्कल और करुण नायर को गुरुवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप B मैचों के लिए कर्नाटक की 16 सदस्यों वाली टीम में शामिल किया गया। ये मैच 26 नवंबर से अहमदाबाद में होंगे। देवदत्त अभी साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, और अगर टीम मैनेजमेंट उन्हें रिलीज नहीं करता है, तो वह कम से कम पहले कुछ मैच नहीं खेल पाएंगे। करुण ने रणजी ट्रॉफी के पहले हिस्से में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में 100.33 की औसत से दो शतकों के साथ 602 रन बनाए हैं। मयंक अग्रवाल की कप्तानी वाली कर्नाटक टीम अपने कैंपेन की शुरुआत उत्तराखंड के खिलाफ करेगी, जिसके बाद झारखंड के खिलाफ डे-नाइट मैच होगा। ग्रुप B में दूसरी टीमें राजस्थान, तमिलनाडु, दिल्ली, सौराष्ट्र और त्रिपुरा हैं। कर्नाटक टीम : मयंक अग्रवाल (कप्तान), मैकनील नोरोन्हा, केएल श्रीजीत, करुण नायर, आर स्मरण, अभिनव मनोहर, श्रेयस गोपाल, शिखर शेट्टी, वैसाख विजयकुमार, विद्वथ कवेरप्पा, विद्याधर पाटिल, श्रीवत्स आचार्य, शुभांग हेगड़े, प्रवीण दुबे, बीआर शरथ, देवदत्त पडिक्कल.

ऑस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन : शेट्टी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, प्रणय बाहर

सिडनी। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंच गए जबकि सीनियर खिलाड़ी एच एस प्रणय बृहस्पतिवार को हारकर बाहर हो गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपे के सु चिंग हेंग और यु गुआन शुन को 21.18, 21.11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए। योनेक्स अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के विजेता शेट्टी ने चौथी वरीयता प्राप्त जापान के कोडाइ नराओका को 21.17, 21.16 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना हमवतन लक्ष्य सेन से होगा। वहीं इस साल प्री क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं जा सके प्रणय को आठवीं वरीयता प्राप्त पूर्व जूनियर विश्व चैम्पियन इंडोनेशिया फरहान अलवी ने 21.19, 21.10 से हराया। सात्विक और चिराग की जोड़ी का सामना अब पांचवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी से होगा।

पाकिस्तानी क्रिकेटर से हाथ मिलाकर प्रशंसकों के निशाने पर पाये हरभजन

अबू धाबी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह अबू धाबी टी-10 लीग के एक मैच में पाकिस्तानी खिलाड़ी से हाथ मिलाते नजर आये हैं। इस लीग में हरभजन एस्पिन स्टैलियंस की कप्तानी कर रहे थे और उन्होंने नॉर्दर्न वॉरियर्स की ओर से खेल रहे पाकिस्तानी गेंदबाज शाहनवाज दहानी से हाथ मिलाया। जिसे देखकर प्रशंसक हैरान हो गये। इसका कारण है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद उन्होंने पाक की आलोचना करते हुए कहा था कि उसके साथ क्रिकेट नहीं होना चाहिये। यहां तक कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को एशिया कप में पाक से नहीं खेलने को कहा था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही भारतीय खिलाड़ियों ने हर जगह पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इंकार कर दिया था। यहां तक कि पूर्व क्रिकेटरों की विश्व चैंपियनशिप में भी भज्जी और भारतीय टीम ने पाक के खिलाफ मैच का बहिष्कार किया था। तब हरभजन, शिखर धवन, युसुफ पठान, इरफान पठान और सुरेश रैना ने विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि तनावपूर्ण राजनीतिक हालातों में 'खून और पसीना एक साथ नहीं बहाया जा सकता। एशिया कप में भी भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव की टीम भारत ने सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया। इसके बाद यह महिला विश्व कप में भी भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाक कप्तान और फातिमा सना से दूरी बनाये रखी थी।

सरफराज को मिली पाकिस्तान शाहीन और अंडर-19 टीम की जिम्मेदारी , अजहर अली ने उठाया बड़ा कदम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान अजहर अली ने नेशनल सिलेक्शन कमिटी और नेशनल क्रिकेट एकेडमी में यूथ डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के हेड पद से इस्तीफा दे दिया है। अली के एक भरोसेमंद सोर्स ने कन्फर्म किया कि उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को अपना इस्तीफा भेजा है क्योंकि एक और पूर्व टेस्ट कप्तान सरफराज अहमद को पाकिस्तान शाहीन और अंडर-19 टीमों का पूरा कंट्रोल दिया गया था।

सूत्र के हवाले से कहा गया, 'अजहर ने इस हफ्ते की शुरुआत में बोर्ड को अपना इस्तीफा भेजा था और इसे मंजूर कर लिया गया है।' 97 टेस्ट खेलने वाले अजहर ने पिछले साल सिलेक्टर और यूथ डेवलपमेंट हेड के तौर पर अपना कार्यकाल शुरू किया था, लेकिन सोर्स ने कहा कि वह बोर्ड में काम करने के तरीके से काफी परेशान हो रहे थे। काम करने का रेड-टेप स्टाइल उन्हें परेशान करता था, साथ ही इस बात से भी कि एकेडमी में युवा क्रिकेटरों को तैयार करने के उनके कुछ प्रपोजल को आगे नहीं बढ़ाया गया।'

सोर्स ने कहा कि अजहर तब निराश हुए जब बोर्ड ने अचानक उनसे बात किए बिना शाहीन और अंडर-19 क्रिकेट के सारे मामले सरफराज को सौंपने का फैसला किया। उन्होंने आगे कहा, 'अजहर को लगा कि अब जब सरफराज को शाहीन और अंडर-19 टीमें चलाने के लिए कहा गया है, तो यूथ डेवलपमेंट के हेड के तौर पर उनकी ज्यादातर जिम्मेदारियां बिना उनकी मंजूरी के छीन ली गई हैं, इसलिए उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया।'

सरफराज, जो बोर्ड के साथ पहले मेंटर और फिर क्रिकेट मामलों के एडवाइजर के तौर पर काम कर रहे थे, उन्हें पिछले हफ्ते दोनों टीमों की जिम्मेदारी लेने और कोच के परफॉर्मेंस, सिलेक्शन मामले, ट्रेनिंग कैंप ऑर्गनाइज करने समेत सभी पहलुओं को देखने के लिए कहा गया और उन्हें टीमों के साथ ट्रैवल करने का अधिकार भी दिया गया। हाल के सालों में पुराने खिलाड़ियों और कोचों, जिनमें विदेशी भी शामिल हैं, का अपना कॉन्ट्रैक्ट पूरा न करने, या तो छोड़ने या नौकरी से निकाले जाने का इतिहास रहा है। हाल ही में बाहरने वर्ल्ड कप में मिली हार के बाद महिला टीम के हेड कोच के तौर पर मुहम्मद वसीम का कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू नहीं किया, जहां टीम आठ टीमों में सबसे नीचे रही थी।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप : भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ सेमीफाइनल में शीर्षक्रम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दोहा। भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ राइजिंग स्टार्स एशिया कप सेमीफाइनल में अपने शीर्षक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी ताकि वैभव सूर्यवंशी पर अकेले बोझ नहीं पड़े। इस टी20 टूर्नामेंट में 201 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने सूर्यवंशी एक शतक और 45 रन की पारी खेल चुके हैं। बाकी बल्लेबाज हालांकि अभी तक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके हैं जिनमें कप्तान जितेश शर्मा, नमन धीर, प्रियांश आर्य और नेहाल वढेरा शामिल हैं। भारतीय टीम बांग्लादेश को हल्के में लेने की गलती नहीं करेगी जिसने अफगानिस्तान ए टीम को 78 रन पर समेट दिया था। इसके अलावा लीग मैच में श्रीलंका ए की मजबूत टीम को आखिरी ओवर तक खेलने पर मजबूर किया। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज रिपोन मंडल और हाल ही में सीनियर टी20 टीम में शामिल हुए बायें हाथ के स्पिनर रकीबुल हसन से भारतीय बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। भारत के गेंदबाजों ने भी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है और बायें हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह तीन मैचों में पांच विकेट ले चुके हैं। बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे और लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने तीन तीन विकेट लेकर उनका बखूबी साथ दिया है। दुबे ने ओमान के खिलाफ अर्धशतक भी लगाया था। दुबे ने BCCI टीवी से कहा, 'मैंने सलामी बल्लेबाज के तौर पर शुरूआत की थी और मुझे पता था कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर सकता हूं। मैं ओमान के खिलाफ मिले इस मौके को भुनाना चाहता था। हम इसी तरह का प्रदर्शन करना चाहते जो यूएई और ओमान के खिलाफ किया था।' 'बांग्लादेश की बल्लेबाजी का दारोमदार सलामी बल्लेबाज हबीबुर रहमान सोहान और कप्तान अकबर अली पर होगा। इन दोनों के विकेट जल्दी लेकर भारत दबाव बनाने की कोशिश करेगा। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान शाहीस का सामना श्रीलंका ए से होगा।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में चुने गए 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर

लंदन। स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में चुना गया है। रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी। टीवी प्रस्तोता और पत्रकार तथा पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो को योगदानकर्ता श्रेणी में चुना गया। इन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए समारोह अगस्त 2026 में होगा। फेडरर ने 103 टूर-स्तरीय खिताब, 20 बड़ी ट्रॉफियां और 28 एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन जीते हैं। 43 साल के फेडरर के नाम फरवरी 2004 से अगस्त 2008 तक 237 हफ्तों तक लगातार वर्ल्ड नंबर वन रहने का रिकॉर्ड है। फेडरर पांच बार एटीपी ईयर-एंड नंबर वन रहे, पीआईएफ सम्मान से सम्मानित हुए, 13 बार स्टीफन एडबर्ग स्पोर्ट्समैनशिप अवॉर्ड मिला और 2003-21 तक लगातार 19 सालों तक एटीपी फैंस के पसंदीदा चुने गए। अपनी इस उपलब्धि पर फेडरर ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना और खेल के इतने सारे महान चैंपियन के साथ खड़ा होना बहुत बड़ा सम्मान है।' उन्होंने कहा, 'अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा टेनिस के इतिहास और मुझसे पहले आए लोगों के उदाहरण को महत्व दिया है। स्विस टेनिस में, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से घिरे हुए यह खबर सुनना बहुत खास था वह जगह जहां मेरी अपनी यात्रा पहली बार शुरू हुई थी। खेल और मेरे साथियों से इस तरह पहचान मिलना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अगले अगस्त में टेनिस कम्युनिटी के साथ इस खास पल को मनाने के लिए न्यूपोर्ट आने का इंतजार कर रहा हूं।' 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। फेडरर ने राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' माना।

कुलदीप यादव का आक्रामक मंत्र: विकेट लेना ही मेरा काम, कोच-कप्तान के सहयोग से मिली स्पष्टता

मुंबई (एजेंसी)। भारत के अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से गुवाहाटी में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में अपना नजरिया साझा किया। यादव ने एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में अपनी भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल के सहयोग की बदौलत उन्हें अपने काम पर स्पष्टता मिली है। यादव ने आगे कहा कि वह आक्रामक मानसिकता बनाए रखते हैं और विकेट लेने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

कुलदीप यादव ने जियोस्टार पर कहा कि एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में मैं बहुत स्पष्ट हूं, मैं वर्षों से अपनी भूमिका जानता हूं। कोच और कप्तान ने मुझे बहुत स्पष्टता और सहयोग दिया है। मैं हमेशा आक्रामक मानसिकता रखता हूं और उसी के अनुसार गेंदबाजी करता हूं। यही मेरा काम है, विकेट लेना। वे मुझे इसी नजर से देखते हैं। यादव का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट एक चुनौतीपूर्ण लेकिन मनोरंजक प्रारूप है, और भारत के लिए सभी प्रारूपों में खेलना एक 'विलासिता' है। उनका लक्ष्य अगले 4-5 वर्षों में फिटनेस और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करना है ताकि वे अपने टेस्ट अवसरों का अधिकतम लाभ उठा सकें।

यादव ने कहा कि सभी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है। यह एक ऐसा प्रारूप है जिसका सभी आनंद लेते हैं, लेकिन यह बहुत चुनौतीपूर्ण भी है। जाहिर है, आप सभी प्रारूपों में खेलना चाहते हैं, लेकिन अगर आपको टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका मिलता है, तो आप इसका आनंद लेते हैं। भारत के लिए सभी प्रारूपों में खेलना एक विलासिता है। टेस्ट क्रिकेट में अगले 4-5 साल मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए मैं अपनी फिटनेस बनाए रखने और इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखने पर ध्यान केंद्रित करूंगा।

भारत शनिवार को गुवाहाटी में दूसरे और अंतिम टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा, जहां वह श्रृंखला के पहले मैच में 30 रनों की हार से उबरकर श्रृंखला 1-1 से बराबर करना चाहेगा। दूसरे टेस्ट से पहले, भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का मानना ??है कि दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीमों का सामना करने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, क्योंकि इससे उन्हें अपनी गलतियों को पहचानने और सुधारने में मदद मिलती है।

गुवाहाटी टेस्ट जीतने भारतीय टीम को करने होंगे कई सुधार : रिपोर्ट

गुवाहाटी। यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 22 नवंबर से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम का लक्ष्य जीत हासिल कर सीरीज में बराबरी पर आना रहेगा। भारतीय टीम को दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में 30 रनों से हार मिली थी जिससे वह इस सीरीज में 1-0 से पीछे है। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल का खेलना भी तय नहीं है क्योंकि पहले टेस्ट में उनकी गर्दन में अकड़न आ गयी थी। भारतीय टीम दूसरा टेस्ट हारती है तो उसके हाथ से सीरीज निकल जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसे में उसे इस मैच में जीत के लिए बल्लेबाजी के साथ ही कई चीजों में सुधार करना होगा। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों ने कई बार ऐसे शॉट खेले जिनकी जरूरत नहीं थी। बिना रणनीति के बल्लेबाजी करना से भी टीम अधिक रन नहीं बना पायी। दूसरे टेस्ट में बल्लेबाजों को धैर्य, तकनीक और समझदारी दिखानी हुए बड़ा स्कोर बनाना होगा। पिछले कुछ समय से भारतीय बल्लेबाज स्पिन के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। न्यूजीलैंड सीरीज से लेकर साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट तक यही समस्या दिखी। भारतीय हालातों में स्पिनर प्रभावी होते हैं। ऐसे में अगर भारतीय बल्लेबाजों ने स्पिन को ठीक से नहीं खेला तो उन्हें परेशानी का सामन करना पड़ेगा। इसके अलावा अच्छी शुरुआत करना रहेगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम शुरुआती झटकों से उबर नहीं पायी। शीर्ष क्रम के शुरुआत में आउट होने से मध्य क्रम दबाव में आ गया है। जिससे रन नहीं बने। इसके अलावा गेंदबाजी का भी बेहतर उपयोग करना होगा। पहले टेस्ट में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण बिखरा नजर आया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा- बिरसा मुंडा भगवान ने अंग्रेजों का जीना हराम कर दिया

-अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को किया संबोधित

सरगुजा (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं समाज की धरोहर हैं। साथ ही कहा कि बिरसा मुंडा भगवान ने अंग्रेजों का जीना हराम कर दिया था। अंग्रेजों को सिर्फ सपने में बिरसा मुंडा ही दिखते थे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हम बिरसा मुंडा की पीढ़ी हैं। आदिवासी संस्कृति को मैं पहले भी जीती थी और अब भी जीती हूं। जल, जंगल और जमीन के साथ आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा देने की जरूरत है। हमें आदिवासी संस्कृति को बचाना है। इस मौके पर राष्ट्रपति मुर्मू ने आदिवासी युवाओं को सम्मानित किया। साथ ही वैद्यों और देवस्थलों से जुड़ी योजना मुख्यमंत्री वैद्यराज सम्मान योजना और मुख्यमंत्री ग्राम अखरा विकास योजना का शुभारंभ किया। इसके साथ ही राष्ट्रपति ने 70 साल पहले डॉ. राजेंद्र प्रसाद के गोद लिए गए बच्चों से भी मिलीं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि जब मैं हेलीपैड से आ रही थी, तब रास्ते में छत्तीसगढ़ की संस्कृति साफ दिखाई दे रही थी। राज्य ने अपनी संस्कृति को संरक्षित रखा है जो बहुत प्रभावशाली और मनभावन है... मुझे आदिवासी होने पर बहुत गर्व है। आदिवासी कला और संस्कृति को देश के साथ-साथ विदेशों में भी और अधिक बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने के लिए लोगों की प्रशंसा की। मुझे भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली (झारखंड में) जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। भारतीय इतिहास में आदिवासी समुदायों का योगदान अतुलनीय रहा है। छत्तीसगढ़ आकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। झारखंड और ओडिशा छत्तीसगढ़ से ज्यादा दूर नहीं हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे राज्य ने अपनी संस्कृति को संरक्षित रखा है, जो सार्वजनिक स्थानों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। केंद्र और राज्य सरकारों के सुविचारित और सुव्यवस्थित प्रयासों से निकट भविष्य में वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा।

इसी कार्यक्रम में सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के घरों तक बिजली पहुंची, बस्तर में नक्सलवाद की कमर टूट गई है। आदिवासियों का विकास हो रहा है। बस्तर के लोगों को राशन मिल रहा है। वहीं राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि बिरसा मुंडा महान वीर थे, जिन्हें आज याद किया जा रहा है।

लगातार मेहनत और कुशल रणनीति के कारण भाजपा में बढ़ता जा रहा केशव प्रसाद मौर्य का कद

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का भाजपा में कद अब और बढ़ गया है। बिहार विधानसभा चुनाव में बतौर सह प्रभारी बेहतर प्रदर्शन करने के बाद उन्हें अब पार्टी विधायक दल का नेता चुनने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। पहले भी कई राज्यों में केशवप्रसाद को अहम जिम्मेदारियां मिलती रही हैं। अब बिहार में बड़ी जिम्मेदारी को काफी अहम माना जा रहा है। केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में ही यूपी में 2017 का चुनाव लड़ा गया था। तब वह पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे। तब 14 साल बाद भाजपा को सत्ता में वापसी हुई थी। पार्टी ने तीन चौथाई बहुमत के साथ सरकार बनाई थी। उन्हें महाराष्ट्र विस चुनाव 2019 में भी सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई थी। भाजपा वहां भी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। पश्चिम बंगाल में भी उन्हें चुनाव प्रबंधन का काम दिया गया था। याद दें कि यूपी में भाजपा को पहली बार ओबीसी चेहरे कल्याण सिंह के नेतृत्व में सत्ता हासिल हुई थी। उसके बाद 14 साल बाद 2017 में सरकार बनी तब बतौर प्रदेश अध्यक्ष केशव प्रसाद मौर्य का चेहरा था। इससे पार्टी में यह बात उठती रहती है कि ओबीसी वोट बैंक जरूरी है। इसके लिए पार्टी के पास ओबीसी चेहरे होने चाहिए। उधर, हिंदुत्व के ध्रुवीकरण के जवाब में विपक्ष लगातार पीडीए का कार्ड खेल रहा है। इस पीडीए कार्ड से विपक्ष को 2024 के लोकसभा चुनाव में काफी हद तक सफलता भी मिली थी। इसके बाद भाजपा को भी लग रहा है कि किसी तरह पीडीए का तोड़ निकाला जाए। इसी नजरिए से केशव प्रसाद उनके पास ओबीसी का बड़ा चेहरा है। यूपी के बाद अब पार्टी इसी का लाभ लेने की कोशिश पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर कर रही है।

नक्सली मुठभेड़ में शहीद इंस्पेक्टर आशीष को राजकीय सम्मान से अंतिम विदाई

-सीएम यादव और कैबिनेट मंत्री ने शव को दिया कंधा

नरसिंहपुर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के बालाघाट में नक्सली मुठभेड़ में शहीद इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को राजकीय सम्मान से अंतिम विदाई दी गई है। नरसिंहपुर में उनके गृहग्राम बोहानी में मुक्तिधाम के पास बने ग्राउंड में उन्हें सलामी दी गई। शहीद के अंतिम संस्कार में शामिल होने कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और उदय प्रताप सिंह पहुंचे। सीएम डॉ. मोहन यादव भी यहां पहुंचकर शहीद को श्रद्धांजलि दी। मप्र कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी शहीद जवान को श्रद्धांजलि दी। सीएम डॉ. यादव और कैबिनेट मंत्री पटेल ने शहीद को कंधा दिया। उनकी पार्थिव देह को चिता तक ले जाया गया। इससे पहले गुरुवार सुबह बालाघाट में उनकी श्रद्धांजलि यात्रा निकाली गई। दोपहर में उनका पार्थिव शरीर घर पहुंचा। परिजन रो-रोकर बेहाल हैं और गांव में माहौल गमगीन था। शहीद को अंतिम विदाई देने करीब 5000 से ज्यादा लोग पहुंचे। एंटी नक्सल ऑपरेशन डीजी ने बताया कि मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ ने जॉइंट ऑपरेशन चलाया था। तीनों राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्र के बोर तालाब के पास नक्सलियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। पुलिस के पहुंचने पर नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई। तीनों टीम को लीड कर रहे इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को गोली लग गई। उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बिहार की जनता ने राहुल गांधी को बर्खास्त किया, बंगाल की जनता ममता को करेगी : अग्निमित्रा पॉल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को निशाना बनाया है। बीजेपी नेता पॉल ने दावा किया कि बिहार की जनता ने राहुल गांधी को बर्खास्त कर दिया है, और बंगाल की जनता 2026 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को बर्खास्त करेगी। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन और राहुल गांधी का भविष्य साफ हो गया है, क्योंकि कांग्रेस के नेता खुद राहुल गांधी की काबिलियत पर सवाल उठा रहे हैं। बीजेपी पॉल ने राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा पर सवाल उठाकर कहा कि उन्होंने वोटर लिस्ट से 65 लाख नाम हटाए जाने का दावा किया, लेकिन 65 लोगों ने भी शिकायत दर्ज नहीं कराई। भाजपा नेता प्रतुल शाहदेव ने पीएम मोदी की तारीफ करने पर शशि थरूर की आलोचना करने पर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष सिर्फ नकारात्मक बातें करता है, और शशि थरूर की आलोचना गांधी परिवार के कहने पर हो रही है। इल्तिजा मुफ्ती के बयान पर पॉल ने कहा कि अगर वह आतंकवादियों को गुमराह युवा कहती हैं, तो उन्हें शर्म आनी चाहिए और उन्हें पाकिस्तान चले जाना चाहिए।

चिप्स के पैकेट में निकला खिलौना बच्चे ने निगला, कोशिश के बाद भी नहीं बची जान

भुवनेश्वर (एजेंसी)। बड़े-बुजुर्ग अक्सर बच्चों को लेकर सतर्क रहते हैं और कहते हैं हर पल इन पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही बड़ी अनहोनी का कारण बन जाती है। ऐसा ही एक मामला ओडिशा में सामने आया यहां मामूली-सी चूक में मासूम की जान चली गई। दरअसल, कंधमाल जिले में चिप्स के पैकेट में मिले एक छोटे खिलौने को बच्चा निगल गया और चार साल के मासूम की मौत हो गई। घटना दरिंगबाड़ी ब्लॉक के ब्राह्मणी थाना क्षेत्र स्थित मुसुमहापाड़ा गांव की है। मृत बच्चे का नाम बिगिल प्रधान था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परिवार वालों ने बताया कि बच्चे के पिता उसके लिए चिप्स का पैकेट लाए थे। पैकेट खोलते ही चिप्स के साथ एक छोटी प्लास्टिक की टॉय गन भी निकली। वहीं माता-पिता पास ही खेत में काम कर रहे थे, तब बच्चा उस खिलौने से खेल रहा था। अचानक बच्चा रोने लगा। माता-पिता दौड़े आए और खिलौना मुंह से निकालने की कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हुए। आनन-फानन में बच्चे को 30 किलोमीटर दूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सीएचसी के प्रभारी ने बताया कि पिता ने उन्हें बताया था कि चिप्स के पैकेट में मिला खिलौना बच्चे के गले में फंस गया और श्वास नली बंद हो गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि अभी तक इस मामले में कोई लिखित शिकायत नहीं आई है। शिकायत मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली के कई इलाकों में छाई मोटे कोहरे की चादर, एक्युआई 400 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। हवा की कम स्पीड और गिरते तापमान के बीच दिल्ली में घना कोहरा और देर तक रहने वाली धुंध छाई हुई है। गुरुवार को दिल्ली के कई इलाकों में धुंध की मोटी परत छाई। दिल्ली का एक्यूआई 400 के करीब दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। इंडिया गेट, राजपथ और राष्ट्रपति भवन घने कोहरे की चादर में लिपटे नजर आए। आईटीओ इलाके में एवरेज औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 399 रहा। इसके अलावा, तुगलकाबाद-महरौली-बदरपुर क्षेत्र में प्रदूषण की स्थिति और भी भयावह रही, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 479 तक पहुंच गया। सड़कों और पार्कों में भी स्मॉग स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। प्रदूषण का प्रभाव सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एनसीआर के शहर भी गंभीर स्थिति में हैं। फरीदाबाद में एक्यूआई 380, गुरुग्राम 385, नोएडा 372, ग्रेटर नोएडा 378 और गाजियाबाद 388 रिकॉर्ड किया गया। एक व्यक्ति ने हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि सांस लेने में दिक्कत होती है और आंखों में जलन होती है। बाहर जाना ही पड़ता है। बाहर नहीं घूमेंगे तो स्थिति बिस्तर पर पड़े रहने की बन जाएगी। कुछ होना चाहिए, लेकिन कोई कुछ नहीं करता। इससे पहले दिल्ली में बिगड़ी आबोहवा के मद्देनजर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने सरकार से नवंबर और दिसंबर के महीनों में तय शारीरिक खेल प्रतियोगिताओं को स्थगित करने का आग्रह किया, ताकि एयर पॉल्यूशन से स्टूडेंट्स की हेल्थ को बचाया जा सके। आयोग ने यह कदम सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियों के आलोक में उठाया, जिनमें वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर और इसके बच्चों पर संभावित स्वास्थ्य प्रभावों को लेकर चिंता व्यक्त की गई थी।

सीएम सरमा का राहुल गांधी पर तीखा कटाक्ष... रॉबर्ट वाड्रा कौन हैं? क्या वह सांसद या विधायक हैं?

पटना (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जीजा और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा पर तीखा कटाक्ष किया है। वे बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों पर रॉबर्ट वाड्रा की ओर से उठाए गए सवालों पर जवाब दे रहे थे। सीएम सरमा से पत्रकारों ने पूछा, रॉबर्ट वाड्रा कह रहे हैं कि हार-जीत होती रहती है। राहुल गांधी लगातार आंदोलन कर रहे हैं। इस पर सीएम सरमा ने कहा, रॉबर्ट वाड्रा कौन हैं? क्या वह सांसद या विधायक हैं? क्या अब हमें राहुल गांधी के जीजा का पीछा करना होगा? इसके पहले, कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ने बिहार चुनाव के नतीजों को खारिज कर फिर से चुनाव कराने की बात उठाकर आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने एनडीए की मदद की। उन्होंने महागठबंधन की हार पर कहा, सभी को लग रहा है कि जो चुनाव हुआ है, उसमें चुनाव आयोग ने एनडीए सरकार को जिताने के लिए मेहनत की है। नतीजों से लोग खुश नहीं हैं। 10 हजार रुपए देकर लोगों को खरीदा जा रहा है। ऐसी चीजें नहीं होनी चाहिए थीं। चुनाव आयोग को यह रोकना था, लेकिन उन्होंने चलने दिया। इस दौरान, सीएम सरमा ने बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के बीच बांग्लादेशी नागरिकों के राज्य छोड़ने पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, बांग्लादेशियों को भारत में क्यों रहना चाहिए? अगर एसआईआर उन्हें भारत छोड़ने पर मजबूर करता है, तब हमें इस कदम का स्वागत करना चाहिए।

लालू परिवार के झगड़े का फायदा उठा रहे पीके, महिलाओं के लिए खोल दी हेल्पलाइन

पटना (एजेंसी)। कहते हैं कि दो लोगों के झगड़े में तीसरा फायदा उठा लेता है। बिहार में तीसरा कोई और नहीं बल्कि प्रशांत किशोर उर्फ पीके हैं। पीके लालू परिवार के झगड़े का पूरा पूरा फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने इसकी शुरू महिला हेल्पलाइन से शुरू कर दी है। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद जहां महागठबंधन के नेता सार्वजनिक मंचों से लगभग गायब हैं, वहीं जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर (पीके) खुलकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। चुनावी हार के बावजूद पीके ने न सिर्फ लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया, बल्कि खुद को विपक्ष की मुख्य धुरी की तरह स्थापित भी किया।

पीके ने महिलाओं के लिए हेल्पलाइन नंबर- 9121691216 जारी किया और कहा कि जन सुराज के कार्यकर्ता हर महिला की मदद करेंगे ताकि वे सरकारी दफ्तरों में जाकर अपने हक की मांग कर सकें। पीके ने कहा कि हमने भले गलती की हो, लेकिन हमने विभाजनकारी राजनीति या गरीबों का वोट खरीदने जैसा अपराध नहीं किया। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें चुनाव से पहले ही मुश्किल नतीजों का अंदाजा था- यही कारण था जब उन्होंने कहा था कि जन सुराज चुनाव के बाद या तो अर्श पर होगी या फर्श पर। 20 नवंबर को पीके वहीं लौटेंगे जहां से उन्होंने 2 अक्टूबर 2022 को जन सुराज आंदोलन की शुरुआत की थी- पश्चिम चंपारण। शपथ ग्रहण के दिन उनका मौन उपवास उन्हें गांधीवादी संघर्ष की राह पर रखने का प्रतीक माना जा रहा है।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि जन सुराज का प्रदर्शन उम्मीद से काफी कमजोर रहा। करीब 3.34प्रतिशत वोट शेयर मिलने के बावजूद पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली और 238 में से 236 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। फिर भी एक महत्वपूर्ण तथ्य यह रहा कि 129 सीटों पर जन सुराज तीसरे स्थान पर और एक सीट पर दूसरे स्थान पर रही। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रशांत किशोर ने कहा कि अगर नीतीश कुमार की नई एनडीए सरकार अपने चुनावी वादे के अनुसार 1.5 करोड़ महिलाओं को 2-2 लाख रुपये दे देती है, तो वे राजनीति छोड़ देंगे। यहां तक कि बिहार छोड़ देंगे। उन्होंने एनडीए सरकार को 6 महीने की समय सीमा दी है और दावा किया कि इस वादे को चुनाव प्रचार में सरकारी मशीनरी की मदद से बढ़ा-चढ़ाकर बेचा गया।

चुनाव परिणाम आने के बाद से आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी दोनों ही मंच से दूर हैं। 14 नवंबर के बाद से न तो उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, न ही हार की जिम्मेदारी पर सार्वजनिक बयान दिया। तेजस्वी यादव पारिवारिक विवादों में घिरे बताए जा रहे हैं, जबकि राहुल गांधी ने केवल एक्स पर एक पोस्ट लिखकर चुनाव को चौंकाने वाला और अनुचित करार दिया था। इन परिस्थितियों में पीके का सक्रिय रुख उन्हें स्वाभाविक रूप से सबसे प्रमुख विपक्षी नेता की भूमिका में ला खड़ा करता है। चुनावी हार के बाद भी पीके की रणनीति, सक्रियता और जनता से जुड़े मुद्दे उठाने की शैली ने उन्हें बिहार में सबसे दिखाई देने वाला विपक्षी नेता बना दिया है। उन्होंने जिस तरह महिलाओं के मुद्दों को सीधे उठाया और एनडीए सरकार को खुली चुनौती दी, उससे यह साफ है कि वे विपक्ष की खाली पड़ी जगह को भरने के लिए पूरी तैयारी के साथ मैदान में हैं। 20 नवंबर को जहां पटना के गांधी मैदान में नीतीश कुमार मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण होगा, वहीं प्रशांत किशोर पश्चिम चंपारण के भीतिहरवा स्थित गांधी आश्रम में 24 घंटे का उपवास और मौन रखेंगे। यह वही स्थान है जहां से 1917 में महात्मा गांधी के सत्याग्रह की शुरुआत हुई थी। पीके ने इस जगह को चुनकर यह संदेश दिया है कि उनकी राजनीति संघर्ष और आत्मशुद्धि से प्रेरित है।

कर्नाटक सरकार का बड़ा फैसला, कुत्ते के काटने पर अगर हुई मौत... 5 लाख का मुआवजा

बेंगलुरु (एजेंसी)। देशभर में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक के बीच कर्नाटक सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने आवारा कुत्तों द्वारा लोगों और छोटे बच्चों को काटने की बढ़ती घटनाओं के बीच मुआवजा राशि देने का ऐलान कर दिया है।

कर्नाटक सरकार के अनुसार, कुत्ते के काटने पर अगर किसी की मौत होती है, तब पीड़ित परिवार को राज्य सरकार द्वारा 5 लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा। वहीं, कुत्ते काटने से जख्मी होने वाले को 5,000 रुपये का मुआवजा मिलेगा। कर्नाटक सरकार ने आवारा कुत्तों से हुई गैर-जानलेवा चोटों के लिए भी मुआवजे की जानकारी दी है। स्किन पर छेद, छेद और कट के साथ गहरे काले निशान या आवारा कुत्तों द्वारा कई बार काटने के मामलों में कुल 5,000 रुपये का मुआवजा। इस रकम में से 3,500 रुपये सीधे पीड़ित को दिए जाएंगे, और 1,500 रुपये इलाज से जुड़े खर्चों को पूरा करने के लिए सुवर्णा आरोग्य सुरक्षा ट्रस्ट को दिए जाएंगे।

इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने तमिलनाडु में कुत्तों के काटने और रेबीज से होने वाली मौतों की संख्या में खतरनाक बढ़ोतरी पर चिंता जाहिर की है। डेटा का हवाला देकर चिदंबरम ने कहा कि राज्य में अकेले इस साल कुत्तों के काटने के करीब 5.25 लाख मामले और रेबीज से 28 मौतें दर्ज हुई हैं।

चिदंबरम ने मीडिया रिपोर्ट का हवाला देकर बताया कि इस साल (अब तक) कुत्तों के काटने के 5,25,000 मामले और रेबीज से 28 मौतें दर्ज की गईं। कांग्रेस नेता ने पोस्ट में लिखा था, कुत्तों से प्यार करने वालों की चिंताएं सही हैं, लेकिन उन्हें खतरनाक डेटा डराता है। कुत्तों से प्यार करने वाला होना आवारा कुत्तों को अलग करने, उनकी नसबंदी करने और उन्हें वैक्सीन लगाने का समर्थन करने में कोई बुराई नहीं है।

सेना पर अपमानजनक टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दी राहुल गांधी को राहत

-ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगी अंतरिम रोक को 4 दिसंबर तक बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे एक मामले में राहत दी है। कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर साल 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है। बता दें सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगी अंतरिम रोक को 4 दिसंबर तक बढ़ा दिया है। दो जजों की पीठ जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने यह फैसला लिया। कोर्ट ने सुनवाई यह कहते हुए टाल दी कि सुनवाई टालने के लिए एक लेटर भेजा गया था।

बता दें यह पूरा मामला राहुल गांधी की कथित टिप्पणी से जुड़ा है, जिसको लेकर आरोप लगे हैं कि कांग्रेस नेता ने सेना का अपमान किया है। राहुल गांधी ने 29 मई के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने लखनऊ की ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी समन को रद्द करने की मांग की थी।

बता दें इससे पहले अगस्त में हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने का आदेश दिया था। वहीं, यूपी की योगी सरकार और शिकायतकर्ता से जवाब मांगा था। हालांकि उसी दौरान कोर्ट ने पूछा था कि उन्होंने कैसे यह कह दिया कि 2000 वर्ग किलोमीटर भारतीय भूमि चीन के कब्जे में है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या आप वहां पर मौजूद थे? कोर्ट ने कहा था कि अगर आप सच्चे भारतीय होंगे, तो ऐसे बयान कभी नहीं देंगे।

बता दें राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने दलील दी है कि विपक्ष के नेता को देश के मुद्दों पर सवाल उठाने से नहीं रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि कानून के मुताबिक कोर्ट को कोई भी आपराधिक शिकायत स्वीकार करने से पहले आरोपी की भी बात सुननी चाहिए।

राहुल गांधी के वकील की दलील है कि शिकायत पढ़कर ही आरोप संदिग्ध लगते हैं और यह भी कहा कि राहुल गांधी लखनऊ के निवासी नहीं हैं, इसलिए समन जारी करने से पहले आरोपों की जांच करनी चाहिए। अब इस मामले में अगली सुनवाई 4 दिसंबर को होगी।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी जांच के दायरे में, 200 से ज्यादा डॉक्टर, लेक्चरर और स्टाफ जांच एजेंसियों के राडार पर

-जीएमसी में डॉक्टरों-स्टाफ के लॉकरों की जांच शुरू कर दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के लाल किला के पास हुए कार बम धमाके की जांच ने अब अल-फलाह यूनिवर्सिटी को पूरी तरह कटघरे में खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि अब यूनिवर्सिटी के 200 से ज्यादा डॉक्टर, लेक्चरर और स्टाफ जांच एजेंसियों के रडार पर आ गए हैं। उधर, व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल के खुलासे के बाद एजेंसी ने जीएमसी में डॉक्टरों-स्टाफ के लॉकरों की जांच शुरू कर दी है।

सूत्रों के मुताबिक विश्वविद्यालय के 200 से ज्यादा डॉक्टर, लेक्चरर और स्टाफ जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। इतना ही नहीं हॉस्टल और बाहर रहने वाले छात्रों के कमरों की तलाशी हो रही है। अब तक 1000 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। जांच एजेंसियां ये पता लगाने में जुटी हैं कि दिल्ली ब्लास्ट के बाद कितने लोग यूनिवर्सिटी छोड़कर गए और उनकी पहचान क्या है। कई लोगों ने अपने मोबाइल फोन का डेटा डिलीट किया है, जिसकी भी गहन जांच होगी।

उधर जांच एजेंसियों ने एक 35 वर्षीय महिला को हिरासत में लिया है, जिसने आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी को नूंह की हिदायत कॉलोनी में कमरा किराए पर दिया था। वे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता महिला दिल्ली बम धमकों के बाद से फरार थी। घटना के बाद उसका परिवार भी जांच के दायरे में है। सूत्रों ने बताया कि उमर ने नूंह में रहते वक्त कई मोबाइल फोन इस्तेमाल किए थे। ब्लास्ट के बाद अल-फलाह अस्पताल में मरीजों की संख्या आधी रह गई है। पहले रोजाना 200 के करीब ओपीडी मरीज आते थे, अब 100 से कम आ रहे हैं। जांच एजेंसियां ये पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या विश्वविद्यालय के अंदर कोई हैंडलर था, क्योंकि उमर को संस्थान में विशेष सुविधा मिलती थी।

विश्वविद्यालय से एमबीबीएस की पढ़ाई करने के बाद यहां अप्रेंटिसशिप कर रहे दो डॉक्टरों ने बताया कि उमर 2023 में बिना किसी छुट्टी और सूचना के करीब छह माह तक अस्पताल और विश्वविद्यालय से गायब रहा। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि घटना का अजीब पहलू ये है कि वापस आते ही वह सीधे ड्यूटी पर लौट आया और उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उन्होंने बताया कि उमर बहुत कम कक्षा अटेंड करता था। वह हफ्ते में सिर्फ एक या दो लेक्चर लेता था और वहां भी सिर्फ 15-20 मिनट के। फिर वह अपने कमरे में वापस चला जाता था। चौंकाने वाले खुलासे में डॉक्टरों ने बताया कि उमर को अस्पताल में हमेशा शाम या रात की शिफ्ट में ही काम मिलता था। उमर को कभी सुबह की शिफ्ट में काम नहीं दिया गया।

उधर, दिल्ली ब्लास्ट और -व्हाइट कॉलर- आतंकी मॉड्यूल के खुलासे के बाद अनंतनाग स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में बुधवार से डॉक्टरों-स्टाफ के लॉकरों की व्यापक जांच शुरू की गई है। इस महीने की शुरुआत में यहीं डॉ. अदील राथर के लॉकर से एके-47 बरामद हुआ था, जिसके बाद कई डॉक्टरों का आतंकी मॉड्यूल पकड़ा गया और 2900 किलो विस्फोटक बरामद हुआ था।